1 माँ, कह एक कहानी

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

आइए, अब हम इस कविता पर विस्तार से चर्चा करें। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर कौन-सा है? उनके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. माँ अपने बेटे को करुणा और न्याय की कहानी क्यों सुनाती है?

- राजाओं की कहानियों से उसका मनोरंजन करने के लिए।
- उसमें सही और गलत की समझ विकसित करने के लिए।
- उसे परिवार की विरासत और पूर्वजों के बारे में बताने के लिए।
- उसे प्रकृति और जानवरों के बारे में जानकारी देने के लिए।

उत्तर– उसमें सही और गलत की समझ विकसित करने के लिए।

2. कविता में घायल पक्षी की कहानी का उपयोग किसलिए किया गया है?

- निर्दोष पक्षी के प्रति आखेटक की क्रूरता दिखाने के लिए।
- पिता की वीरता और साहस पर ध्यान दिलाने के लिए।
- करुणा और हिंसा के बीच के संघर्ष को दिखाने के लिए।
- मित्रता और निष्ठा के महत्व को उजागर करने के लिए।

उत्तर– करुणा और हिंसा के बीच के संघर्ष को दिखाने के लिए।

3. कविता के अंत तक पहुँचते-पहुँचते बच्चे को क्या समझ में आने लगता है?

- न्याय सदैव करुणा के साथ होना चाहिए।
- निर्णय लेते समय सदैव निडर रहना चाहिए।
- आखेटकों का सदैव विरोध करना चाहिए।
- जानवरों की हर स्थिति में रक्षा करनी चाहिए।

उत्तर– न्याय सदैव करुणा के साथ होना चाहिए।

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुनें?

उत्तर– 1. मारने वाले से बचाने वाला श्रेष्ठ होता है। न्याय भी दया के साथ होना चाहिए, यह समझ विकसित होना आवश्यक है, इसलिए यह उत्तर चुना।

2. सही होते हुए भी स्वयं को निर्दोष साबित करने के लिए तर्क-वितर्क और संघर्षों का सामना करना पड़ता है, यह जानते हुए भी निडर होकर न्याय के पक्ष में डटे रहना तथा सत्य, दया, करुणा का साथ न छोड़ने के कारण यह उत्तर चुना।

3. न्यायकर्ता के सामने जब क्रूरता और दयालुता में से किसी एक के पक्ष में न्याय देना हो तो स्वाभाविक ही न्याय दयालुता के पक्ष में ही जायेगा, इसलिए यह उत्तर चुना।

मिलकर करें मिलान

इस पाठ में आपने माँ और पुत्र के बीच की बातचीत को एक कविता के रूप में पढ़ा है। इस कविता में माँ अपने पुत्र को उसके पिता की एक कहानी सुना रही हैं। क्या आप जानते हैं कि ये माँ, पुत्र और पिता कौन हैं? अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और उन्हें पहचानकर सुमेलित कीजिए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

पात्र	ये शब्द किसके लिए आए हैं।
1. बेटा	1. यशोधरा, एक राजकुमारी, सिद्धार्थ की पत्नी
2. माँ	2. सिद्धार्थ, एक राजकुमार जो बाद में गौतम बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हुए
3. तात (पिता)	3. सिद्धार्थ और यशोधरा के पुत्र राहुल

उत्तर— 1. बेटा — सिद्धार्थ और यशोधरा के पुत्र राहुल।

2.माँ — यशोधरा, एक राजकुमारी, सिद्धार्थ की पत्नी।

3. तात (पिता)— सिद्धार्थ, एक राजकुमार जो बाद में गौतम बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हुए।

नोट— छात्र शिक्षकों के सहयोग से और जानकारी लें।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए—

(क) "कोई निरपराध को मारे,
तो क्यों अन्य उसे न उबारे?
रक्षक पर भक्षक को वारे,
न्याय दया का दानी!''

(ख) ''हुआ विवाद सदय-निर्दय में,
उभय आग्रही थे स्वविषय में,
गई बात तब न्यायालय में,
सुनी सभी ने जानी।''

उत्तर— (क) यदि कोई व्यक्ति अपराध न करने वाले निर्दोष को मारता है तो कोई उसे क्यों न बचाए? अर्थात् दूसरों का यह दायित्व बनता है कि उसे बचाएँ। भक्षण करने वाले से रक्षा करने वाला बड़ा (श्रेष्ठ) होता है। न्याय भी दया का ही पक्ष लेता है।

(ख)घायल हंस पर अपना अधिकार जमाने के लिए दयावान (सिद्धार्थ) तथा निर्दयी (शिकारी) के बीच झगड़ा होने लगा। दोनों ही अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए थे। इसके बाद दोनों का विवाद न्यायालय में पहुँच जाता है। वहाँ उन दोनों की बात लोगों ने सुनी और समझी।

सोच-विचार के लिए

कविता को एक बार फिर से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) आपके विचार से इस कविता में कौन-सी पंक्ति सबसे महत्वपूर्ण है? आप उसे ही सबसे महत्वपूर्ण क्यों मानते हैं?

(ख) आखेटक और बच्चे के पिता के बीच तर्क-वितर्क क्यों हुआ था?

(ग) माँ ने पुत्र से ''राहुल, तू निर्णय कर इसका'' क्यों कहा?

(घ) यदि कहानी में आप उपवन में होते तो घायल हंस की सहायता के लिए क्या करते? आपके अनुसार न्याय कैसे किया जा सकता था?

(ङ) कविता में माँ और बेटे के बीच बातचीत से उनके बारे में क्या-क्या पता चलता है?

(**संकेत—** कविता पढ़कर आपके मन में माँ-बेटे के बारे में जो चित्र बनता है, जो भाव आते हैं या जो बातें पता चलती हैं, उन्हें भी लिख सकते हैं।)

उत्तर— (क) मेरे विचार से निम्नलिखित पंक्ति सबसे महत्वपूर्ण है—

''रक्षक पर भक्षक को वारे,
न्याय दया का दानी!''

इस पंक्ति में न्याय को दया का पक्षधर मानते हुए दयालुता को हिंसा से श्रेष्ठ बताया गया है।

(ख) आखेटक और बच्चे के पिता के बीच तर्क-वितर्क घायल हंस पर अपना अधिकार दिखाने के कारण हुआ था।

(ग) माँ ने पुत्र राहुल से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह पुत्र में सही और गलत की समझ विकसित करना चाहती थी।

(घ) यदि कहानी में मैं उपवन में होता तो घायल हंस की सहायता के लिए उसका उपचार करता। घायल हंस को शिकारी को न देना ही सही न्याय था। साथ ही शिकारी को भी दंड देता।

(ङ) कविता में माँ और बेटे के बीच बातचीत से उनके बारे में निम्नलिखित बातें पता चलती हैं —

(1) यशोधरा एक आदर्श माँ है।

(2) वह अपने बच्चे को दयालु, संस्कारवान और न्यायप्रिय बनाना चाहती है।

(3) बच्चे में दया, धर्म, प्रेम आदि को विकसित करना चाहती है।

(4) राहुल एक योग्य सुपुत्र है।

(5) वह माँ की शिक्षा को पूर्ण विवेक और तन्मयता से सीखता है।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए—

(क) माँ ने अपने बेटे को कहानी सुनाते समय अंत में कहानी को स्वयं पूरा नहीं किया, बल्कि उसी से निर्णय करने के लिए कहा। यदि आप किसी को यह कहानी सुना रहे होते तो कहानी को आगे कैसे बढ़ाते?

(ख) मान लीजिए कि कहानी में हंस और तीर चलाने वाले के बीच बातचीत हो रही है। कल्पना से बताइए कि जब उसने हंस को तीर से घायल किया तो उसमें और हंस में क्या-क्या बातचीत हुई होगी? उन्होंने एक-दूसरे को क्या-क्या तर्क दिए होंगे?

(ग) मान लीजिए कि माँ ने जो कहानी सुनाई है, आप भी उसके एक पात्र हैं। आप कौन-सा पात्र बनना चाहेंगे? और क्यों?

- तीर चलाने वाला
- पक्षी
- पक्षी को बचाने वाला व्यक्ति
- न्यायाधीश
- कोई अन्य पात्र जो आप कहानी में जोड़ना चाहें

उत्तर— (क) यदि मैं किसी को कहानी सुना रहा होता तो, न्यायालय के निर्णय के बाद घायल हंस का क्या हुआ? वह कहाँ रहने लगा? इत्यादि वार्ता द्वारा कहानी को आगे बढ़ाता।

(ख) उन्होंने एक-दूसरे को निम्नलिखित तर्क दिए होंगे—

हंस—हे शिकारी! तुमने मुझे बाण क्यों मारा है?

शिकारी — मैं तुम्हारा मांस खाना चाहता हूँ।

हंस—हे शिकारी! मेरे बच्चे बहुत छोटे-छोटे हैं। मैं ही उनका पालन-पोषण करता हूँ। अत: तुमने बहुत गलत किया है।

शिकारी —पशु-पक्षियों का शिकार करना मेरा कर्म है। अत: इसमें मेरा कोई दोष नहीं है।

(**नोट—** विद्यार्थी अपनी समझ से भी उत्तर दे सकते हैं।)

(ग) मैं इस कहानी में घायल पक्षी को बचाने वाला पात्र बनना चाहूँगा, क्योंकि जीवों पर दया करना सबसे बड़ा धर्म है।

संवाद

इस कविता में एक माँ और उसके पुत्र का संवाद दिया गया है लेकिन कौन-सा कथन किसने कहा है, यह नहीं बताया गया है। आप कविता में दिए गए संवादों को पहचानिए कि कौन-सा कथन किसने कहा है और उसे दिए गए उचित स्थान पर लिखिए। उदाहरण के लिए, माँ और पुत्र का एक-एक कथन दिया गया है।

पुत्र द्वारा कहे गए कथन	**माँ द्वारा कहे गए कथन**
1. ''माँ, कह एक कहानी।''	1. ''बेटा, समझ लिया क्या तूने मुझको अपनी नानी?''

उत्तर:

पुत्र द्वारा कहे गए कथन	माँ द्वारा कहे गए कथन
2. कहती है मुझसे यह चेटी तू मेरी नानी की बेटी, कह माँ, कह, लेटी ही लेटी, राजा था या रानी? राजा था या रानी? माँ, कह एक कहानी।"	2. "तू है हठी मानधन मेरे, सुन उपवन में बड़े सबेरे, तात भ्रमण करते थे तेरे, जहाँ सुरभि मनमानी।"
3. "जहाँ सुरभि मनमानी? हाँ, माँ, यही कहानी।"	3. "वर्ण-वर्ण के फूल खिले थे, झलमल कर हिम-बिंदु झिले थे, हलके झोंके हिले-मिले थे, लहराता था पानी।"
4. लहराता था पानी? हाँ, हाँ यही कहानी	4. गाते थे खग कल कल स्वर से, सहसा एक हंस ऊपर से, गिरा, बिद्ध होकर खर-शर से, हुई पक्ष की हानी!"
5. हुई पक्ष की हानी? करुणा भरी कहानी।	5. चौंक उन्होंने उसे उठाया नया जन्म सा उसने पाया। इतने में आखेटक आया लक्ष्य सिद्धि का मानी।
6. लक्ष्य सिद्धि का मानी कोमल कठिन कहानी।	6. माँगा उसने आहत पक्षी तेरे तात किंतु थे रक्षी तब उसने, जो था खगभक्षी-
7. हठ करने की ठानी। अब बढ़ चली कहानी	7. हुआ विवाद सदय - निर्दय में, उभय आग्रही थे स्वविषय में, गई बात तब न्यायालय में,
8. सुनी सभी ने जानी व्यापक हुई कहानी।	8. राहुल, तू निर्णय कर इसका- न्याय पक्ष लेता है किसका? कह दे निर्भय, जय हो जिसका।

9. माँ, मेरी क्या बानी मैं सुन रहा कहानी, कोई निरपराध को मारे तो क्यों अन्य उसे न उबारे	9. न्याय दया का दानी तूने गुनी कहानी
10. रक्षक पर भक्षक को वारे न्याय दया का दानी	

शब्द से जुड़े शब्द

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में प्रकृति से जुड़े शब्द कविता में से चुनकर लिखिए —

उत्तरः

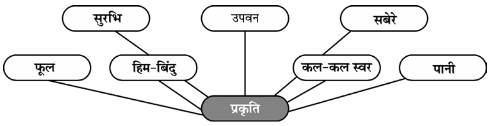

पंक्ति से पंक्ति

नीचे स्तंभ 1 और स्तंभ 2 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। मिलती-जुलती पंक्तियों को रेखा खींचकर मिलाइए —

स्तम्भ 1	स्तम्भ 2
1. कहती है मुझसे यह चेटी	1. दोनों ही अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए थे।
2. तू है हठी मानधन मेरे	2. तू बिना डरे कह दे कि जीत किसकी होनी चाहिए।
3. झलमल कर हिम-बिंदु झिले थे	3. दयालु और निर्दयी व्यक्ति में झगड़ा हुआ।
4. गिरा, बिद्ध होकर खर-शर से	4. न्याय में दया सम्मिलित होती है, न्याय मारने वाले के स्थान पर बचाने वाले का पक्ष लेता है।
5. हुआ विवाद सदय-निर्दय में,	5. हिम-कण/ओस की बूँदें झिलमिला रही थीं।
6. कह दे निर्भय, जय हो जिसका।	6. तूने कहानी को समझ लिया है।
7. तूने गुनी कहानी।	7. यह सेविका मुझसे यह कहती है।
8. उभय आग्रही थे स्वविषय में	8. तेज धार वाले तीर से घायल होकर गिर गया।
9. तब उसने, जो था खगभक्षी — हठ करने कीठानी।	9. हे मेरे पुत्र, तू बहुत हठ करता है।
10. रक्षक पर भक्षक को बारे न्याय दया का दानी!	10.तब उस तीर चलाने वाले ने हठ करने का निश्चय कर लिया।

उत्तरः 1. (7), 2. (9), 3. (5), 4. (8), 5. (3), 6. (2), 7. (6), 8. (1), 9. (10), 10. (4)।

कविता की रचना

(क)इस कविता को एक बार पुनः पढ़िए और अपने समूह में मिलकर इस कविता की विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

उत्तरः कविता की विशेषताएँ-

1.प्रकृति-प्रेम और प्राकृतिक सौन्दर्य से युक्त कविता की भाषा सरल, सहज और लालित्यपूर्ण है।

2.गेय व तुकांत रचना है।

3.माँ और पुत्र के बीच के संवाद आदर्श प्रेरक प्रसंगों से युक्त हैं।

4.माँ के द्वारा कहानी कहते हुए अप्रत्यक्ष रूप से बच्चों को संस्कारित कहना कविता की विशेषता है।

5.कहानी के बीच में बच्चे से प्रश्न पूछकर माँ यह जानना चाहती है कि जिस उद्देश्य से कहानी सुनाई जा रही है, वह पूरा हुआ या नहीं, यह कविता की एक आकर्षक विशेषता है।

(ख)नीचे इस कविता की कुछ विशेषताएँ और वे पंक्तियाँ दी गई हैं जिनमें ये विशेषताएँ दिखाई देती हैं। विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए। आप कविता की पंक्तियों में एक से अधिक विशेषताएँ भी ढूँढ़ सकते हैं।

कविता की विशेषताएँ	कविता की पंक्तियाँ
1. संवाद दिए गए हैं।	1. हुआ विवाद सदय-निर्दय में
2. पंक्ति के अंतिम शब्द की ध्वनि आपस में मिलती-जुलती है।	2. हुई पक्ष की हानी।
3. कुछ शब्द दो बार और साथ-साथ आए हैं।	3. बेटा, समझ लिया क्या तूने मुझको अपनी नानी? कहती है मुझसे यह चेटी, तू मेरी नानी की बेटी!

4. कुछ विपरीतार्थक शब्द साथ-साथ आए हैं।	4. तू है हठी मानधन मेरे, सुन, उपवन में बड़े सबेरे
5. प्रकृति का वर्णन किया गया है।	5. कोमल-कठिन कहानी।
6. एक ही वर्ण से शुरू होने वाले एक से अधिक शब्द एक ही पंक्ति में आए हैं।	6. वर्ण वर्ण के फूल खिले थे, झलमल कर हिम-बिंदु झिले थे, हलके झोंके हिले-मिले थे, लहराता था पानी।
7. प्रश्न-उत्तर दिए गए हैं।	
8. शब्द की वर्तनी बदलकर उपयोग किया गया है।	

उत्तर: 1. (3,4), 2. (3,4,6), 3. (6), 4. (1,5), 5. (6), 6. (5), 7. (3), 8. (2,4)।

रूप बदलकर

''सुन, उपवन में बड़े सबेरे,
तात भ्रमण करते थे तेरे,''

कविता की इन पंक्तियों को निम्न प्रकार से बदलकर लिखा जा सकता है—

"सुनो! आपके पिता एक उपवन में बहुत सवेरे भ्रमण किया करते थे..."

अब आप भी पाठ के किसी एक पद को एक अनुच्छेद के रूप में लिखिए।

उत्तर:चौंक उन्होंने उसे उठाया, नया जन्म-सा उसने पाया। इतने में आखेटक आया,

अनुच्छेद— उन्होंने चौंककर घायल हंस को उठाया। उनकी सेवा से उस हंस को नया जन्म-सा मिला। तभी वहाँ बहेलिया (शिकारी) आ जाता है।

कविता में विराम चिह्न

"माँ, कह एक कहानी।"

इस पंक्ति में आपको अनेक विराम चिह्न दिखाई दे रहे हैं, जैसे—

- अल्प विराम (,)
- पूर्ण विराम (।)
- उद्धरण चिह्न ('' '')

इस कविता में विराम चिह्नों का बहुत अच्छा प्रयोग किया गया है। विराम चिह्न इस कविता में अनेक कार्य कर रहे हैं, जैसे यह बताना कि—

- कविता पाठ करते समय कहाँ थोड़ा रुकना है (,), कहाँ अधिक रुकना है (।)
- कौन सी पंक्ति किसने कही है? पुत्र ने या माँ ने ('' '')
- कहाँ प्रश्न पूछा गया है (?)
- कौन-सी बात आश्चर्य से बोली गई है (!)

(क) नीचे कविता का एक अंश बिना विराम चिह्नों के दिया गया है। इसमें उपयुक्त स्थानों पर विराम चिह्न लगाइए—

उत्तर:''राहुल, तू निर्णय कर इसका —
न्याय पक्ष लेता है किसका?
कह दे निर्भय, जय हो जिसका।
सुन लूँ तेरी बानी।''
''माँ, मेरी क्या बानी?
मैं सुन रहा कहानी।
कोई निरपराध को मारे,
तो क्यों अन्य उसे न उबारे?
रक्षक पर भक्षक को वारे,
न्याय दया का दानी!''
''न्याय दया का दानी?
तूने गुनी कहानी।''

(ख) अब विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए कविता को अपने समूह में सुनाइए।

उत्तर: विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) "सुन, उपवन में बड़े सबेरे,
तात भ्रमण करते थे तेरे,"
आप या आपके परिजन भ्रमण के लिए कहाँ-कहाँ जाते हैं? और क्यों?

उत्तर— मैं और मेरे परिजन भ्रमण के लिए मैदान या बगीचे में जाते हैं क्योंकि प्रात: भ्रमण से शरीर स्वस्थ एवं तरोताजा रहता है। (नोट— विद्यार्थी अपने-अपने अनुसार लिखें।)

(ख) इस पाठ में एक माँ अपने पुत्र को कहानी सुना रही है। आप किस-किस से कहानी सुनते हैं या थे? आप किसको और कौन-सी कहानी सुनाते हैं?

उत्तर— मैं अपने दादाजी एवं दादीजी से कहानियाँ सुनता हूँ। मैं अपने छोटे बहन-भाइयों को पशु-पक्षियों की कहानियाँ सुनाता हूँ। (**नोट—** विद्यार्थी अपने-अपने अनुसार भी लिख सकते हैं।)

(ग) माँ ने कहानी सुनाने के बीच में एक प्रश्न पूछ लिया था। क्या कहानी सुनाने के बीच में प्रश्न पूछना सही है? क्यों?

उत्तर— कहानी सुनाने के बीच में प्रश्न पूछना सही है क्योंकि इससे सुनने वाले की सजगता का पता चलता रहता है।

(घ) कविता में बालक अपनी माँ से बार-बार 'वही' कहानी सुनने की हठ करता है। क्या आपका भी कभी कोई कहानी बार-बार सुनने का मन करता है? अगर हाँ, तो वह कौन-सी कहानी है और क्यों?

उत्तर— हाँ, मेरा मन भी 'श्रवण कुमार' की कहानी सुनने को बार-बार करता है क्योंकि इस कहानी में श्रवण कुमार की मातृ-पितृ भक्ति का परिचय दिया गया है।
(**नोट—** विद्यार्थी अपने-अपने अनुसार भी लिख सकते हैं।)

निर्णय करें

''राहुल, तू निर्णय कर इसका— ''

नीचे कुछ स्थितियाँ दी गई हैं। बताइए कि इन स्थितियों में आप क्या करेंगे?

1.खेलते समय आप देखते हैं कि एक मित्र ने भूल से एक नियम तोड़ा है।

उत्तर— मित्र को उसकी भूल का एहसास कराएँगे तथा खेल के नियमों की जानकारी देंगे।

2.एक सहपाठी को कक्षा में दूसरों द्वारा चिढ़ाया जा रहा है।

उत्तर— सहपाठी को शांत रहने के लिए बोलेंगे तथा दूसरों को ऐसा करने से रोकेंगे।

3.एक समूह परियोजना के बीच एक सहपाठी अपने भाग का कार्य नहीं कर रहा है।

उत्तर— उस सहपाठी से अपने भाग का कार्य न करने का कारण जानेंगे तथा समस्या के निराकरण में उसकी मदद करेंगे।

4.आपके दो मित्रों के बीच एक छोटी-सी बात पर तर्क-वितर्क हो रहा है।

उत्तर— दोनों मित्रों को तर्क-वितर्क करने से रोकेंगे तथा दोनों को भिन्न-भिन्न कार्यों में लगा देंगे।

5.एक सहपाठी को कुछ ऐसा करने के लिए अनुचित रूप से दंडित किया जा रहा है जिसे उसने नहीं किया।

उत्तर— सहपाठी की सच्चाई को जानकर उसे अनुचित रूप से दंडित होने से बचाएँगे।

6.एक सहपाठी प्रतियोगिता में हार जाने पर उदास है।

उत्तर— उसे पुन: आगामी प्रतियोगिता में मेहनत करने का सुझाव देंगे तथा हार-जीत दोनों में से एक तो मिलती ही है, इस विषय पर भी समझाँएगे।

7.कक्षा में चर्चा के बीच एक सहपाठी संकोच कर रहा है और बोलने का अवसर नहीं पा रहा है।

उत्तर— उसे संकोच छोड़ने को कहेंगे तथा बोलने का अवसर भी देंगे।

8.सहपाठी किसी विषय में संघर्ष कर रहा है और आपसे सहायता माँगता है।

उत्तर— सहपाठी की हर विषय में सहायता करेंगे।

आज की पहेली

नीचे कुछ पहेलियाँ दी गई हैं। इनके उत्तर आपको कविता में से मिल जाएँगे। पहेलियाँ बूझिए —

पहेली 1

नानी की बेटी है कौन?
मामा की बहना है कौन?
भार्या है पिता की कौन?
भाभी है चाचा की कौन?

पहेली 2

आसमान में उड़-उड़ जाए,
तरह-तरह के गाने गाए,
पर फैलाकर करता सैर,
दो हैं जिसके पर और पैर।

पहेली 3

बागों में जो सुगंध फैलाती,
फूल-फूल में बसती गाती,
हवा-हवा में घुल-मिल जाए,
कौन है जो यह नाम बताए?

उत्तर— (1) माँ। (2) पक्षी। (3) सुरभि।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. **कहानी सुनना चाहता/चाहती है—**

(क) चेटी (ख) माँ
(ग) राहुल (घ) कवि

2. 'हठी' किसे कहा गया है?

(क) राहुल को (ख) सिद्धार्थ को

(ग) बहेलिया को (घ) चेटी को

3. मनमानी सुरभि कहाँ थी?

(क) नगर में (ख) महल में

(ग) उपवन में (घ) न्यायालय में

4. घायल हंस को किसने उठाया था?

(क) राहुल ने (ख) सिद्धार्थ ने

(ग) यशोधरा ने (घ) बहेलिया ने

5. दया का दानी किसको कहा गया है?

(क) न्याय को (ख) अन्याय को

(ग) राहुल को (घ) सिद्धार्थ को

उत्तर: **1.** (ग), **2.** (क), **3.** (ग), **4.** (ख), **5.** (क।

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. समझ लिया क्या तूने मुझको अपनी ....।
2. गाते थे .... कल कल स्वर से।
3. तब उसने, जो था ....।
4. उभय आग्रही थे .... में।
5. रक्षक पर .... को वारे।

उत्तर: **1.** नानी, **2.** खग, **3.** खगभक्षी, **4.** स्वविषय, **5.** भक्षक।

सत्य/असत्य

1. राहुल चेटी से कहानी सुनना चाहता है। ( )
2. उपवन में मनमानी सुरभि थी। ( )
3. हंस की कहानी करुणा भरी थी। ( )
4. किसी निरपराध को नहीं मारना चाहिए। ( )
5. अन्याय दया का पक्ष लेता है। ( )

उत्तर: **1.** असत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. राजा	(क) निर्दय
2. कोमल	(ख) भक्षक
3. सदय	(ग) लाभ
4. रक्षक	(घ) कठिन
5. हानि	(ङ) रानी

उत्तर: **1.** (ङ), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (ख), **5.** (ग)।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. कहानी कौन सुनना चाहता है?

उत्तर: राहुल कहानी सुनना चाहता है।

2. नानी की बेटी कौन है?

उत्तर: माँ (यशोधरा) नानी की बेटी है।

3. राहुल के तात कहाँ भ्रमण करते थे?

उत्तर: उपवन में राहुल के पिता भ्रमण करते थे।

4. कल-कल के स्वर में कौन गाते थे?

उत्तर: खग (पक्षी) कल-कल स्वर में गाते थे।

5. न्यायालय में किसका विवाद पहुँच जाता है?

उत्तर: राहुल के पिता (सिद्धार्थ) और बहेलिया का विवाद न्यायालय में पहुँच जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. चेटी ने राहुल से क्या कहा था?

उत्तर: चेटी ने राहुल से कहा था कि तुम्हारी माँ तुम्हारी नानी की बेटी हैं।

2. राहुल के तात कहाँ और कब भ्रमण करते थे?

उत्तर: राहुल के तात उपवन में बड़े सबेरे भ्रमण करते थे।

3. घायल हंस को किसने तथा कैसे उठाया?

उत्तर: घायल हंस को सिद्धार्थ ने चौंककर उठाया।

4. कविता में 'रक्षी' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

उत्तर: कविता में 'रक्षी' शब्द सिद्धार्थ के लिए प्रयोग किया गया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. यशोधरा पुत्र राहुल को कौन-सी कहानी सुनाती है?

उत्तर: यशोधरा पुत्र राहुल को उसके पिता सिद्धार्थ के दयाभाव की कहानी सुनाती है। एक बार सिद्धार्थ

अपने उपवन में भ्रमण कर रहे थे तभी उनके सामने बाण से घायल एक हंस आकर गिरता है। वे उसे बचाने के लिए जैसे ही अपनी गोद में रखते हैं, वैसे ही बहेलिया उसे माँगने आ जाता है। बात न्यायालय में राजा के पास पहुँचती है जिसमें रक्षक की विजय होती है।

2. उपवन का वातावरण कैसा था? लिखिए।

उत्तर: उपवन में चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिल रहे थे। उन फूलों पर ओस की बूँदें चमक रही थीं। हवा का झोंका आने पर पानी की बूँदें ऐसे लगती थीं मानो पानी लहरा रहा है। हवा में चारों ओर फूलों की सुगन्ध भरी हुई थी। ❍❍

2 तीन बुद्धिमान

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

मेरी समझ से

(क) लोककथा के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उनके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1.लोककथा में पिता ने अपने बेटों से 'धन संचय करने' को कहा। उनकी इस बात का क्या अर्थ हो सकता है?

- खेती-बारी करना और धन इकट्ठा करना
- पैनी दृष्टि और तीव्र बुद्धि का विकास करना
- ऊँट का व्यापार करना
- गाँव छोड़कर किसी नगर में जाकर बसना

उत्तर— पैनी दृष्टि और तीव्र बुद्धि का विकास करना।

2. तीनों भाइयों ने अपने ज्ञान और बुद्धि का उपयोग करके ऊँट के बारे में बहुत-कुछ बता दिया। इससे क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

- बुद्धि का प्रयोग करके ऊँट के बारे में सब-कुछ बताया जा सकता है।
- समस्या को सुलझाने के लिए ध्यान से निरीक्षण करना महत्वपूर्ण है।
- किसी व्यक्ति का ज्ञान, बुद्धि और धन ही सबसे बड़ी ताकत है।
- ऊँट के बारे में जानने के लिए दूसरों पर भरोसा करना चाहिए।

उत्तर— समस्या को सुलझाने के लिए ध्यान से निरीक्षण करना महत्वपूर्ण है।

3.राजा ने भाइयों की बुद्धिमत्ता पर विश्वास क्यों किया?

- भाइयों ने अपनी बात को तर्क के साथ समझाया।
- राजा को ऊँट के स्वामी की बातों पर संदेह था।
- राजा ने स्वयं ऊँट और पेटी की जाँच कर ली थी।
- भाइयों ने राजा को अपनी बात में उलझा लिया था।

उत्तर— भाइयों ने अपनी बात को तर्क के साथ समझाया।

4.लोककथा के पात्रों और घटनाओं के आधार पर, राजा के निर्णय के पीछे कौन-सा मूल्य छिपा है?

- दोषी को कड़ा से कड़ा दंड देना हर समस्या का सबसे बड़ा समाधान है।
- अच्छी तरह जाँच किए बिना किसी को दोषी नहीं ठहराना चाहिए।
- राजा की प्रत्येक बात और निर्णय को सदा सही माना जाना चाहिए।
- ऊँट की चोरी के निर्णय के लिए सेवक की बुद्धि का उपयोग करना चाहिए।

उत्तर— अच्छी तरह जाँच किए बिना किसी को दोषी नहीं ठहराना चाहिए।

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने भिन्न-भिन्न उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुनें?

उत्तर— उत्तर चुनने के कारण—

1.पिता की बात का अर्थ पैनी दृष्टि और तीव्र बुद्धि का विकास करने से है, ताकि जीवन में किसी भी स्थिति का सामना किया जा सके।

2.तीनों भाइयों ने ऊँट को देखे बिना अपनी ज्ञान और बुद्धि का उपयोग करके सही-सही बताया। किसी समस्या को सुलझाने के लिए बुद्धि का प्रयोग करके ध्यान से निरीक्षण करना आवश्यक है।

3.राजा द्वारा तीनों भाइयों की बुद्धिमत्ता पर विश्वास करने का कारण उनके द्वारा अपनी बात को तर्क के साथ समझाया जाना था। तर्क से ही बात को प्रमाणित किया जा सकता है।

4.राजा के निर्णय के पीछे यह मूल्य छिपा है कि अच्छी तरह से जाँच किए बिना किसी को दोषी नहीं ठहराना चाहिए। यही राजा और प्रजा के हित में होता है।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए—

(क)"रुपये-पैसे के स्थान पर तुम्हारे पास पैनी दृष्टि होगी और सोने-चाँदी के स्थान पर तीव्र बुद्धि होगी। ऐसा धन संचित कर लेने पर तुम्हें कभी किसी प्रकार की कमी न रहेगी और तुम दूसरों की तुलना में उन्नीस नहीं रहोगे।"

(ख)"हर वस्तु और स्थिति को पूर्णत: समझने और जानने का प्रयास करो। कुछ भी तुम्हारी दृष्टि से न बच पाए।"

(ग)"हमने अपने परिवेश को पैनी दृष्टि से देखने और बुद्धि से सोचने के प्रयास में बहुत समय लगाया है।"

उत्तर: (क) धन-दौलत के स्थान पर तुम लोग अपनी समझदारी और सूझबूझ पर ध्यान दो तथा सोने-चाँदी के स्थान पर अपनी प्रखर बुद्धि पर ध्यान दो। ऐसा करने से तुम्हारी दृष्टि पैसों की जगह उस समझ पर होगी जो किसी भी समस्या का हल खोज सकती है। दूसरों की तुलना में तुम दूसरों से बढ़कर रहोगे। फिर इससे बड़ी पूँजी क्या हो सकती है?

(ख)तुम लोग चाहे कोई भी वस्तु या परिस्थिति हो उसे पूर्ण रूप से जानने, समझने और महसूस करने की कोशिश करो। ऐसा दृष्टिकोण अपनाओ कि कोई भी बात तुम्हारी नज़र से बच नहीं छूटे।

(ग)हमने अपने परिवेश यानी आस-पास के वातावरण और परिस्थितियों को गहराई से समझने की कोशिश की है। हर बात को बुद्धि का प्रयोग करके निष्कर्ष निकालने के प्रयास में बहुत-सा समय व्यतीत किया है।

मिलकर करें मिलान

इस लोककथा में से चुनकर कुछ वाक्य नीचे स्तंभ 1 में दिए गए हैं। उनके भाव या अर्थ से मिलते-जुलते वाक्य स्तंभ 2 में दिए गए हैं। स्तंभ 1 के वाक्यों को स्तंभ 2 के उपयुक्त वाक्यों में सुमेलित कीजिए—

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. कुछ समय पश्चात् पिता चल बसे।	**1.** घोड़े पर सवार व्यक्ति ने तीनों भाइयों को अविश्वास से देखा।
2. हम कहीं भी क्यों न हों, भूखे नहीं मरेंगे।	**2.** थोड़े समय के बाद पिता का देहांत हो गया।
3. घुड़सवार ने तीनों भाइयों को शंका की दृष्टि से देखा।	**3.** लोग इतने अचंभित थे कि उनका आश्चर्य व्यक्त करना कठिन था।
4. बचपन से ही हमें ऐसी आदत पड़ गई है कि हम कुछ भी अपनी दृष्टि से नहीं चूकने देते।	**4.** बचपन से ही हमें आदत हो गई कि हम हर छोटी-बड़ी वस्तु पर ध्यान अवश्य देते हैं।
5. लोगों के आश्चर्य का कोई ठिकाना न था।	**5.** हम चाहे जहाँ भी हों, हमें खाने के लिए कुछ न कुछ मिल ही जाएगा।

उत्तर: 1. (2), 2. (5), 3. (1), 4. (4), 5. (3)।

सोच-विचार के लिए

लोककथा को एक बार फिर ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क)तीनों भाइयों ने बिना ऊँट को देखे उसके विषय में कैसे बता दिया था?

(ख)आपके अनुसार इस लोककथा में सबसे अधिक महत्व किस बात को दिया गया है— तार्किक सोच, अवलोकन या सत्यवादिता? लोककथा के आधार पर समझाइए।

(ग)लोककथा में राजा ने पहले भाइयों पर संदेह किया लेकिन बाद में उन्हें निर्दोष माना। राजा की सोच क्यों बदल गई?

(घ)ऊँट के स्वामी ने भाइयों पर तुरंत संदेह क्यों किया? आपके विचार से उसे क्या करना चाहिए था, जिससे उसे अपना ऊँट मिल जाता?

(ङ)पिता ने बेटों को "दूसरे प्रकार का धन" संचित करने

की सलाह क्यों दी? इससे पिता के बारे में क्या-क्या पता चलता है?

(च) राजा ने भाइयों की परीक्षा लेने के लिए पेटी का उपयोग किया। इस परीक्षा से राजा के व्यक्तित्व और निर्णय शैली के बारे में क्या-क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(छ) आप इस लोककथा के भाइयों की किस विशेषता को अपनाना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर:(क) तीनों भाइयों ने बिना ऊँट को देखे उसके विषय में निम्नलिखित आधार पर बता दिया था—

(i) रेत पर ऊँट के बड़े-बड़े पैरों के चिह्नों से।

(ii) सड़क के एक ओर की घास चरी गई थी मगर दूसरी ओर की घास ज्यों की त्यों खड़ी थी। इससे उसके एक आँख से काना होने का अनुमान लगाया था।

(iii) एक स्थान पर ऊँट द्वारा घुटने टेककर बैठने के निशान थे।

(ख) हमारे अनुसार इस लोककथा में सबसे अधिक महत्व 'तार्किक सोच' और अवलोकन पर दिया गया है। तार्किक सोच के आधार पर ही तीनों भाई ऊँट एवं अनार के विषय में बता पाते हैं।

(ग) राजा की सोच इसलिए बदल गई क्योंकि तीनों भाइयों ने राजा को तार्किक आधार पर खोए हुए ऊँट के विषय में सही तथ्य बताया था। राजा इनकी विलक्षण प्रतिभा तथा बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित भी हुआ था।

(घ) तीनों भाइयों द्वारा बताए गए ऊँट के स्पष्ट सबूतों के कारण ऊँट के स्वामी ने उन पर संदेह किया। हमारे विचार से उसे ऊँट को ढूँढ़ने के लिए भाइयों द्वारा बताए गए मार्ग की ओर जाना चाहिए था। ऐसा करने से उसे अपना ऊँट मिल जाता।

(ङ) पिता ने बेटों को 'दूसरे प्रकार का धन' संचित करने की सलाह इसलिए दी कि दूसरे प्रकार का धन अर्थात् पैनी दृष्टि तथा तीव्र बुद्धि ही सबसे बड़ा धन होता है। इससे पिता के बारे में उनकी दूरदर्शिता एवं बुद्धिमत्ता का पता चलता है।

(च) इस परीक्षा से राजा के व्यक्तित्व और निर्णय शैली के बारे में निम्नलिखित निष्कर्ष निकाला जा सकता है—

(1) राजा न्यायशील एवं धैर्यवान था।

(2) वह सम्पूर्ण बात को सोच-समझकर ही निर्णय लेता था।

(3) वह व्यावहारिक एवं विवेकशील भी था।

(छ) हम इस लोककथा में भाइयों की तार्किक सोच एवं तीक्ष्ण अवलोकन की विशेषता को अपनाना चाहेंगे क्योंकि ये दोनों चीजें किसी भी समस्या का समाधान करने में अति महत्त्वपूर्ण होती हैं।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए—

(क) यदि राजा ने बिना जाँच के भाइयों को दोषी ठहरा दिया होता तो इस लोककथा का क्या परिणाम होता?

उत्तर— यदि राजा ने बिना जाँच के भाइयों को दोषी ठहरा दिया होता तो इस लोककथा का परिणाम अन्याय के पक्ष में होता। निर्दोषों को सजा मिलती और प्रजा का राजा से विश्वास उठ जाता।

(ख) यदि भाइयों ने अनार के बारे में सही अनुमान न लगाया होता तो लोककथा का अंत किस प्रकार होता? अपने विचार व्यक्त करें।

उत्तर— यदि भाइयों ने अनार के बारे में सही अनुमान न लगाया होता तो लोककथा का अन्त तीनों भाइयों को राजा द्वारा दण्डित करने से होता।

(ग) लोककथा में यदि तीनों भाई ऊँट को खोजने जाते तो उन्हें कौन-कौन सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता था?

उत्तर— लोककथा में यदि तीनों भाई ऊँट खोजने जाते तो उन्हें निम्नलिखित संभावित कठिनाइयों का सामना करना पड़ता—

1. ऊँट के चलने के निशान रेत पर जल्दी मिट सकते थे। इसलिए उन्हें ऊँट के जाने का रास्ता ढूँढ़ने में कठिनाई होती।

2. ऊँट किसी भी दिशा में चला गया होगा। सही रास्ता न होने पर उन्हें जंगल, जमीन, कंकड़, पत्थर, काँटे आदि रास्ते की कठिनाइयाँ झेलनी पड़तीं।

(घ) यदि राजा के स्थान पर आप होते तो भाइयों की परीक्षा लेने के लिए किस प्रकार के सवाल या गतिविधियाँ करते? अपनी कल्पना साझा करें।

उत्तर— यदि राजा के स्थान पर मैं होता तो भाइयों की परीक्षा लेने के लिए राजा जैसे ही सवाल और गतिविधियाँ करता।

शब्द से जुड़े शब्द

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में 'बुद्धि' से जुड़े शब्द अपने समूह में चर्चा करके लिखिए—

उत्तर:

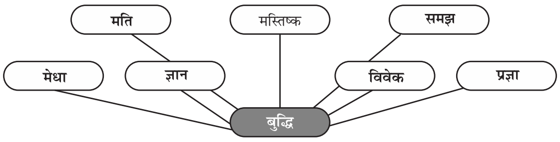

कारक

नीचे दिए गए वाक्य को ध्यान से पढ़िए—

"भाइयों जवाब दिया।"

यह वाक्य कुछ अटपटा लग रहा है न? अब नीचे दिए गए वाक्य को पढ़िए—

''भाइयों ने जवाब दिया।''

इन दोनों वाक्यों में अंतर समझ में आया? बिलकुल सही पहचाना आपने! दूसरे वाक्य में 'ने' शब्द 'भाइयों' और 'जवाब दिया' के बीच संबंध को जोड़ रहा है। संज्ञा या सर्वनाम के साथ प्रयुक्त होने वाले शब्दों के ऐसे रूपों को कारक या परसर्ग कहते हैं। कारक शब्दों के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं—

ने, को, पर, से, के द्वारा, का, में, के लिए, की, के, हे, हो, अरे

नीचे दिए गए वाक्यों में कारक लिखकर इन्हें पूरा कीजिए -

1. "हमने तो तुम्हारे ऊँट ········ देखा तक नहीं", भाइयों ······· परेशान होते हुए कहा।

2. "मैं अपने रेवड़ों ······ पहाड़ों ··········· लिये जा रहा था", उसने कहा, "और मेरी पत्नी मेरे छोटे-से बेटे ········ साथ एक बड़े-से ऊँट ··········· मेरे पीछे-पीछे आ रही थी।।"

3. राजा ········ उसी समय अपने मंत्री ········ बुलाया और उसके कान ········ कुछ फुसफुसाया।

4. यह सुनकर राजा ·········· पेटी ·········· पास लाने ·········· आदेश दिया। सेवकों ·········· तुरंत आदेश पूरा किया। राजा ········ सेवकों ········ पेटी खोलने ········ लिए कहा।

उत्तर: 1. को, ने।, 2. को, पर, के, पर।, 3. ने, को, में।, 4. ने, को, का, ने, ने, से, के।

सूचनापत्र

कल्पना कीजिए कि आप इस लोककथा के वह घुड़सवार हैं जिसका ऊँट खो गया है। आप अपने ऊँट को खोजने के लिए एक सूचना कागज पर लिखकर पूरे शहर में जगह-जगह चिपकाना चाहते हैं। अपनी कल्पना और लोककथा में दी गई जानकारी के आधार पर एक सूचनापत्र लिखिए।

उत्तर:

सूचनापत्र

विषय—ऊँट खोने के संबंध में

सभी नगरवासियों को सूचित किया जाता है कि मेरा ऊँट राह भटकने के कारण कहीं खो गया है। ऊँट पर मेरी पत्नी और एक छोटा-सा बेटा सवार थे, इसलिए वह मेरे लिए बहुत ही मूल्यवान है। जिस भी सज्जन को यह ऊँट दिखे या जानकारी मिले तो कृपया नीचे के पते पर संपर्क करें। ऊँट के मिलने की सूचना देने वाले को उचित इनाम भी दिया जायेगा।

ऊँट की पहचान

1. वह एक आँख से अन्धा है।
2. उस पर एक महिला एवं छोटा बच्चा सवार है।
3. यह सामान्य ऊँटों से आकार में बड़ा है।

मेरा सम्पर्क सूत्र एवं पता इस प्रकार है—

मोबाइल नं. 931612××××

पता- XYZ

································

पाठ से आगे

आपकी बात

1. लोककथा में तीन भाइयों की पैनी दृष्टि की बात कही गई है। क्या आपने कभी अपनी पैनी दृष्टि का प्रयोग किसी समस्या को हल करने के लिए किया है? उस समस्या और आपके द्वारा दिए गए हल के विषय में लिखिए।

उत्तर— हाँ, मैंने एक बार अपनी पैनी दृष्टि का प्रयोग कचरे की समस्या को हल करने के लिए किया है। मेरे मुहल्ले के सभी लोग कूड़ा-कचरा गली के मोड़ पर ही डाल देते थे, जिससे वहाँ से निकलना भी कठिन हो जाता था। इस समस्या को हल करने के लिए मैं एक दिन नगरपालिका गया। वहाँ के अधिकारियों ने कचरा डालने के लिए तीन बड़े-बड़े डिब्बे रखवा दिया जो कचरा डालने में प्रयुक्त होने लगे।

2. लोककथा में बताया गया है कि भाइयों ने ''बचपन से हर वस्तु पर ध्यान देने की आदत डाली।'' यदि आपने ऐसा किया है तो आपको अपने जीवन में इसके क्या-क्या लाभ मिलते हैं?

उत्तर— हाँ, मैंने भी ऐसा किया है। ऐसा करने से मुझे निम्नलिखित लाभ मिलते हैं—

(i) समस्या को शीघ्र समझ लेता हूँ।

(ii) समस्या पर चिन्तनोपरांत उसका निदान करता हूँ।

(iii) हर काम समय से निपट जाता है।

3. लोककथा में भाइयों को यात्रा करते समय अनेक कठिनाइयाँ आईं, जैसे- भूख, थकान और पैरों में छाले। आप अपने दैनिक जीवन में किन-किन कठिनाइयों का सामना करते हैं? लिखिए।

उत्तर— अपने दैनिक जीवन में हम निम्नलिखित कठिनाइयों का सामना करते हैं— 1. समय की कमी 2. असफलता पर तनाव होना 3. आत्मसंयम की कमी 4. विषय के कठिन प्रश्नों को न समझ पाना।

4. भाइयों ने बिना देखे ही ऊँट के बारे में सही-सही बातें बताईं। क्या आपको लगता है कि अनुभव और समझ से देखे बिना भी सही निर्णय लिया जा सकता है? क्या आपने भी कभी ऐसा किया है?

उत्तर— हाँ, अनुभव और समझ से देखे बिना भी सही निर्णय लिया जा सकता है। अक्सर जब मेरी माँ खाना बनाती हैं, तब रसोई से आने वाली खुशबू से मैं पता लगा लेता हूँ कि कोई चीज जल रही है या क्या बन रहा है?

(**नोट—** विद्यार्थी अपने-अपने अनुभव स्वयं भी लिख सकते हैं।)

5. जब ऊँट के स्वामी ने भाइयों पर शंका की तो भाइयों ने बिना गुस्सा किए शांति से उत्तर दिया। क्या आपको लगता है कि कभी किसी को संदेह होने पर हमें भी शांत रहकर उत्तर देना चाहिए? क्या आपने कभी ऐसी स्थिति का सामना किया है? ऐसे में आपने क्या किया?

उत्तर— एक बार मेरी कॉपी और सहपाठी की कॉपी मिलती-जुलती सी पाई गई। सभी ने आरोप लगाया कि मैंने नकल की है। यह सुनकर मुझे बहुत गुस्सा आया लेकिन मैंने स्वयं को संयमित करके अध्यापक महोदय से कहा कि आप चाहें तो मुझको कोई भी प्रश्न पूछ लें मैं सभी सवालों के उत्तर दे सकता हूँ। मेरे पिछले नोट्स भी देख लें। अध्यापक मेरे तर्कों से संतुष्ट हो गए।

6. राजा ने भाइयों की बुद्धिमानी देखकर बहुत आश्चर्य व्यक्त किया। क्या आपको कभी किसी की सोच, समझ या किसी विशेष कौशल को देखकर आश्चर्य हुआ है? क्या आपने कभी किसी से कुछ ऐसा सीखा है जो आपके लिए बिलकुल नया और चौंकाने वाला हो?

उत्तर— विद्यार्थी अपने अनुभव स्वयं लिखें।

7. लोककथा में पिता ने अपने बेटों को यह सलाह दी कि वे समझ और ज्ञान जमा करें। क्या आपको कभी किसी बड़े व्यक्ति से ऐसी कोई सलाह मिली है जो आपके जीवन में उपयोगी रही हो? क्या आप भी अपने अनुभव से किसी को ऐसी सलाह देंगे?

उत्तर— हाँ, मुझे अपने पिताजी से एकाग्रचित्त होकर पढ़ने की सलाह मिली है। यह सलाह मेरे जीवन में बहुत ही उपयोगी रही है। हाँ, मैं भी अपने अनुभव से अपने मित्रों को यही सलाह देना चाहूँगा कि ऐसा करने से परीक्षा में अच्छे अंक आते हैं और विषय भी सहज याद हो जाती है।

8. भाइयों ने अपने ऊपर लगे आरोपों के होते हुए भी सदा सच्चाई का साथ दिया। क्या आपको लगता है कि सदा सच बोलना महत्वपूर्ण है, भले ही स्थिति कठिन क्यों न हो? क्या आपको किसी समय ऐसा लगा है कि आपकी सच्चाई ने आपको समस्याओं से बाहर निकाला हो?

उत्तर— हाँ, भले ही स्थिति कठिन क्यों न हो, सदा सच बोलना अति महत्वपूर्ण है। सदैव सच्चाई की ही जीत होती है, भले ही वह देर से हो। (विद्यार्थी अपने-अपने अनुभव स्वयं लिखें।)

आज की पहेली

आपने पढ़ा कि तीनों बुद्धिमान भाई किस प्रकार अपने अवलोकन से वे बातें भी जान जाते थे जो अन्य लोग नहीं जान पाते। अब आपके सामने कुछ पहेलियाँ प्रस्तुत हैं जहाँ आपको कुछ संकेत दिए जाएँगे। संकेतों के आधार पर आपको उत्तर खोजने हैं।

1. कौन है यह प्राणी?

1. इसकी लंबी पूँछ होती है जो पेड़ों की शाखाओं के चारों ओर लिपटी रहती है।

2. इसका मुख्य आहार कीट और छोटे जीव होते हैं जिन्हें यह चुपके से पकड़ता है।

3. यह प्राणी अपने परिवेश में घुल-मिल जाता है और अपनी रंगत को बदल सकता है।

4. इसके पास तेज आँखें होती हैं जो चारों दिशाओं में देख सकती हैं।

उत्तरः गिरगिट।

2. रंगीन डिब्बे

एक मेज पर चार रंगीन डिब्बे बराबर-बराबर रखे हैं— लाल, हरा, नीला और पीला। बताइए पीले डिब्बे के बराबर में कौन-सा डिब्बा है? यदि—

1. लाल डिब्बा नीले डिब्बे के पास है।

2. हरा डिब्बा पीले डिब्बे के पास नहीं है।

3. पीला डिब्बा लाल डिब्बे के पास नहीं है।

4. हरा डिब्बा लाल डिब्बे के पास है।

उत्तरः नीला।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. निर्धन व्यक्ति के कितने बेटे थे?
(क) दो (ख) तीन
(ग) चार (घ) पाँच

2. भाइयों ने मार्ग में क्या-क्या लाँघा?
(क) सुनसान घाटियाँ (ख) वीरान घाटियाँ
(ग) पहाड़ियाँ (घ) 'क' और 'ख'

3. अन्त में तीनों भाई किसके निकट पहुँचे?
(क) नगर के (ख) भवन के
(ग) जंगल के (घ) नदी के

4. तलवार कौन निकाल लेता है—
(क) राजा (ख) घुड़सवार
(ग) सैनिक (घ) बड़ा भाई

5. अंत में राजा ने तीनों भाइयों को माना —
(क) दोषी (ख) निर्दोष
(ग) पाखंडी (घ) चोर

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (ख), **5.** (ख)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. अंतत: वे तैयार होकर .... पर चल दिए।

2. ऊँट पर एक .... और एक बच्चा सवार थे।

3. मैं उस .... में नहीं जाऊँगा।

4. उसमें .... है, मझला भाई बोला।

5. आपके .... के आसपास अनार के बहुत-से पेड़ लगे हुए हैं।

उत्तर: **1.** यात्रा, **2.** महिला, **3.** दिशा, **4.** अनार, **5.** महल।

सत्य/असत्य

1. निर्धन व्यक्ति के चार बेटे थे। ( )

2. बड़े भाई ने ऊँट खोने के विषय में बताया था। ( )

3. घुड़सवार भाइयों की बात सुनने को तैयार था। ( )

4. छोटे भाई ने अनार को कच्चा माना था। ( )

5. एक स्थान पर ऊँट के घुटनों के चिह्न बने थे। ( )

उत्तर: **1.** असत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ) और स्तंभ (ब) का मिलान कीजिए—

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. सुनसान-वीरान	(क) पैनी दृष्टि
2. ऊँट का स्वामी	(ख) तीव्र बुद्धि
3. ऊँचे-ऊँचे	(ग) घुड़सवार
4. रुपये-पैसे	(घ) पहाड़ों
5. सोना-चाँदी	(ङ) घाटियाँ

उत्तर: **1.** ङ, **2.** ग, **3.** घ, **4.** क, **5.** ख।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. रुपये-पैसे के स्थान पर बेटों के पास क्या होगा?
उत्तर: उनके पास पैनी दृष्टि होगी।

2. ऊँट पर कौन सवार था?
उत्तर: एक महिला एवं उसका छोटा-सा बेटा ऊँट पर सवार थे।

3. "हम आँखों और बुद्धि से काम लेना अच्छी तरह जानते हैं।" ऐसा कौन कहता है?
उत्तर: यह तीनों भाई कहते हैं।

4. मंत्री कितने सेवकों के साथ पेटी लेकर आया?
उत्तर: दो सेवकों के साथ मंत्री पेटी लेकर आया।

5. अन्त में राजा तीनों भाइयों को कहाँ रख लेता है?
उत्तर: अपने दरबार में रख लेता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. यात्रा करते समय भाइयों के पास क्या समाप्त हो गया था?
उत्तर: भाइयों के पास खाने-पीने का सामान समाप्त हो गया था।

2. मझले भाई ने घुड़सवार से क्या पूछा?

उत्तर: मझले भाई ने घुड़सवार से पूछा– ''तुम्हारा ऊँट एक आँख से नहीं देख पाता है न?''

3. राजा ने अपने उद्यान की ओर देखकर क्या अनुभव किया?

उत्तर: राजा ने अपने उद्यान की ओर देखकर अनुभव किया कि उद्यान में अनार के वृक्षों पर कच्चे अनार लटक रहे थे।

4. राजा ने भाइयों की तीक्ष्ण बुद्धि देखकर अन्त में क्या किया?

उत्तर: राजा ने भाइयों की तीक्ष्ण बुद्धि देखकर अन्त में उन्हें अपने दरबार में रख लिया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. तीनों भाइयों की यात्रा का वर्णन कीजिए।

उत्तर: तीनों भाई जब यात्रा के लिए निकल पड़े तब उन्होंने सुनसान-वीरान घाटियाँ लाँघीं और ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों को पार किया। इस तरह वे लगातार चालीस दिनों तक चलते रहे। उनके पास जितना खाने-पीने का सामान था, अब तक समाप्त हो गया था। वे थककर चूर हो गए थे और उनके पैरों में छाले पड़ गए थे किंतु सड़क थी कि समाप्त होने को नहीं आ रही थी। वे आराम करने के लिए रुके और पुन: आगे चल दिए। अंत में उन्हें अपने सामने वृक्ष और मकान दिखाई दिए– वे एक बड़े नगर के पास पहुँच गए थे।

2. राजा द्वारा ऊँट पर सवार महिला-बच्चे के विषय में पूछने पर छोटे भाई ने क्या उत्तर दिया?

उत्तर: सबसे छोटे भाई ने उत्तर दिया, ''मैंने देखा कि एक स्थान पर ऊँट के घुटने टेककर बैठने के चिह्न बने हुए थे। उनके पास ही रेत पर एक महिला के जूतों के चिह्न दिखाई दिए। साथ ही छोटे-छोटे पैरों के चिह्न थे, जिससे मुझे पता चला कि महिला के साथ एक बच्चा भी था।''

3 फूल और काँटा

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

आइए, अब हम इस कविता पर विस्तार से चर्चा करें। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

मेरी समझ से

(क) कविता के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उनके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. कविता में काँटे के बारे में कौन-सा वाक्य सत्य है?

- काँटा अपने आस-पास की सुगंध को नष्ट करता है।
- काँटा तितलियों और भौंरों को आकर्षित करता है।
- काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है।
- काँटा पौधे को हानि पहुँचाता है।

उत्तर– काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है।

2. कविता में फूल और काँटे में समानताओं और विभिन्नताओं का उल्लेख किया गया है। निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य इन्हें सही रूप में व्यक्त करता है?

- फूल सुंदरता का प्रतीक है और काँटा कठोरता का।
- फूल और काँटे के बारे में लोगों के विचार समान होते हैं।
- फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं, लेकिन उनके स्वभाव भिन्न होते हैं।
- फूल और काँटे को समान देखभाल मिलती है फिर भी उनके रंग-ढंग अलग होते हैं।

उत्तर–फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं, लेकिन उनके स्वभाव भिन्न होते हैं।

फूल और काँटे को समान देखभाल मिलती है फिर भी उनके रंग-ढंग अलग होते हैं।

3. कविता के आधार पर कौन-सा निष्कर्ष उपयुक्त है?

- व्यक्ति का कुल ही उसके सम्मान का आधार होता है।
- व्यक्ति के कार्यों के कारण ही लोग उसका सम्मान करते हैं।
- कुल की प्रतिष्ठा हमेशा व्यक्ति के गुणों से बड़ी होती है।

● यदि व्यक्ति अच्छे कार्य करता है तो उसके कुल को प्रसिद्धि मिलती है।

उत्तर– व्यक्ति के कार्यों के कारण ही लोग उसका सम्मान करते हैं। यदि व्यक्ति अच्छे कार्य करता है तो उसके कुल को प्रसिद्धि मिलती है।

4. कविता के अनुसार निम्नलिखित में से कौन–सा कथन 'बड़प्पन' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है?

● धन–दौलत और ताकत से व्यक्ति के बड़प्पन का पता चलता है।

● कुल के बड़प्पन की प्रशंसा व्यक्ति की कमियों को ढक देती है।

● बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्मों से पहचाना जाता है।

● कुल का नाम व्यक्ति में बड़प्पन की पहचान का मुख्य आधार है।

उत्तर– बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्मों से पहचाना जाता है।

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग–अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुनें?

उत्तर: चुनने के कारण–

1. कविता में काँटे के नकारात्मक स्वभाव का वर्णन है, इसी कारण इस विकल्प का चयन किया गया है।।

2. फूल और काँटे एक ही समान पोषण प्राप्त करने के बाद अलग–अलग प्रवृत्ति अपनाते हैं। फूल हम सभी को प्यारे लगते हैं, किन्तु काँटा जब हमें चुभता है तो हमें उस पर क्रोध ही आता है। इसलिए हमने दो विकल्प चुने।

3. प्रत्येक व्यक्ति अपने द्वारा किए अच्छे कार्यों तथा अपने उदार स्वभाव से ही पहचाना जाता है और इसी कारण उसके परिवार या कुल का मान बढ़ता है अन्यथा कुछ ऐसे भी लोग हैं जो उच्च कुल में जन्म लेने के पश्चात् अपने बुरे कार्यों से अपने वंश का नाश करने में अहम् भूमिका निभाते हैं।

4. बड़प्पन का अर्थ व्यक्ति द्वारा किए गए अच्छे कार्यों, दूसरों के प्रति उसके स्वभाव तथा उसके भीतर छिपे गुणों से है।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए–

(क) ''मेह उन पर है बरसता एक सा,
एक सी उन पर हवायें हैं बही।
पर सदा ही यह दिखाता है हमें,
ढंग उनके एक से होते नहीं।''

(ख) ''किस तरह कुल की बड़ाई काम दे''
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।''

उत्तर– (क) फूल और काँटे पर बादल समान रूप से पानी बरसाते हैं। हवा भी उन दोनों पर समान रूप से बहती है लेकिन हमें हमेशा यह देखने को मिलता है कि दोनों के स्वभाव में बहुत अंतर होता है। उनके रंग–ढंग भिन्न होते हैं।

(ख) उच्च कुल में जन्म लेने मात्र से किसी में गुण स्वयं नहीं आ जाते। व्यक्ति को विनम्र एवं व्यावहारिक बनना पड़ता है। यदि किसी व्यक्ति के अन्दर अच्छे गुणों की कमी हो, उसके व्यवहार में विनम्रता न हो तो ऊँचे कुल में जन्म लेना भी काम नहीं आता। वह भी व्यर्थ हो जाता है।

मिलकर करें मिलान

इस कविता में ''फूल'' और ''काँटा'' के उदाहरण द्वारा लोगों के स्वभावों के अंतर और समानताओं की ओर संकेत किया गया है। दूसरे शब्दों में, 'फूल' और 'काँटा' प्रतीक के रूप में प्रयोग किए गए हैं। अपने साथियों के साथ मिलकर चर्चा कीजिए कि फूल और काँटा किस-किस के प्रतीक हो सकते हैं। इन्हें उपयुक्त प्रतीकों से जोड़िए–

दया		परोपकार
स्वार्थ	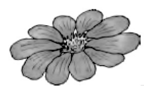	प्रेम
अच्छाई	फूल	बुराई
सुख		दुख
सुंदरता		कठोरता
कोमलता		प्रसन्नता
आनंद	काँटा	पीड़ा

उत्तर: फूल – दया, अच्छाई, सुख, सुंदरता, कोमलता, आनंद, प्रसन्नता, प्रेम, परोपकार।

काँटा – स्वार्थ, पीड़ा, कठोरता, दुख, बुराई।

सोच-विचार के लिए

कविता को एक बार पुनः ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए–

(क) कविता में ऐसी कौन–कौन सी समानताओं का उल्लेख किया गया है जो सभी पौधों पर समान रूप से लागू होती हैं?

उत्तर— कविता में प्रयुक्त निम्नलिखित समानताएँ सभी पौधों पर समान रूप से लागू होती हैं —

(1) एक ही जगह (धरती) पर जन्म लेना।

(2) रात में चाँद की चाँदनी समान रूप से पड़ना।

(3) मेघों का समान रूप से बरसना।

(4) हवा का समान रूप से बहना।

(ख) आपको फूल और काँटे के स्वभाव में मुख्य रूप से कौन-सा अंतर दिखाई दिया?

उत्तर— हमें फूल और काँटे के स्वभाव में मुख्य रूप से यह अंतर दिखाई दिया कि फूल दयालु, सुखदायी, परोपकारी, प्रसन्नता देने वाला तथा सुन्दर होता है, जबकि काँटा इसके विपरीत कठोर, कष्टदायी तथा अहंकारी प्रवृत्ति वाला होता है।

(ग) कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है? उसे पहचानिए, समझिए और अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर— कविता में मुख्य रूप से यह बात कही गई है कि व्यक्ति का स्वभाव ही उसे महानता अथवा हीनता की ओर बढ़ाता है।

(घ) "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।" उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर— यदि किसी व्यक्ति के अन्दर बड़प्पन (अच्छे कार्य) न दिखे तो उच्च कुल में जन्म लेकर भी वह छोटा ही माना जाता है, जैसे- दुर्योधन, रावण उच्च कुल में जन्म लेने पर भी अपने निन्दित कर्मों के कारण निम्न दृष्टि से ही देखे जाते हैं।

(ङ) "है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर" लोग कैसे स्वभाव के व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं और कैसे स्वभाव वाले व्यक्तियों से दूर रहना पसंद करते हैं?

उत्तर— लोग फूल जैसे स्वभाव के व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं और काँटे जैसे स्वभाव वाले व्यक्तियों से दूर रहना पसंद करते हैं।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए—

(क)कल्पना कीजिए कि चाँदनी, हवा और मेघ केवल एक पौधे पर बरसते हैं। बाकी पौधे इन सबके बिना कैसे दिखेंगे और उनके जीवन पर इसका क्या प्रभाव होगा?

(ख)यदि सभी पौधे एक जैसे होते तो दुनिया कैसी लगती?

(ग)यदि काँटे न होते और हर पौधा केवल फूलों से भरा होता तो क्या होता?

(घ) कल्पना कीजिए कि एक तितली काँटे से मित्रता करना चाहती है, उनके बीच कैसा संवाद होगा?

(ङ) कल्पना कीजिए कि आपको किसी काँटे, फूल या दोनों के गुणों के साथ जीवन जीने का अवसर मिलता है। आप किसके गुणों को अपनाना चाहेंगे? कारण सहित बताइए।

उत्तर— (क) यदि चाँदनी, हवा और मेघ केवल एक ही पौधे पर बरसेंगे तो बाकी पौधे इन सबके बिना निर्जीव से दिखेंगे और उनके जीवन पर इसका यह प्रभाव पड़ेगा कि वे धीरे-धीरे सूखने लगेंगे और एक दिन नष्ट हो जायेंगे।

(ख) यदि सभी पौधे एक जैसे होते तो दुनिया नीरस और उबाऊ लगती।

(ग) यदि काँटे न होते और हर पौधा केवल फूलों से भरा होता तो सुरक्षा की दृष्टि से पौधे का जीवन संकटमय हो जाता।

(घ) उन दोनों का संवाद कुछ इस प्रकार होगा—

तितली — काँटा भैया! तुम तो बहुत पैने (कठोर) स्वभाव के हो।

काँटा— क्या करूँ? तुम्हारे जैसी कोमलता मेरे पास नहीं है।

तितली —लेकिन तुम्हारे स्वभाव के कारण कोई पास नहीं आता।

काँटा— क्या, सभी मुझसे इतना डरते हैं?

तितली — नहीं, वास्तव में तुम पौधों के सुरक्षा कवच हो।

काँटा— (प्रसन्न होकर) बहुत अच्छा लगा। तुमको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

(ङ)यदि मुझे किसी काँटे, फूल या दोनों के गुणों के साथ जीवन जीने का अवसर मिलता है तो मैं दोनों के गुणों को अपनाना चाहूँगा क्योंकि यदि फूल हमें दयालुता, कोमलता, मधुरता आदि की प्रेरणा देता है तो काँटा भी विपरीत परिस्थितियों में शक्तिशाली बनने की प्रेरणा देता है।

शब्द से जुड़े शब्द

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में 'बड़प्पन' से जुड़े शब्द अपने समूह में चर्चा करके लिखिए—

उत्तर:

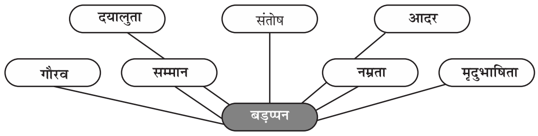

बड़प्पन

'बड़प्पन' शब्द 'बड़ा' और 'पन' से मिलकर बना है। इसका अर्थ होता है— बड़ाई, श्रेष्ठ या बड़ा होने का भाव, महत्व, गौरव। इसका उपयोग मुख्य रूप से व्यक्तित्व, गुण और चरित्र की ऊँचाई या महानता बताने के लिए किया जाता है, जैसे— उनकी सादगी और बड़प्पन ने सबका मन जीत लिया।

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं जो किसी भाव को व्यक्त करते हैं। इनमें से जो शब्द 'बड़प्पन' के भाव व्यक्त करते हैं, उन पर एक गोला बनाइए, जो बड़प्पन का भाव व्यक्त नहीं करते हैं, उनके नीचे रेखा खींचिए।

उत्तर—

सहनशीलता	दया	अहंकार	विश्वास
घमंड	ईर्ष्या	द्वेष	प्रतिशोध
क्रूरता	उदारता	विनम्रता	त्याग
संतोष	समर्पण	आदर	सम्मान
निष्ठा	परोपकार	सद्‌भावना	स्वार्थ
अपमान	अविश्वास	झूठ	अधीरता
लालच	झगड़ालूपन		

कविता की रचना

''फूल लेकर तितलियों को गोद में,
भौंर को अपना अनूठा रस पिला।
निज सुगंधों औ निराले रंग से,
है सदा देता कली का जी खिला।''

इस पंक्ति में रेखांकित शब्द पर ध्यान दीजिए। क्या आपने इस शब्द को पहले कहीं पढ़ा है? यह शब्द है— 'और'। कविता में 'र' वर्ण नहीं लिखा गया है। कई बार बोलते हुए हम शब्द की अंतिम ध्वनि उच्चरित नहीं करते हैं। कवि भी कविता की लय के अनुसार ऐसा प्रयोग करते हैं। इस कविता में ऐसी अनेक विशेषताएँ छिपी हैं, जैसे- 'प्यार में डूबी तितलियों' के स्थान पर 'प्यार-डूबी तितलियों' का प्रयोग किया गया है। हर दूसरी पंक्ति का अंतिम शब्द मिलती-जुलती ध्वनि वाला यानी 'तुकांत' है आदि।

(क) अपने समूह के साथ मिलकर इन विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

उत्तर: 1. कविता गेय तथा पदक्रम का अनूठा प्रयोग हुआ है।
2. तुकांत शब्दों से संगीतात्मकता व्यक्त होती है।
3. लाक्षणिक गुणों से युक्त कविता है।
4. अलंकार एवं मुहावरों का प्रयोग हुआ है।

(ख) नीचे इस कविता की कुछ विशेषताएँ और वे पंक्तियाँ दी गई हैं जिनमें ये विशेषताएँ झलकती हैं। विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए। आप कविता की पंक्तियों में एक से अधिक विशेषताएँ भी ढूँढ़ सकते हैं।

कविता की विशेषताएँ		कविता की पंक्तियाँ	
1.	एक ही वर्ण से शुरू होने वाले दो शब्द एक ही पंक्ति में साथ-साथ आए हैं।	**1.**	किस तरह कुल की बढ़ाई काम दे
2.	मुहावरे का प्रयोग किया गया है।	**2.**	भौंर को अपना अनूठा रस पिला
3.	प्रश्न पूछा गया है।	**3.**	फाड़ देता है किसी का वर बसन
4.	प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे- पेड़-पौधों में मानवीय कार्यों और भावनाओं का वर्णन किया गया है।	**4.**	है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर
5.	एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है।	**5.**	है सदा देता कली का जी खिला
		6.	फूल लेकर तितलियों को गोद में

उत्तर: **1.** (2-4), **2.** (4, 5), **3.** (1), **4.** (2, 6), **5.** (4)।

कविता का सौंदर्य

(क) आगे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। इनमें कुछ शब्द हटा दिए गए हैं और साथ में मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द भी दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक शब्द से वह पंक्ति पूरी करके देखिए जो शब्द उस पंक्ति में जँच रहे हैं, उन पर घेरा बनाइए।

1. हैं जनम लेते जगह में एक ही, एक ही पौधा उन्हें है पालता।
.... में उन पर चमकता .... भी।
(रात, रात्रि, रजनी, निशा) (शशि, चंद्रमा, चाँद, राकेश, इंदु)
एक ही सी चाँदनी है डालता।
2. .... उन पर है बरसता एक सा,
(मेह, बादल, मेघ, जलद)
एक सी उन पर .... हैं बही।
(वायु, पवन, समीर, मारुत, बयारें, हवायें।)
पर सदा ही यह दिखाता है हमें, ढंग उनके एक से होते नहीं।

उत्तर:1. रात, चाँद।, 2. मेह, हवायें।

(ख)अपने समूह में चर्चा करके पता लगाइए कि कौन-सा शब्द रिक्त स्थानों में सबसे अधिक साथियों को जँच रहा है और क्यों?

उत्तर:कविता की इन पंक्तियों में सबसे अधिक वही शब्द जँच रहे हैं जिनका प्रयोग कवि ने किया है। इनके अतिरिक्त कुछ और शब्द भी चिह्नित किए हैं, जिनसे कविता की गेयता पर कोई विरुद्ध प्रभाव नहीं होता है।

विशेषण

"भौंर का है बेध देता श्याम तन।"
'श्याम तन' का अर्थ है— काला शरीर। 'श्याम' शब्द भँवरे के 'शरीर' की विशेषता बता रहा है, अर्थात् 'श्याम' 'विशेषण' है। 'तन' एक संज्ञा शब्द है जिसकी विशेषता बताई जा रही है अर्थात् 'तन' 'विशेष्य' शब्द है।

(क) नीचे दी गई पंक्तियों में विशेषण और विशेष्य शब्दों की पहचान करके लिखिए—

उत्तर —

	पंक्ति	विशेषण	विशेष्य
1.	भौंर का है बेध देता श्याम तन	श्याम	तन
2.	फाड़ देता है किसी का वर बसन	वर	बसन
3.	भौंर को अपना अनूठा रस पिला	अनूठा	रस
4.	निज सुगंधों औ निराले ढंग से	निराले	ढंग

(ख) नीचे दिए गए विशेष्यों के लिए अपने मन से विशेषण सोचकर लिखिए—

उत्तर—

	विशेष्य	विशेषण	विशेषण
1.	फूल	रंग-बिरंगे	सुंदर
2.	काँटा	नुकीला	मोटा
3.	मेह	काला	घना
4.	चाँद	आधा	पूरा
5.	रात	अँधेरी	डरावनी

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) यदि आपको फूल और काँटे में से किसी एक को चुनना हो तो आप किसे चुनेंगे और क्यों?

उत्तर— यदि मुझे फूल और काँटे में से किसी एक को चुनना हो तो मैं फूल को ही चुनूँगा क्योंकि वह सद्‌गुणों से परिपूर्ण है।

(ख) कविता में बताया गया है कि फूल अपनी सुगंध और व्यवहार से चारों ओर प्रसन्नता और आनंद फैला देता है। आप अपने मित्रों या परिवार के जीवन में प्रसन्नता और आनंद लाने के लिए क्या-क्या करते हैं और क्या-क्या कर सकते हैं?

उत्तर— मैं अपने मित्रों या परिवार के जीवन में प्रसन्नता और आनंद लाने के लिए बड़ों की आज्ञा का पालन करता हूँ, उनकी सेवा करता हूँ तथा गृहकार्यों में सहयोग करता हूँ। मैं अपने मित्रों या परिवार के जीवन में प्रसन्नता लाने के लिए उनके साथ बैठकर खेल सकता हूँ, कहानियाँ सुन-सुना सकता हूँ तथा गलती करने पर क्षमा माँग सकता हूँ तथा जरूरत के समय उनका सहयोग कर सकता हूँ।

(ग) 'फूल' और 'काँटे' एक-दूसरे से बिलकुल भिन्न हैं फिर भी साथ-साथ पाए जाते हैं। अपने आस-पास से ऐसे अन्य उदाहरण दीजिए।

(**संकेत—** वस्तुएँ, जैसे— नमक और चीनी; स्वभाव, जैसे— शांत और क्रोधी; स्वाद, जैसे— खट्‌टा-मीठा; रंग, जैसे— काला-सफेद; अनुभव, जैसे— सुख-दुख आदि)

उत्तर— आसपास पाए जाने वाले कुछ अन्य उदाहरण इस प्रकार हैं—
स्वाद—कड़वा-मीठा वस्तुएँ — दाल — चावल
भाव—आशा-निराशा स्वभाव— कोमल—कठोर

(घ) ''छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर बसन।'' आप अपने आस-पास की किसी समस्या का वर्णन कीजिए जिसे आप 'काँटे' के समान महसूस करते हैं। उस समस्या का समाधान भी सुझाइए।

उत्तर– मेरे आस-पास की एक समस्या है– मित्र की कर्कश भाषा। इस भाषा को मैं काँटे के समान महसूस करता हूँ। इस समस्या का समाधान पाने के लिए मुझे अपने मित्र को मृदु भाषा में बोलना सिखाना पड़ेगा।

सृजन

(क) इस कविता के बारे में एक चित्र बनाइए। आप चित्र में जहाँ चाहें, अपने मनोनीत रंग भर सकते हैं। आप बिना रंगों या केवल उपलब्ध रंगों की सहायता से भी चित्र बना सकते हैं। चित्र बिलकुल मौलिक लगे इसकी चिंता करने की भी आवश्यकता नहीं है। आप अपनी कल्पना को जैसे मन करे, वैसे साकार कर सकते हैं।

उत्तरः विद्यार्थी स्वयं अपनी कल्पना से कविता पर आधारित चित्र बनाकर रंग भर सकते हैं।

(ख) मान लीजिए कि फूल और काँटे के बीच बातचीत हो रही है। उनकी बातचीत या संवाद अपनी कल्पना से लिखिए।

संवाद का विषय निम्नलिखित हो सकता है–

- उनके गुणों और विशेषताओं पर चर्चा।
- यह समझाना कि उनका जीवन में क्या योगदान है।

उदाहरण

- फूल– मैं दूसरों के जीवन में सुगंध और सुख फैलाने आया हूँ।
- काँटा– और मैं संघर्ष की याद दिलाने और सुरक्षा देने के लिए हूँ।

उत्तरः फूल – नमस्ते काँटे भाई! लोग मुझे देखकर और मेरी खुशबू से प्रसन्न होते हैं। मैं सुन्दरता और प्रेम का प्रतीक हूँ।

काँटा – नमस्ते फूल भाई! तुम्हारी कोमलता और सुगंध सचमुच मन को भाती है, लेकिन क्या तुम जानते हो कि अगर मैं न होता तो तुम्हारी यह सुंदरता कोई भी आसानी से छीन लेता।

फूल – (चौंकते हुए) बिलकुल सही कहा। तुम तो मेरी रक्षा करते हैं।

काँटा – हाँ, मैं भले ही कठोर हूँ, पर मेरा उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा है। मैं संघर्ष और सहनशीलता का प्रतीक हूँ।

फूल –सही कह रहे हो भाई, जीवन में हर चीज कोमल नहीं होती, कभी-कभी कठोरता भी जरूरी होती है।

काँटा – मैं लोगों को बताता हूँ जीवन में हर सुंदर चीज के साथ कठिनाइयाँ भी होती हैं, जैसे तुम्हारे साथ मैं हूँ। कोमलता और कठोरता मिलकर ही जीवन को संपूर्ण बनाती है।

फूल – हाँ, और इसी से हमारी पहचान है। एक प्रेम और सौंदर्य देता है, दूसरा साहस और सुरक्षा। दोनों की बराबर जरूरत है।

आज की पहेली

नीचे कुछ ऐसे पेड़-पौधों के चित्र दिए गए हैं जिनमें फूल और काँटे साथ-साथ पाए जाते हैं। चित्रों को सही नामों के साथ रेखा खींचकर जोड़िए–

उत्तरः

वर्णन **चित्र**

1. **बबूल**
   फूल पीले या सफेद छोटे गुच्छेदा
   काँटे लंबे और नुकीले।
   विशेषता इसका उपयोग ईंधन, चारा और औषधियों में किया जाता है।

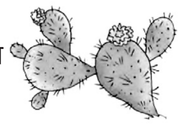

2. **गुलाब**
   फूल विभिन्न रंगों में, विशेष रूप से लाल, सफेद और गुलाबी।
   काँटे तने पर छोटे और तीखे।
   विशेषता सजावटी पौधा और इत्र बनाने के लिए प्रसिद्ध।

3. **नागफनी**
   फूल रंग-बिरंगे, पीले, नारंगी या गुलाबी।
   काँटे पूरी सतह पर छोटे या लंबे।
   विशेषता सूखे क्षेत्रों में पाया जाता है और सजावटी पौधे के रूप में भी उगाया जाता है।

4. **बेर**
   फूल छोटे और हल्के पीले।
   काँटे शाखाओं पर छोटे-छोटे।
   विशेषता इसके फल खाद्य और औषधीय होते हैं।

5. **करौंदा**

फूल छोटे, सफेद और सुगंधित।

काँटे शाखाओं पर छोटे-छोटे और तीखे।

विशेषता फूल सजावटी और मधुर सुगंध वाले होते हैं। इसके फल से अचार, जैम और जेली बनाई जाती हैं। यह शुष्क और पहाड़ी क्षेत्रों में उगता है।

6. **नीबू**

फूल छोटे, सफेद और हल्की गुलाबी छाया लिए हुए। सुगंधित और गुच्छेदार।

काँटे शाखाओं पर छोटे और तीखे काँटे।

विशेषता फल खट्टे और विटामिन सी से भरपूर होते हैं। इनका उपयोग पेय पदार्थ, अचार, औषधियों और खाना बनाने में किया जाता है।

उत्तरः

वर्णन **चित्र**

1. **बबूल**

फूल पीले या सफेद छोटे गुच्छेदार।

काँटे लंबे और नुकीले।

विशेषता इसका उपयोग ईंधन, चारा और औषधियों में किया जाता है।

2. **गुलाब**

फूल विभिन्न रंगों में, विशेष रूप से लाल, सफेद और गुलाबी।

काँटे तने पर छोटे और तीखे।

विशेषता सजावटी पौधा और इत्र बनाने के लिए प्रसिद्ध।

3. **नागफनी**

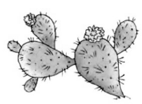

फूल रंग-बिरंगे, पीले, नारंगी या गुलाबी।

काँटे पूरी सतह पर छोटे या लंबे।

विशेषता सूखे क्षेत्रों में पाया जाता है और सजावटी पौधे के रूप में भी उगाया जाता है।

4. **बेर**

फूल छोटे और हल्के पीले।

काँटे शाखाओं पर छोटे-छोटे।

विशेषता इसके फल खाद्य और औषधीय होते हैं।

5. **करौंदा**

फूल छोटे, सफेद और सुगंधित।

काँटे शाखाओं पर छोटे-छोटे और तीखे।

विशेषता फूल सजावटी और मधुर सुगंध वाले होते हैं। इसके फल से अचार, जैम और जेली बनाई जाती हैं। यह शुष्क और पहाड़ी क्षेत्रों में उगता है।

6. **नीबू**

फूल छोटे, सफेद और हल्की गुलाबी छाया लिए हुए। सुगंधित और गुच्छेदार।

काँटे शाखाओं पर छोटे और तीखे काँटे।

विशेषता फल खट्टे और विटामिन सी से भरपूर होते हैं। इनका उपयोग पेय पदार्थ, अचार, औषधियों और खाना बनाने में किया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. एक ही जगह में जन्म लेते हैं —

(क) फूल (ख) काँटा

(ग) (क) तथा (ख) (घ) फल ( )

2. फूल-काँटे पर रात में कौन चमकता है?
(क) चाँद (ख) सूरज
(ग) जुगनू (घ) बिजली ( )

3. फूल-काँटा पर एक-सा क्या बरसता है—
(क) दूध (ख) पानी
(ग) मेह (घ) अमृत ( )

4. काँटा किसी का क्या फाड़ देता है—
(क) नाक (ख) कान
(ग) वर बसन (घ) टोपी ( )

5. मन की कली कौन खिला देता है?
(क) फूल (ख) काँटा
(ग) भौंरा (घ) तितली ( )

उत्तर: **1.** (ग), **2.** (क), **3.** (ग), **4.** (ग), **5.** (क)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. एक ही .... उन्हें है पालता।
2. एक सी उन पर .... हैं बही।
3. फाड़ देता है किसी का .... बसन।
4. भौंर को अपना अनूठा .... पिला।
5. जो किसी में हो बड़प्पन की .... ।

उत्तर: **1.** पौधा, **2.** हवायें, **3.** वर, **4.** रस, **5.** कसर।

सत्य/असत्य

1. फूल और काँटे को एक ही पौधा पालता है।( )
2. फूल और काँटे पर मेघ विषम रूप में बरसता है। ( )
3. काँटा लोगों की उँगलियाँ छेद देता है। ( )
4. फूल तितलियों को अपनी गोद में बैठा लेता है। ( )
5. बड़प्पन की कसर में कुल की बड़ाई काम नहीं देती। ( )

उत्तर: **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. चाँद	(क) बहना
2. मेह	(ख) पालता
3. हवा	(ग) फाड़ता
4. पौधा	(घ) बरसता
5. वर बसन	(ङ) चाँदनी

उत्तर: **1.** (ङ), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (ख), **5.** (ग)।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. फूल-काँटे को कितने पौधे पालते हैं?
उत्तर: एक ही पौधा पालता है।

2. फूल-काँटे पर एक ही सी चाँदनी कौन डालता है?
उत्तर: चाँद दोनों पर एक सी चाँदनी डालता है।

3. एक सी हवाएँ किनके ऊपर बहती हैं?
उत्तर: एक सी हवाएँ फूल-काँटे पर बहती है।

4. काँटा किसके पर (पंख) कतर देता है?
उत्तर: काँटा तितलियों के पर कतर देता है।

5. सबकी आँख में सदैव कौन खटकता है?
उत्तर: काँटा सबकी आँखों में खटकता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'फूल और काँटा' कविता का प्रमुख संदेश क्या है?
उत्तर: इस कविता का प्रमुख संदेश यह है कि मनुष्य के अच्छे गुण-कर्म तथा स्वभाव ही उसे महान बनाते हैं।

2. कविता में फूल को किस-किस का प्रतीक माना गया है?
उत्तर: कविता में फूल को दया, अच्छाई, सुख, सुंदरता, कोमलता, आनंद, प्रेम तथा परोपकार का प्रतीक माना गया है।

3. बड़प्पन' शब्द के कोई पाँच उदाहरण लिखिए।
उत्तर: 'बड़प्पन' शब्द के पाँच उदाहरण इस प्रकार हैं—बड़ाई, श्रेष्ठ, गौरव, सम्मान तथा परोपकार।

4. फूल भौंरे को क्या पिलाता है?
उत्तर: फूल भौंरे को अपना अनूठा रस (मकरन्द) पिलाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. फूल-काँटे पर कौन-कौन समानता दिखाता है तथा कैसे दिखाता है?
उत्तर: फूल-काँटे पर रात में चन्द्रमा अपनी चाँदनी को

समान रूप में डालता है। एक ही पौधा दोनों का समान रूप से पालन-पोषण करता है। मेघ भी दोनों पर समान रूप से वर्षा करता है तथा हवा भी दोनों पर समान रूप में बहती है।

2. कविता के आधार पर फूल-काँटे की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तरः कविता में फूल और काँटे को विपरीत स्वभाव वाला बताया गया है। जहाँ एक ओर फूल भौंरे तथा तितलियों को प्रेमपूर्वक अपनी गोद में बैठाता है तो दूसरी ओर काँटा तितलियों के पंखों को कतर देता है तथा भौंरे के काले शरीर में चुभ जाता है। फूल तो दुःखी लोगों के मन की कली खिला देता है, परन्तु काँटा लोगों की आँखों में सदैव खटकता ही रहता है अर्थात् वह सबको बुरा लगता है।

4 पानी रे पानी

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

आइए, अब हम इस पाठ को थोड़ा और निकटता से समझते हैं। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

मेरी समझ से

(क) निम्नलिखित प्रश्नों का सही उत्तर कौन-सा है? उनके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1.हमारा भूजल भंडार निम्नलिखित में से किससे समृद्ध होता है?

- नल सूख जाने से।
- पानी बरसने से।
- तालाब और झीलों से।
- बाढ़ आने से।

उत्तर– ● पानी बरसने से, ● तालाब और झीलों से।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी बात जल-चक्र से संबंधित है?

- वर्षा जल का संग्रह करना।
- समुद्र से उठी भाप का बादल बनकर बरसना।
- नदियों का समुद्र में जाकर मिलना।
- बरसात में चारों ओर पानी ही पानी दिखाई देना।

उत्तर– समुद्र से उठी भाप का बादल बनकर बरसना। नदियों का समुद्र में जाकर मिलना।

3. "इस बड़ी गलती की सजा अब हम सबको मिल रही है।" यहाँ किस गलती की ओर संकेत किया गया है?

- जल-चक्र की अवधारणा को न समझना।
- आवश्यकता से अधिक पानी का उपयोग करना।
- तालाबों को कचरे से पाटकर समाप्त करना।
- भूजल भंडारण के विषय में विचार न करना।

उत्तर– तालाबों को कचरे से पाटकर समाप्त करना। भूजल भंडारण के विषय में विचार न करना।

(ख) अब अपने मित्रों के साथ संवाद कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुनें?

उत्तर : 1. पाठ में जल भंडार में वर्षा, तालाब और झीलों की समृद्धता को महत्वपूर्ण माना गया है, इसलिए विकल्पों को चुना गया है।

2. जलचक्र से संबंधित होने के कारण हमने दोनों विकल्प चुने।

3. तालाबों को पाटना हमारी अदूरदर्शिता है। साथ ही जल भंडारों एवं जल संचयन की व्यवस्था पर विचार न करना भी न्यायसंगत नहीं है। इसलिए दोनों विकल्प ही उपयुक्त हैं।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से कुछ शब्द समूह या संदर्भ चुनकर स्तंभ 1 में दिए गए हैं और उनके अर्थ स्तंभ 2 में दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और रेखा खींचकर सही मिलान कीजिए।

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. वर्षा जल संग्रहण	**1.** जमीन के नीचे छिपा जल भंडार

2. जल संकट	**2.** वर्षा के जल को प्राकृतिक अथवा कृत्रिम रूप से (मानवीय प्रयासों से) धरती में संग्रह करना।
3. जल-चक्र	**3.** जल की अत्यधिक कमी होना।
4. भूजल	**4.** समुद्र से उठी भाप का बादल बनकर पानी में बदलना और वर्षा के द्वारा पुन: समुद्र में मिल जाना।

उत्तर: **1.** (2), **2.** (3), **3.** (4), **4.** (1)।

पंक्तियों पर चर्चा

इस पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए।

- ''पानी आता भी है तो बेवक्त।''

उत्तर– पानी ठीक समय पर नहीं आता है। पानी आता भी है तो कभी रात को देरी से आता है अथवा सुबह बहुत जल्दी आ जाता है।

- ''देश के कई हिस्सों में तो अकाल जैसे हालात बन जाते हैं।''

उत्तर– गर्मी के दिनों में पानी की भारी कमी के कारण अकाल जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। यह स्थिति बड़े-बड़े नगरों में भी व्याप्त है।

- ''कुछ दिनों के लिए सब कुछ थम जाता है।''

उत्तर– बरसात का समय आने पर चारों ओर पानी भर जाता है। जल भराव की समस्या गाँव तथा शहर दोनों जगह हो जाती है। बरसात के दिनों में लोगों के काम-धन्धे, आवागमन आदि रुक से जाते हैं।

- ''अकाल और बाढ़ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।''

उत्तर– पानी की कमी होना (अकाल) और पानी की अधिकता हो जाना (बाढ़) दोनों एक ही समस्या (जल की) के दो रूप हैं। इन्हें जल-संरक्षण के माध्यम से हल कर सकते हैं।

सोच-विचार के लिए

लेख को एक बार पुन: पढ़िए और निम्नलिखित के विषय में पता लगाकर लिखिए–

(क) पाठ में धरती को एक बहुत बड़ी गुल्लक क्यों कहा गया है?

(ख) जल-चक्र की प्रक्रिया कैसे पूरी होती है?

(ग) यदि सारी नदियाँ, झीलें और तालाब सूख जाएँ तो क्या होगा?

(घ) पाठ में पानी को रुपयों से भी कई गुना मूल्यवान क्यों बताया गया है?

उत्तर– (क) पाठ में धरती को एक बहुत बड़ी गुल्लक इसलिए कहा गया है कि जिस प्रकार बच्चे अपनी गुल्लक में एक-एक रुपया बचाकर जमा करते हैं तथा आवश्यकता होने पर गुल्लक के धन का उपयोग कर लेते हैं। ठीक उसी प्रकार हमें धरती रूपी गुल्लक में जल एकत्रित करना चाहिए। धरती जलसंचय के लिए एक बड़ी गुल्लक के समान है। यही जल का संचय समय पर साल भर काम आता है।

(ख) बरसात के दिनों में नदियाँ अपने चारों ओर का पानी लेकर समुद्र तक पहुँचाती हैं। वही पानी पुन: भाप का रूप लेकर बादल बन जाता है और देश के विभिन्न भागों में बरसता है। इस प्रकार जल-चक्र की प्रक्रिया पूरी होती है।

(ग) यदि सारी नदियाँ, झीलें और तालाब सूख जाएँ तो धरती पर भयंकर जल संकट उत्पन्न हो जायेगा। मनुष्य-पशु-पक्षी-पेड़-पौधों का जीवन संकट में पड़ जायेगा। अन्त में सब प्यास के कारण मरने लगेंगे।

(घ) पाठ में पानी को रुपयों से भी कई गुना मूल्यवान इसलिए बताया गया है कि पानी एक अनमोल धन है। पानी न रहने पर रुपयों से व्यक्ति की प्यास नहीं मिट सकती है। रुपया तो किसी-न-किसी प्रकार प्राप्त भी हो सकता है, परन्तु पानी प्रकृति की देन है। अत: पानी रुपयों से भी कई गुना मूल्यवान है।

शीर्षक

(क) इस पाठ का शीर्षक 'पानी रे पानी' दिया गया है। पाठ का यह नाम क्यों दिया गया होगा? अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करके लिखिए। अपने उत्तर का कारण भी लिखिए।

(ख) आप इस पाठ को क्या नाम देना चाहेंगे? इसका कारण लिखिए।

उत्तर– (क) इस पाठ का शीर्षक 'पानी रे पानी' इसलिए दिया गया होगा क्योंकि इसमें पानी के विषय में ही बताया गया है। पाठ में पानी की महत्ता और उसके संरक्षण का ही वर्णन किया गया है। इसका कारण यह हो सकता है कि पानी ही जीवन का मूल आधार है।

(ख) हम इस पाठ को 'जीवन में पानी का महत्व' नाम देना चाहेंगे क्योंकि यह शीर्षक इस पाठ के मुख्य विषय पर प्रकाश डालता है।

शब्दों की बात

बात पर बल देना

- "हमारी यह धरती भी इसी तरह की एक गुल्लक है।"
- "हमारी यह धरती इसी तरह की एक गुल्लक है।"

(क) इन दोनों वाक्यों को ध्यान से पढ़िए। दूसरे वाक्य में कौन-सा शब्द हटा दिया गया है? उस शब्द को हटा देने से वाक्य के अर्थ में क्या अंतर आया है, पहचान कर लिखिए।
(ख) पाठ में ऐसे ही कुछ और शब्द भी आए हैं जो अपनी उपस्थिति से वाक्य में विशेष प्रभाव उत्पन्न करते हैं। पाठ को फिर से पढ़िए और इस तरह के शब्दों वाले वाक्यों को चुनकर लिखिए।

उत्तर– (क) दूसरे वाक्य में 'भी' शब्द हटा दिया गया है। यह एक निपात है जिसका प्रयोग 'सहित' अथवा 'अतिरिक्त' अर्थ के लिए किया जाता है। यह 'धरती' शब्द को बल प्रदान कर रहा है। 'भी' शब्द को हटा देने से वाक्य के अर्थ में बल का प्रभावगत अन्तर आया है।
(ख) इस तरह के शब्दों वाले वाक्य इस प्रकार हैं —
1. एक सुन्दर-सा चित्र भी होता है।
2. चित्र में कुछ तीर भी बने होते हैं।
3. यह तो हुई जल-चक्र की किताबी बात।
4. अकाल और बाढ़ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

समानार्थी शब्द

नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर समान अर्थ देने वाले उपयुक्त शब्द लिखिए। इस कार्य के लिए आप बादल में से शब्द चुन सकते हैं।
(क) सूरज की किरणें पड़ते ही फूल खिल उठे।
(ख) समुद्र का पानी **भाप** बनकर ऊपर जाता है।
(ग) अचानक **बादल** गरजने लगे।
(घ) जल-चक्र में **हवा** की भी बहुत बड़ी भूमिका है।
सूर्य, मेघ, भास्कर, पवन, वारिद वायु, दिवाकर, जलद, वाष्प, समीर,दिनकर, नीरद

उत्तर–(क) **सूर्य** की किरणें पड़ते ही फूल खिल उठे।
(ख) समुद्र का पानी **वाष्प** बनकर ऊपर जाता है।
(ग) अचानक **मेघ** गरजने लगे।
(घ) जल-चक्र में **वायु** की बहुत बड़ी भूमिका है।

उपसर्ग

''देश के कई हिस्सों में तो अकाल जैसे हालात बन जाते हैं।''
उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित शब्द में 'अ' ने 'काल' शब्द से जुड़कर एक नया अर्थ दिया है। काल का अर्थ है– समय, मृत्यु। जबकि अकाल का अर्थ है– कुसमय, सूखा। कुछ शब्दांश किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं या कोई विशेषता उत्पन्न कर देते हैं और इस प्रकार नए शब्दों का निर्माण करते हैं। इस तरह के शब्दांश 'उपसर्ग' कहलाते हैं।
आइए, कुछ और उपसर्गों की पहचान करते हैं–

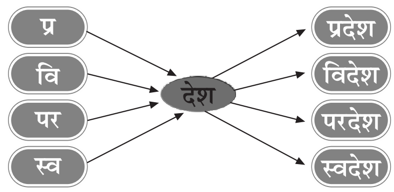

अब आप भी उपसर्ग के प्रयोग से नए शब्द बनाकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

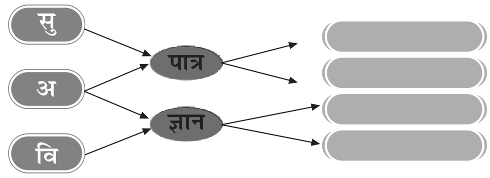

उत्तरः सुपात्र — **सुपात्र** से समाज विभूषित होता है।
अपात्र — योजना का लाभ **अपात्र** को नहीं मिलना चाहिए।
अज्ञान — आज लोगों में **अज्ञान** भरा हुआ है।
विज्ञान — भारत का **विज्ञान** सर्वोपरि है।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) धरती की गुल्लक में जलराशि की कमी न हो इसके लिए आप क्या-क्या प्रयास कर सकते हैं, अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करके लिखिए।
(ख) इस पाठ में एक छोटे से खंड में जल-चक्र की प्रक्रिया को प्रस्तुत किया गया है। उस खंड की पहचान करें और जल-चक्र को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करें।
(ग) अपने द्वारा बनाए गए जल-चक्र के चित्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर– (क) धरती की गुल्लक में जलराशि की कमी न हो, इसके लिए हम निम्नलिखित प्रयास कर सकते हैं–
(i) झील-तालाब आदि में जल का संचयन कर सकते हैं।
(ii) जल का सही और आवश्यक प्रयोग करके जल की बचत कर सकते हैं।
(iii) वृक्षारोपण करके हम जल-चक्र को अच्छा बना सकते हैं। ऐसा करने से वर्षा भी अधिक होगी।
(iv) प्रदूषित जल को सिंचाई आदि के काम में ले सकते हैं।
(ख) पाठ में जल-चक्र का खण्ड इस प्रकार है–
नदी अपने चारों तरफ का पानी लेकर उसी समुद्र में मिलती

दिखती है। चित्र में कुछ तीर भी बने रहते हैं। समुद्र से उठी भाप बादल बनकर पानी में बदलती है और फिर इन तीरों के सहारे जल की यात्रा एक तरफ से शुरू होकर समुद्र में वापिस मिल जाती है। जल-चक्र पूरा हो जाता है।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

सृजन

(क) कल्पना कीजिए कि किसी दिन आपके घर में पानी नहीं आया। आपको विद्यालय जाना है। आपके घर के समीप ही एक सार्वजनिक नल है। आप बालटी आदि लेकर वहाँ पहुँचते हैं और ठीक उसी समय आपके पड़ोसी भी पानी लेने पहुँच जाते हैं। आप दोनों ही अपनी-अपनी बालटी पहले भरना चाहते हैं। ऐसी परिस्थिति में आपस में किसी प्रकार का विवाद (तू-तू मैं-मैं) न हो, यह ध्यान में रखते हुए पाँच संदेश वाक्य (स्लोगन) तैयार कीजिए।

(ख) "सूरज, समुद्र, बादल, हवा, धरती, फिर बरसात की बूँदें और फिर बहती हुई एक नदी और उसके किनारे बसा तुम्हारा, हमारा घर, गाँव या शहर।"

इस वाक्य को पढ़कर आपके सामने कोई एक चित्र उभर आया होगा, उस चित्र को बनाकर उसमें रंग भरिए।

उत्तर– (क) पाँच संदेश वाक्य (स्लोगन) इस प्रकार हैं–

(i) पानी पर सबका अधिकार, बाँट-बाँट कर ले लो यार।

(ii) पानी बँटेगा सबके साथ, हम सब हैं साथ-साथ।

(iii) हम सबका पानी है, हम सबका सम्मान है।

(iv) सभी प्यास बुझाएँ, पड़ोसी का धर्म निभाएँ।

(v) पड़ोसी की भी प्यास बुझाएँ, प्यार और सहयोग बढ़ाएँ।

(ख) विद्यार्थी चित्र बनाकर उसमें स्वयं रंग भरें।

पानी रे पानी

नीचे हम सबकी दिनचर्या से जुड़ी कुछ गतिविधियों के चित्र हैं। उन चित्रों पर बातचीत कीजिए जो धरती पर पानी के संकट को कम करने में सहायक हैं और उन चित्रों पर भी बात करें जो पानी की गुल्लक को जल्दी ही खाली कर रहे हैं।

उत्तर: पानी के संकट को कम करने वाली गतिविधियाँ–

(i) वर्षा जल को संग्रहण टैंक में पानी जमा करना।

(ii) पौधारोपण करना।

(iii) दैनिक कार्यों में पानी का बचत करना।

(iv) तालाबों और जलस्रोतों का संरक्षण।

पानी की गुल्लक को खाली करने वाली गतिविधियाँ–

(i) तालाबों-नदियों में कचरा फेंकना।

(ii) जंगलों की कटाई और भू-खनन।

(iii) नल को बेवजह खुला छोड़ना।

(iv) अनावश्यक मोटर पंप को चलाकर पानी फैलाना।

सबका पानी

'सभी को अपनी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त पानी कैसे मिले' इस विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन करें। परिचर्चा के मुख्य बिंदुओं को आधार बनाते हुए रिपोर्ट तैयार करें।

दैनिक कार्यों में पानी

(क) क्या आपने कभी यह जानने का प्रयास किया है कि आपके घर में एक दिन में औसतन कितना पानी खर्च होता है? अपने घर में पानी के उपयोग से जुड़ी एक तालिका बनाइए। इस तालिका के आधार पर पता लगाइए–

- घर के कार्यों में एक दिन में लगभग कितना पानी खर्च होता है? (बालटी, घड़े या किसी अन्य बर्तन को मापक बना सकते हैं।)
- आपके माँ और पिता या घर के अन्य सदस्य पानी बचाने के लिए क्या-क्या उपाय करते हैं?

उत्तर: (क) विद्यार्थी पानी के खर्चे की तालिका स्वयं बनाएँ।

कार्य	अनुमानित पानी की मात्रा	मापक (बाल्टी)
1. नहाना	2 बाल्टी	20 लीटर
2. बर्तन धोना	2 बाल्टी	20 लीटर
3. कपड़े धोना	3 बाल्टी	30 लीटर
4. पीने और खाना बनाने के लिए	3 बाल्टी	30 लीटर
5. पोंछा और पौधों में	2 बाल्टी	20 लीटर
	कुल 12 बल्टी	**120 लीटर**

- पानी बचाने के उपाय–

1. बर्तन धोते समय नल को खुला न छोड़ना।
2. गाड़ी धोने, सफाई करने के लिए पाइप की जगह बाल्टी का प्रयोग।

3. नहाने के बाद बचे पानी का प्रयोग पौधों में करना।

(ख) क्या आपको अपनी आवश्यकतानुसार पानी उपलब्ध हो जाता है? यदि हाँ, तो कैसे? यदि नहीं, तो क्यों?

उत्तर: हाँ, हमें अपनी आवश्यकतानुसार पानी उपलब्ध हो जाता है। हमने अपने मकान में वर्षा का जल संचयन करने के लिए तलघर बनवाया है। वर्षा के दिनों में छत से आने वाला पानी उसी में इकट्ठा हो जाता है। आवश्यकतानुसार एवं समयानुसार हम उसको उपयोग में लेते हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी नलों में भी समय पर पानी आ जाता है।

(ग) आपके घर में दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पानी का संचयन कैसे और किन पात्रों में किया जाता है?

उत्तर: हमारे घर में दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पानी का संचयन वर्षा द्वारा तलघर में तथा समर द्वारा टंकी, टब, बाल्टी आदि पात्रों में किया जाता है।

(**नोट—** विद्यार्थी अपने-अपने घर में पानी की व्यवस्था के अनुसार भी लिख सकते हैं।)

जन-सुविधा के रूप में जल

नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए—

इन चित्रों के आधार पर जल आपूर्ति की स्थिति के बारे में अपने साथियों से चर्चा कीजिए और उसका विवरण लिखिए।

उत्तर— इन चित्रों से स्पष्ट होता है कि बहुत सारे लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं। कहीं लोग टैंकर से पानी भर रहे हैं, कहीं नदियाँ, पोखर से तो कहीं जल रेल से पहुँचाया जा रहा है। यह स्थिति बताती है कि जल संकट बहुत गंभीर है और सभी जगह समान रूप से जल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। हमें जल की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। जल संरक्षण के उपाय करने चाहिए।

बिन पानी सब सून

(क) पाठ में भूजल स्तर के कम होने के कुछ कारण बताए गए हैं, जैसे— तालाबों में कचरा फेंककर भरना आदि। भूजल स्तर कम होने के और क्या-क्या कारण हो सकते हैं? पता लगाइए और कक्षा में प्रस्तुत कीजिए। (इसके लिए आप अपने सहपाठियों, शिक्षकों और घर के सदस्यों की सहायता भी ले सकते हैं।)

(ख) भूजल स्तर की कमी से हमें आजकल किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?

(ग) आपके विद्यालय, गाँव या शहर के स्थानीय प्रशासन द्वारा भूजल स्तर बढ़ाने के लिए क्या-क्या प्रयास किए जा रहे हैं, पता लगाकर लिखिए।

उत्तर— (क) भूजल स्तर कम होने के और निम्नलिखित कारण हो सकते हैं— (i) वर्षा का कम होना। (ii) मोटरों द्वारा पानी खींचकर उसकी अनावश्यक बर्बादी करना। (iii) वृक्षों का निरन्तर कटना। (iv) जनसंख्या वृद्धि। (v) जमीन पर पक्की सड़कें, मकान, दुकान आदि का निरन्तर बनना।

(ख) भूजल स्तर की कमी से हमें आजकल निम्नलिखित कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है—

(i) आवश्यकतानुसार भी पानी नहीं मिल पा रहा है। (ii) कृषि उत्पादन में कमी आने लगी है। (iii) आजकल शहरों में पानी की बिक्री होने लगी है, जिसको गरीब लोग नहीं खरीद पा रहे हैं। (iv) पानी पर निर्भर उद्योग पिछड़ते जा रहे हैं। (v) पानी के लिए लोगों में आपसी विवाद होने लगे हैं।

(ग) हमारे विद्यालय, गाँव या शहर के स्थानीय प्रशासन द्वारा भूजल स्तर बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रयास किए जा रहे हैं— (i) 'जल संरक्षण अभियान' चलाया जा रहा है। (ii) 'वर्षा जल संचयन' को विद्यालय, कार्यालय आदि में अनिवार्य कर दिया गया है। (iii) नए तालाबों आदि को बनाया जा रहा है तथा पुराने तालाबों आदि का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। (iv) नदियों के जल को जगह-जगह बाँध बनाकर रोका जा रहा है। (v) वृक्षारोपण किया जा रहा है जिससे कि अधिक वर्षा हो।

यह भी जानें

अपने घर या विद्यालय के आस-पास, मुहल्ले या गाँव में पता लगाइए कि वर्षा जल संग्रहण की कोई विधि अपनाई जा रही है या नहीं? यदि हाँ, तो कौन-सी विधि है? उसके विषय में लिखिए। यदि नहीं, तो अपने शिक्षक या परिजनों की सहायता से इस विषय में समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए।

उत्तर : हाँ, हमारे विद्यालय में 'वर्षा बैरल' वर्षा जल संग्रहण की विधि अपनाई जा रही है। इसमें वर्षा का जल एकत्रित करने के लिए छत या अन्य स्थानों से बहने वाले

पानी को एक बैरल में जमा किया जाता है। यह पानी पेड़-पौधों में देने तथा अन्य कार्यों में भी उपयोग किया जाता है।

आज की पहेली

जल के प्राकृतिक स्रोत हैं— वर्षा, नदी, झील और तालाब। दिए गए वर्ग में जल और इन प्राकृतिक स्रोतों के समानार्थी शब्द ढूँढ़िए और लिखिए।

क	मे	क	ग	ब	पा	ज	र
ल	ह	व	नी	न	र	ला	ज
अं	बु	स	र	ब	स	श	नी
म	न	रो	रि	ल	लि	य	य
य	भ	व	थ	ता	ल	श	त
ज	वा	र	म	ग	र	पा	टि
बा	रि	श	त	प्र	वा	हि	नी
व	र	त	रं	गि	णी	ट	ग

उत्तर: वर्षा — बारिश, मेह।, नदी — तटिनी, तरंगिणी, प्रवाहिनी।, तालाब/झील — जलाशय, ताल, सर, सरोवर।, जल — सलिल, अंबु, नीर, वारि।

साझी समझ

'पानी रे पानी' और 'पाल के किनारे रखा इतिहास' में आपको कौन-कौन सी बातें समान लगीं? उनके विषय में अपने सहपाठियों के साथ चर्चा कीजिए।

उत्तर : समान बातें— 1. पानी की महत्ता— दोनों लेख पानी को जीवन का आधार बताते हैं।

2. तालाबों का महत्व— दोनों में तालाबों को धरती की गुल्लक के रूप में बताया गया है, जो पानी जमा करते हैं।

3. समाज के लिए योगदान— दोनों लेखों में तालाब बनाना समाज के लिए लाभकारी बताया गया है।

4. प्रकृति और मानव— दोनों लेख पानी-तालाब (प्रकृति) और मानव जीवन के बीच गहरा संबंध दिखाते हैं।

5. जल स्रोतों का संरक्षण— दोनों लेख हमें पानी और तालाबों की रक्षा करने की प्रेरणा देते हैं, ताकि भविष्य में पानी की कमी न रहे। (छात्र उपर्युक्त बिन्दुओं को आधार बनाकर कक्षा में चर्चा करें।)

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. किसके आने के विषय में बतलाया जा रहा है?
(क) सूरज के (ख) हवा के
(ग) पानी के (घ) बादल के ( )

2. पानी के लिए मीठी नींद छोड़कर क्या भरना पड़ता है?
(क) घड़े (ख) बालटियाँ
(ग) अन्य बर्तन (घ) ये सभी ( )

3. बाढ़ के कारण क्या नहीं बच सकता?
(क) गाँव (ख) नगर
(ग) महानगर (घ) ये सभी

4. पानी की अत्यधिक मात्रा हो जाना कहलाता है —
(क) बाढ़ (ख) अकाल
(ग) शीत (घ) ये सभी ( )

5. पैसों की बचत के लिए बच्चे किसका उपयोग करते हैं?
(क) बटुए का (ख) जेब का
(ग) गुल्लक का (घ) किसी का नहीं
( )

उत्तर: **1.** (ग), **2.** (घ), **3.** (घ), **4.** (क), **5.** (ग)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. चित्र में कुछ .... भी बने रहते हैं।

2. पानी आता भी है तो .... ।

3. देश के कई हिस्सों में तो .... जैसी हालत बन जाती है।

4. अकाल और बाढ़ एक ही .... के दो पहलू हैं।

5. इस बड़ी गलती की .... अब हम सबको मिल रही है।

उत्तर: **1.** तीर, **2.** बेवक्त, **3.** अकाल, **4.** सिक्के, **5.** सजा।

सत्य/असत्य

1. कला की किताब में हमें जल-चक्र की बातें बताई जाती हैं। ( )

2. पानी को लेकर लोगों में तू-तू, मैं-मैं होने लगती है। ( )

3. यह तो हुई जल-चक्र की किताबी बात। ( )
4. धरती भी हमारी एक बड़ी गुल्लक है। ( )
5. जमीन के लालच में हमने तालाबों को कचरे से पाट दिया है। ( )

उत्तरः 1. असत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. सत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ) और स्तंभ (ब) में का मिलान कीजिए—

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. सूरज	(क) धरा
2. समुद्र	(ख) दिवाकर
3. बादल	(ग) सागर
4. हवा	(घ) पयोद
5. धरती	(ङ) वायु

उत्तरः 1. ख, 2. ग, 3. घ, 4. ङ, 5. क।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. भूगोल की किताब में किसकी-किसकी बातें बताई जाती हैं?

उत्तरः भूगोल की किताब में जल-चक्र जैसी बातें बताई जाती हैं।

2. पानी भरने के लिए कहीं-कहीं आपस में क्या होने लगता है?

उत्तरः तू-तू, मैं-मैं होने लगती है।

3. मोटर से कई घरों का पानी एक ही घर द्वारा खींच लेना कैसा काम है?

उत्तरः यह अपने पड़ोस का हक छीनने जैसा काम है।

4. पानी का बेहद कम हो जाना क्या कहलाता है?

उत्तरः पानी का बेहद कम हो जाना अकाल कहलाता है।

5. प्रकृति कब खूब पानी बरसाती है?

उत्तरः वर्षा के मौसम में प्रकृति बहुत पानी बरसाती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पानी का अब कुछ अजीब-सा चक्कर अब सामने कहाँ आने लगा है?

उत्तरः पानी का कुछ अजीब-सा चक्कर हम सबके घरों, कार्यालयों, स्कूलों, कारखानों तथा खेतों में सामने आने लगा है।

2. पाइप में बिजली की मोटर लगवाने से क्या हानि होती है?

उत्तरः पाइप में बिजली की मोटर लगवाने से कई घरों का पानी खिंचकर एक ही घर में चला जाता है।

3. बाढ़ के कारण क्या-क्या प्रभावित होता है?

उत्तरः बाढ़ के कारण, नगर-महानगर, उद्योग आदि प्रभावित होते हैं। जीवन-क्रम प्रभावित हो जाता है साथ ही जीव-जन्तु भी कठिनाइयों में पड़ जाते हैं।

4. पानी की कोई कमी कब नहीं आयेगी?

उत्तरः जब हम जल-चक्र को ठीक से समझें तथा भूजल भंडार को सुरक्षित रखें तब पानी की कोई कमी नहीं आयेगी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. धरती को बड़ी गुल्लक क्यों माना गया है?

उत्तरः धरती को बड़ी गुल्लक इसलिए माना गया है कि जिस प्रकार बच्चे किसी से रुपये-पैसे मिलने पर गुल्लक भर लेते हैं, उसी प्रकार हमारी धरती भी बड़ी गुल्लक है। मिट्टी की इस विशाल गुल्लक में प्रकृति वर्षा के मौसम में पानी बरसाती है, और तब हमें जलरूपी अनमोल रत्न को इस गुल्लक में जमा कर लेती है। बरसात के बाद पूरे साल वही जल जरूरत के समय उपयोग होता रहता है।

2. जल-चक्र की प्रक्रिया समझाइए।

उत्तरः जल-चक्र की प्रक्रिया इस प्रकार है—

(i) नदियाँ वर्षा आदि के पानी को समुद्र में ले जाती हैं।
(ii) समुद्र का पानी भाप बनकर बादलों का रूप ले लेता है।
(iii) बादल उस भाप के पानी को धरती पर बरसाते हैं।
(iv) वर्षा का पानी तालाबों, झीलों आदि में एकत्रित हो जाता है तथा बहा हुआ पानी नदियों के माध्यम से पुनः समुद्र में जाकर मिल जाता है।

यही जल-चक्र की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है।

5 नहीं होना बीमार

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. बच्चे के विद्यालय न जाने का मुख्य कारण क्या था?
- उसका विद्यालय न जाने का मन नहीं था।
- उसका साबूदाने की खीर खाने का मन था।
- उसने गृहकार्य नहीं किया था।
- उसे बुखार हो गया था।

उत्तर– उसका साबूदाने की खीर खाने का मन था।

2. कहानी के अंत में बच्चे ने कहा, ''इसके बाद स्कूल से छुट्टी मारने के लिए मैंने बीमारी का बहाना कभी नहीं बनाया।'' बच्चे ने यह निर्णय लिया क्योंकि–
- घर में रहने के बजाय विद्यालय जाना अधिक रोचक है।
- बीमारी का बहाना बनाने से साबूदाने की खीर नहीं मिलती।
- झूठ बोलने से झूठे के खुलने का डर हमेशा बना रहता है।
- इस बहाने के कारण उसे दिनभर अकेले और भूखे रहना पड़ा।

उत्तर– इस बहाने के कारण उसे दिनभर अकेले और भूखे रहना पड़ा।

3. "लेटे-लेटे पीठ दुखने लगी" इस बात से बच्चे के बारे में क्या पता चलता है?
- उसे बिस्तर पर लेटे रहने के कारण ऊब हो गई थी।
- उसे अपनी बीमारी की कोई चिंता नहीं रह गई थी।
- वह बिस्तर पर आराम करने का आनंद ले रहा था।
- बीमारी के कारण उसकी पीठ में दर्द हो रहा था।

उत्तर– उसे बिस्तर पर लेटे रहने के कारण ऊब हो गई थी।

4. ''क्या ठाठ हैं बीमारों के भी!'' बच्चे के मन में यह बात आई क्योंकि–
- बीमार व्यक्ति को बहुत आराम करने को मिलता है।
- बीमार व्यक्ति को अच्छे खाने का आनंद मिलता है।
- बीमार व्यक्ति को विद्यालय नहीं जाना पड़ता है।
- बीमार व्यक्ति अस्पताल में शांति से लेटा रहता है।

उत्तर– बीमार व्यक्ति को बहुत आराम करने को मिलता है। बीमार व्यक्ति को अच्छे खाने का आनंद मिलता है।

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुनें?

उत्तर : उत्तर चुनने के कारण–

1. एक दिन बच्चे का स्कूल जाने का मन नहीं किया, साथ ही उसने होमवर्क भी नहीं किया था। स्कूल जाता तो सजा मिलती। वह सजा से बचना चाहता था, इसलिए उसका स्कूल जाने का मन नहीं हुआ।
2. बच्चे ने जो प्राप्त करने के लिए स्कूल न जाने का बहाना बनाया, वह कामयाब नहीं हुआ, अपितु इसके विपरीत उसे दिनभर भूखा और अकेला रहना पड़ा।
3. बच्चा बीमार नहीं था, इसलिए उसे आराम की जरूरत नहीं थी। अतः वह लेटे-लेटे बुरी तरह डर सा गया। साथ ही उस पर अनेक पाबंदियाँ लगा दी गईं। किसी स्वस्थ व्यक्ति को यदि बीमारों की तरह लेटे रहने के लिए कहा जाए तो उसकी बोरियत का अंदाजा लगाया जा सकता है।
4. अस्पताल में काका को खीर खाते देखकर ही बच्चों ने मन में यह विचार आया था कि बीमार व्यक्ति को अच्छा खाना खाने का आनंद मिलता है।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थों से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने परिजनों और शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

	शब्द		अर्थ
1.	साबूदाना	**1.**	किसी विशिष्ट कार्य के लिए घेरकर बनाया हुआ स्थान।
2.	वार्ड	**2.**	एक प्रकार का जाड़े का ओढ़ना जिसका कपड़ा दोहरा होता है और जिसमें रुई भरी होती है।
3.	नर्स	**3.**	शरीर का तापमान (जैसे बुखार) नापने का एक छोटा यंत्र।

4.	रजाई	**4.**	कई तरह की जड़ी-बूटियों और औषधियों को उबालकर उनके रस से बना पेय होता है। इसे सर्दी-जुकाम, खाँसी-बुखार और पाचन से जुड़ी समस्याओं में लाभदायक माना जाता है।
5.	थर्मामीटर	**5.**	रेशमी, ऊनी, मलमल जैसे नाजुक कपड़ों को पानी, साबुन और डिटर्जेंट के बिना मशीनों से साफ करने वाला व्यक्ति।
6.	काढ़ा	**6.**	उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में स्थित 17वीं सदी में निर्मित एक विश्व-प्रसिद्ध स्मारक जो सफेद संगमरमर से बना है।
7.	ड्राइक्लीनर	**7.**	एक दाल जिसे तुअर भी कहते हैं।
8.	ताजमहल	**8.**	सागू नामक वृक्ष के तने का गूदा, सागूदाना, यह पहले आटे के रूप में होता है और फिर कूटकर दानों के रूप में सुखा लिया जाता है।
9.	अरहर	**9.**	वह व्यक्ति जो रोगियों, घायलों या वृद्धों आदि की देखभाल करे।

उत्तर: **1.** (8), **2.** (1), **3.** (9), **4.** (2), **5.** (3), **6.** (4), **7.** (5), **8.** (6), **9.** (7)।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए—

(क) "मैंने सोचा बीमार पड़ने के लिए आज का दिन बिलकुल ठीक रहेगा। चलो बीमार पड़ जाते हैं।"

(ख) "देखो! उन्होंने एक बार भी आकर नहीं पूछा कि तू क्या खाएगा? पूछते तो साबूदाने की खीर ही तो माँगता। कोई ताजमहल तो नहीं माँग लेता। लेकिन नहीं! भूखे रहो!! इससे सारे विकार निकल जाएँगे। विकार निकल जाएँ बस। चाहे इस चक्कर में तुम खुद शिकार हो जाओ।"

उत्तर: (क) बच्चा अस्पताल की अच्छी व्यवस्था एवं साबूदाने की खीर से बहुत प्रभावित होता है। एक दिन वह गृहकार्य न करने के कारण स्कूल जाने के भय से बीमारी का बहाना बनाकर स्कूल नहीं जाता। वह सोचता है कि आज मैं बीमार पड़ जाता हूँ। बीमारी के कारण मुझे स्कूल भी नहीं जाना पड़ेगा और घर पर आराम करते हुए साबूदाने की खीर भी खाने को मिलेगी। अतः इस कार्य के लिए आज का दिन बहुत ठीक है।

(ख) बच्चे का बहाना सफल नहीं होता। वह स्वयं पर झुँझलाता है। वह किसी को अपनी सच्चाई भी नहीं बता पा रहा है। घर के सब लोग जब उसे बीमार मानकर खाने के विषय में नहीं पूछते तो वह मन ही मन चिढ़ता है और सोचता है कि खाने के लिए मैं साबूदाने की खीर ही तो माँगता, कोई मूल्यवान वस्तु तो नहीं माँगता। लेकिन मेरे घरवाले सोचते हैं कि भूखा रहने से शरीर के विकार निकल जाएँगे। मेरी तो भूख के मारे बुरी दशा हो रही है। इस प्रकार बीमार होने पर बच्चा स्वयं को मन ही मन कोसता है।

सोच-विचार के लिए

पाठ को एक बार फिर ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) अस्पताल में बच्चे को कौन-कौन सी चीजें अच्छी लगीं और क्यों?

उत्तर— अस्पताल में बच्चे को वहाँ का माहौल, बड़ी-बड़ी खिड़कियों के पास झूमते हुए हरे-हरे पेड़, वार्ड में पलंगों की व्यवस्था, साफ-सफाई आदि अच्छे लगे क्योंकि यह सब बच्चे के लिए नया और अलग था। उसने पहली बार ही अस्पताल एवं वहाँ की व्यवस्था देखी थी।

(ख) कहानी के अंत में बच्चे को महसूस हुआ कि उसे स्कूल जाना चाहिए था। क्या आपको लगता है कि उसका निर्णय सही था? क्यों?

उत्तर— हाँ, हमें लगता है कि उसका निर्णय सही था। क्योंकि स्कूल जाने पर न तो उसे भूख आदि से परेशान रहना पड़ता और न ही स्कूल का कार्य पूरा करने के लिए किसी से उत्तर पुस्तिकाएँ माँगनी पड़तीं।

(ग) जब बच्चा बीमार पड़ने का बहाना बनाकर बिस्तर पर लेटा रहा तो उसके मन में कौन-कौन से भाव आ रहे थे?

(संकेत— मन में उत्पन्न होने वाले विकार या विचार को भाव कहते हैं, उदाहरण के लिए— क्रोध, दुख, भय, करुणा, प्रेम आदि)

उत्तर— जब बच्चा बीमार पड़ने का बहाना बनाकर बिस्तर पर लेटा रहा तो उसके मन में बाहर घूमकर गली देखने का आनंद, क्रोध, दु:ख एवं करुणा जैसे कुढ़न के भाव आ रहे थे।

(घ) कहानी में बच्चे ने सोचा था कि ''ठाठ से साफ-सुथरे बिस्तर पर लेटे रहो और साबूदाने की खीर खाते रहो।'' आपको क्या लगता है, असल में बीमार हो जाने और इस बच्चे की सोच में कौन-कौन सी समानताएँ और अंतर होंगे?

(**संकेत—** आप अपने अनुभवों के आधार पर इस प्रश्न पर विचार कर सकते हैं कि कहानी वाले बच्चे की कल्पना वास्तविकता से कितनी अलग है।)

उत्तर– असल में बीमार हो जाने पर अच्छे से अच्छे पकवान भी अच्छे नहीं लगते हैं। जीने के लिए खाना पड़ता है न कि खाने के लिए बीमार होना। बच्चे की कल्पना वास्तविकता से भिन्न है। बच्चे की सोच में बहुत अन्तर है।

(ङ) नानीजी और नानाजी ने बच्चे को बीमारी की दवा दी और उसे आराम करने को कहा। बच्चे को खाना नहीं दिया गया। क्या आपको लगता है कि उन्होंने सही किया? आपको ऐसा क्यों लगता है?

उत्तर– हाँ, हमें लगता है कि उन्होंने सही किया था। हमें ऐसा इसलिए लगता है कि बुखार-सर्दी जैसी छोटी-छोटी बीमारियाँ उपवास रखने से भी ठीक हो जाती हैं। उपवास रखने से पेट में पड़ा हुआ सब पच जाता है। पेट की खराबी ही बीमारी की जड़ होती है।

अनुमान और कल्पना से

(क) कहानी के अंत में बच्चा नानाजी और नानीजी को सब कुछ सच-सच बताने का निर्णय कर लेता तो कहानी में आगे क्या होता?

(**संकेत–** उसका दिन कैसे बदल जाता? उसकी सोच और अनुभव कैसे होते?)

उत्तर– कहानी के अंत में बच्चा यदि नानाजी और नानीजी को सब कुछ सच-सच बताने का निर्णय कर लेता तो कहानी में आगे बच्चे की विद्यालय न जाने की सोच बदल जाती। सच बोलने पर नानीजी उसे बिना बीमार पड़े ही साबूदाना की खीर बनाकर खिला देतीं। उसका दिन खुशी में बदल जाता तथा उसकी बुरी सोच तथा अनुभव में भी परिवर्तन हो जाता।

(ख) कहानी में बच्चे की नानीजी के स्थान पर आप हैं। आप सारे नाटक को समझ गए हैं लेकिन चाहते हैं कि बच्चा सारी बात आपको स्वयं बता दे। अब आप क्या करेंगे?

(**संकेत–**इस सवाल में आपको नानीजी की जगह लेकर सोचना है और एक मनोरंजक योजना बनानी है जिससे बच्चा आपको स्वयं सारी बातें बता दे।)

उत्तर– यदि मैं बच्चे की नानी के स्थान पर होती तो बच्चे के स्कूल न जाने के बहाने को समझ जाती और साबूदाने की खीर बनाती। बच्चे को लगता कि कोई बहाना किए बिना ही खीर खाने को मिल रही है तो मैं बहाना क्यों बनाऊँ। बच्चा स्वयं ही नानी को अपने नाटक बनाने की योजना बता देता।

(ग) कहानी में बच्चे के स्थान पर आप हैं और घर में अकेले हैं अब आप ऊबने से बचने के लिए क्या-क्या करेंगे?

उत्तर– ऊबने से बचने के लिए मैं निम्नलिखित काम करता —

(i) अपने विद्यालय का गृहकार्य करता तथा पाठ से कहानियाँ पढ़ता।

(ii) टेलीविजन अथवा मोबाइल पर रामायण देखता।

(iii) कमरे की साफ-सफाई करता।

(iv) वस्तुओं को यथास्थान पर साफ करके लगा देता।

(घ) कहानी के अंत में बच्चे को लगा कि उसे स्कूल जाना चाहिए था। कल्पना कीजिए, अगर वह स्कूल जाता तो उसका दिन कैसा होता? अगले दिन जब वह स्कूल गया होगा तो उसने क्या-क्या किया होगा?

उत्तर– अगर वह स्कूल जाता तो उसका दिन अच्छा होता। हाँ, गृहकार्य न होने पर डाँट जरूर पड़ती, लेकिन अगले दिन जब वह स्कूल गया होगा तो उसने पढ़ने के साथ-साथ छूटा हुआ कक्षा कार्य एवं गृहकार्य भी किया होगा।

(ङ) कहानी में नानाजी और नानीजी ने बच्चे की बीमारी ठीक करने के लिए उसे दवाई दी और खाने के लिए कुछ नहीं दिया। अगर आप नानीजी या नानाजी की जगह होते तो क्या-क्या करते?

उत्तर– अगर मैं नानीजी या नानाजी की जगह होता तो बच्चे को दवाई के साथ-साथ फल और दूध भी देता।

कहानी की रचना

"अस्पताल का माहौल मुझे बहुत ही अच्छा लग रहा था। बड़ी-बड़ी खिड़कियों के पास हरे-हरे पेड़ झूम रहे थे। न ट्रैफिक का शोरगुल, न धूल, न मच्छर-मक्खी...। सिर्फ लोगों के धीरे-धीरे बातचीत करने की धीमी-धीमी गुनगुन। बाकी एकदम शांति।"

इन पंक्तियों पर ध्यान दीजिए। इन पंक्तियों में ऐसा लग रहा है मानो हमारी आँखों के सामने अस्पताल का चित्र-सा बन गया हो। लेखन में इसे 'चित्रात्मक भाषा' कहते हैं। अनेक लेखक अपनी रचना को रोचक और सरस बनाने के लिए उपयुक्त स्थानों पर अनेक वस्तुओं, कार्यों, स्थानों आदि का विस्तार से वर्णन करते हैं। लेखक ने इस कहानी को सरस और रोचक बनाने के लिए और भी अनेक तरीकों का उपयोग किया है। उदाहरण के लिए, उन्होंने कहानी में 'बच्चे द्वारा कल्पना करने' का भी प्रयोग किया है (जब बच्चा अकेले लेटे-लेटे घर और बाहर के लोगों के बारे में सोच रहा है)। इस कहानी में ऐसी कई विशेषताएँ छिपी हैं।

(क) इस पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और अपने समूह में मिलकर इस पाठ की अन्य विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

उत्तर : कहानी की विशेषताएँ—

1. बीमार संबंधी को देखने जाना, उसके लिए समय निकालना, संबंधों को निभाने के लिए बच्चों को प्रेरणादायक।
2. कहानी में अस्पताल के शांत-स्वच्छ वातावरण एवं नर्स के व्यवहार से एक सकारात्मक छवि उभरती है।
3. छोटे बच्चों के भोले विचारों का मनोविज्ञान हास्य उत्पन्न करता है।
4. कहानी की घटनाएँ उसे गत्यात्मकता प्रदान करती हैं।

5. बालसुलभ गतिविधियाँ–चंचलताएँ एवं कहानी के दृश्य विशिष्टता लिए हुए हैं।
6. हास्य-व्यंग्य और रोचक घटनाओं से युक्त रचना है।
7. सरल-सहज भाषा युक्त संपूर्ण कहानी बच्चों का मनोरंजन करने के साथ सबक भी देती प्रतीत होती है।

(ख) कहानी में से निम्नलिखित के लिए उदाहरण खोजकर लिखिए—

उत्तर:

विशेष बिंदु	कहानी में से उदाहरण
बच्चे द्वारा पिछली बातों को याद किया जाना	कितना मजा आता जब रिसेस में ठेले पर जाकर नमक-मिर्च लगे अमरूद खाते कटर-कटर।
हास्य यानी हँसी-मजाक का उपयोग किया जाना	पूछते तो मैं साबूदाने की खीर ही तो माँगता। कोई ताजमहल तो नहीं माँग लेता। लेकिन नहीं भूखे रहो! इससे सारे विकार निकल जाएँगे।
बच्चे द्वारा सोचने के तरीके में बदलाव आना	क्या मुसीबत है! पड़े रहो! आखिर कब तक कोई पड़ा रह सकता है। इससे तो स्कूल चला जाता तो ठीक रहता।
कहानी में किसी का किसी बात से अनजान होना	मुन्नू एक बार भी मुझे देखने नहीं आया। आया भी होगा तो दबे पाँव आया होगा और मुझे सोता जान लौट गया होगा।
बच्चे द्वारा स्वयं से बातें किया जाना	देखो! उन्होंने एक बार भी आकर नहीं पूछा कि तू क्या खाएगा? पूछते तो मैं साबूदाने की खीर ही तो माँगता। कोई ताजमहल तो नहीं माँग लेता।

समस्या और समाधान

कहानी को एक बार पुनः पढ़कर पता लगाइए—

(क) बच्चे के सामने क्या समस्या थी? उसने उस समस्या का क्या समाधान निकाला?
(ख) नानीजी-नानाजी के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने उस समस्या का क्या समाधान निकाला?

उत्तर: (क) बच्चे के सामने स्कूल का गृहकार्य न करने के कारण स्कूल न जाने तथा साबूदाने की खीर खाने की समस्या थी। बीमार पड़ जाने के माध्यम से उसने उस समस्या का समाधान निकाला।

(ख) नानीजी-नानाजी के सामने बच्चे की बीमारी की समस्या थी। उन्होंने बच्चे को दवाइयाँ देना तथा उसे भूखे पेट रखना ही समाधान निकाला।

शब्द से जुड़े शब्द

नीचे दिए गए स्थानों में 'बीमार' से जुड़े शब्द पाठ में से चुनकर लिखिए—

उत्तर:

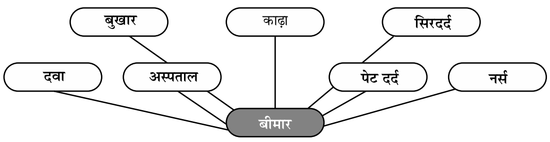

खोजबीन

कहानी में से वे वाक्य ढूँढ़कर लिखिए, जिनसे पता चलता है कि—
(क) कहानी में सर्दी के मौसम की घटनाएँ बताई गई हैं।
(ख) बच्चे को बहाना बनाने के परिणाम का आभास हो गया।
(ग) बच्चे को खाना-पीना बहुत प्रिय है।
(घ) बच्चे को स्कूल जाना अच्छा लगता है।

उत्तर : (क) ● मैं रजाई में से निकला ही नहीं। नानीजी उठाने आईं तो मैंने कहा, "मैं आज बीमार हूँ।"
● सब पर एक जैसी सफेद चादर और लाल कंबल।
● मैं रजाई में पड़ा-पड़ा घर में चल रही गतिविधियों का अनुमान लगाता रहा।
● नानाजी ने रजाई हटाकर मेरा माथा छुआ।
● जब रहा नहीं गया तो मैं रजाई फेंककर खड़ा हो गया।

(ख) ● क्या मुसीबत है! पड़े रहो! आखिर कब तक कोई पड़ा रह सकता है? इससे तो स्कूल चला जाता तो ही ठीक रहता। सजा मिलती तो मिल जाती।
● हे भगवान! यह तो अच्छी खासी बोरियत हो गई। पूरा दिन कोई कैसे लेटा रहे? और शाम को...। क्या शाम को भी नानाजी बाहर जाने देंगे? सारे बच्चे हल्ला मचाते हुए आँगन में खेल रहे होंगे और मैं बिस्तर में पड़ा झख मार रहा होऊँगा।

(ग) ● क्या ठाठ हैं बीमारों के भी। मैंने सोचा... ठाठ से साफ-सुथरे बिस्तर पर लेटे रहो और साबूदाने की खीर खाते रहो।
● कितना मजा आता जब रिसेस में ठेले पर जाकर नमक मिर्च लगे अमरूद खाते कटर-कटर।
● और आँख जरा लगती भी तो खाने ही खाने की चीजें दिखाई देतीं। गरमागरम खस्ता कचौड़ी... मावे की बर्फी.. ..बेसन की चिक्की... गोलगप्पे। और सबसे ऊपर साबूदाने की खीर।

● वो खाना खा रहे हैं। चबाने की आवाजें आ रही हैं। देखो! उन्होंने एक बार भी आकर नहीं पूछा कि तू क्या खाएगा? पूछते तो साबूदाने की खीर ही माँगता। कोई ताजमहल तो नहीं माँग लेता।

● ....आज क्या खाना बना होगा? खुशबू तो दाल-चावल की आ रही है। अरहर की दाल में हींग-जीरे का बघार और ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया और आधा चम्मच देशी घी। फिर उसमें उन्होंने नीबू निचोड़ा होगा। थोड़ा-सा इस बीमार को भी दे दे कोई।

● लेकिन खुशबू तो किसी और चीज की है। क्या हरी मिर्च तली गई है? उसे दाल-चावल में मसलकर खा रहे हैं।

(घ) ● इससे तो स्कूल चला जाता तो ही ठीक रहता। सजा मिलती तो मिल जाती।

शीर्षक

(क) आपने जो कहानी पढ़ी है, इसका नाम 'नहीं होना बीमार' है। अपने समूह में चर्चा करके लिखिए कि इस कहानी का यह नाम उपयुक्त है या नहीं। अपने उत्तर के कारण भी बताइए।

(ख) यदि आपको इस कहानी को कोई अन्य नाम देना हो तो क्या नाम देंगे? आपने यह नाम क्यों सोचा, यह भी बताइए।

उत्तरः (क) इस कहानी का यह शीर्षक उपयुक्त है। इसका कारण यह है कि इस कहानी में बच्चा बीमार नहीं था। बीमार होने का तो उसने बहाना बनाया था लेकिन अंत में उसने बीमार न होने का संकल्प लिया।

(ख) यदि मुझको इस कहानी को कोई अन्य नाम देना हो तो मैं इसे 'सबक' नाम दूँगा। मैंने यह नाम इसलिए सोचा कि इस कहानी में बच्चे को बीमारी का बहाना बनाने का सबक मिल गया था।

लेखन के अनोखे तरीके

मैं बिना आवाज किए दरवाजे तक गया और ऐसे झाँककर देखने लगा जिससे किसी को पता न चले कि मैं बिस्तर से उठ गया हूँ।

इस बात को कहानी में इस प्रकार विशेष रूप से लिखा गया है—

"दबे पाँव दरवाजे तक गया और चुपके से झाँककर देखा।"

इस कहानी में अनेक स्थानों पर वाक्यों को विशेष ढंग से लिखा गया है। साधारण बातों को कुछ अलग तरह से लिखने से लेखन की सुंदरता बढ़ सकती है।

नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। कहानी में ढूँढ़िए कि इन बातों को कैसे लिखा गया है—

1. ऐसा लगा मानो हमें देखकर सुधाकर काका खुश हो गए।
2. खिड़कियाँ बहुत बड़ी थीं और उनके बाहर हरे पेड़ हवा से हिल रहे थे।
3. वहाँ केवल लोगों के फुसफुसाने की आवाजें आ रही थीं।
4. फुसफुसाने की आवाजों के सिवा वहाँ कोई आवाज नहीं थी।
5. बीमार लोगों के बहुत मजे होते हैं।
6. मैं झूठमूठ बीमार पड़ जाता हूँ।

उत्तरः (1) हमें देखकर सुधाकर काका जैसे खुश हो गए।

(2) बड़ी-बड़ी खिड़कियों के पास हरे-हरे पेड़ झूम रहे थे।

(3) वहाँ भी केवल लोगों की फुसफुसाहट।

(4) बाकी एकदम शांति।

(5) क्या ठाठ हैं बीमारों के भी।

(6) चलो बीमार पड़ जाते हैं।

विराम चिह्न

''देखें!'' नानाजी ने रजाई हटाकर मेरा माथा छुआ। पेट देखा और नब्ज देखने लगे।

इस बीच नानीजी भी आ गईं। ''क्या हुआ'', नानीजी ने पूछा।

ऊपर दिए गए वाक्यों को ध्यान से देखिए। इन वाक्यों में आपको कुछ शब्दों से पहले या बाद में कुछ चिह्न दिखाई दे रहे हैं। इन्हें विराम चिह्न कहते हैं।

अपने समूह के साथ मिलकर नीचे दिए गए विराम चिह्न को कहानी में ढूँढ़िए। ध्यानपूर्वक देखकर समझिए कि इनका प्रयोग वाक्यों में कहाँ-कहाँ किया जाता है। आपने जो पता किया, उसे नीचे लिखिए—

विराम चिह्न		कहाँ प्रयोग किया जाता है
पूर्ण विराम	।	
अल्प विराम	,	
प्रश्नवाचक चिह्न	?	
विस्मयादिबोधक चिह्न	!	
उद्धरण चिह्न	‘‘ ’’	

आवश्यकता हो तो इस प्रश्न का उत्तर पता करने के लिए आप अपने परिजनों, शिक्षकों, पुस्तकालय या इंटरनेट की सहायता ले सकते हैं।

उत्तर : पूर्ण विराम (।) — सरल, संयुक्त, मिश्र सभी प्रकार के वाक्यों के अन्त में किया जाता है।

अल्प विराम (,) — जब वाक्य के बीच में अल्प (थोड़े) समय के लिए रुका जाता है तब अन्य विराम का प्रयोग करते हैं।

प्रश्नवाचक चिह्न (?) — संदेह तथा व्यंग्य का भाव प्रकट करने वाले शब्दों के बाद या प्रश्नावाचक वाक्य के अन्त में किया जाता है।

विस्मयादिबोधक (!) — भय, शोक, घृणा, हर्ष जैसे भावों को प्रकट करने के लिए।

उद्धरण चिह्न (‘‘ ’’) — इसका प्रयोग किसी के कथन को अक्षरश: उद्धृत करने के लिए किया जाता है।

कैसी होगी गली

‘‘मुझे बड़ी तेज इच्छा हुई कि इसी समय बाहर निकलकर दिन की रोशनी में अपनी गली की चहल-पहल देखूँ’’

आपने कहानी में बच्चे के घर के साथ वाली गली के बारे में बहुत-सी बातें पढ़ी हैं। उन बातों और अपनी कल्पना के आधार पर उस गली का एक चित्र बनाइए।

उत्तर— विद्यार्थी चित्र स्वयं बनाएँ।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) बच्चे ने अस्पताल के वातावरण का विस्तार से सुंदर वर्णन किया है। इसी प्रकार आप अपनी कक्षा का वर्णन कीजिए।

(ख) कहानी में बच्चे को घर में अकेले दिनभर लेटे रहना पड़ा था। क्या आप कभी कहीं अकेले रहे हैं? उस समय आपको कैसा लग रहा था? आपने क्या-क्या किया था?

(ग) कहानी में आम खाने वाले मुन्नू को देखकर बच्चे को ईर्ष्या हुई थी। क्या आपको कभी किसी से या किसी को आपसे ईर्ष्या हुई है? आपने तब क्या किया था ताकि यह भावना दूर हो जाए?

(घ) कहानी में नानाजी-नानीजी बच्चे का पूरा ध्यान रखने का प्रयास करते हैं। आपके घर और विद्यालय में आपका ध्यान कौन-कौन रखते हैं? कैसे?

(ङ) आप अपने परिजनों और मित्रों का ध्यान कैसे रखते हैं? क्या-क्या करते हैं या क्या-क्या नहीं करते हैं। ताकि उन्हें कम-से-कम परेशानी हो?

उत्तर: (क) विद्यार्थी अपनी-अपनी कक्षा का वर्णन स्वयं करें।

(ख) विद्यार्थी अपना अनुभव स्वयं लिखें।

(ग) विद्यार्थी अपनी-अपनी भावना स्वयं लिखें।

(घ) हमारे घर में माता-पिता, बड़े भाई-बहन तथा दादा-दादी हमारा खान-पान, स्वास्थ्य आदि का ध्यान रखते हैं। विद्यालय में हमारे अध्यापक एवं अध्यापिकाएँ हमारे पठन-पाठन, स्वास्थ्य आदि का पूरा ध्यान रखते हैं।

(ङ) हम अपने परिजनों और मित्रों का ध्यान उनकी सेवा, सहयोग आदि के माध्यम से रखते हैं। आवश्यकतानुसार अपने परिजनों एवं मित्रों के कार्यों में पूरी मदद करते हैं। कार्य करवाने में ना-नुकर या आनाकानी नहीं करते जिससे कि उन्हें कोई परेशानी न हो। माता-पिता एवं अन्य बड़ों की आज्ञा का पालन करते हैं।

बहाने

(क) कहानी में बच्चे ने बीमारी का बहाना बनाया ताकि उसे स्कूल न जाना पड़े। क्या आपने कभी किसी कारण से बहाना बनाया है? यदि हाँ, तो उसके बारे में बताइए। उस समय आपके मन में कौन-कौन से भाव आ-जा रहे थे? आप कैसा अनुभव कर रहे थे?

(ख) आमतौर पर बनाए जाने वाले बहानों की एक सूची बनाइए।

(ग) बहाने क्यों बनाने पड़ते हैं? बहाने न बनाने पड़ें, इसके लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं?

उत्तर: (क) विद्यार्थी अपने भाव एवं अनुभव स्वयं लिखें।

(ख) आमतौर पर बनाए जाने वाले बहानों की सूची इस प्रकार है—

(i) पेट दर्द, सिर दर्द अथवा किसी अन्य दर्द का बहाना।

(ii) किसी मेहमान एवं उनके बच्चों का घर पर आ जाने पर बहाना।

(iii) सर्दी-खाँसी-जुकाम-बुखार आदि का कोई-न-कोई बहाना।

(iv) माँ के कार्यों में सहयोग करने का बहाना।

(v) परिवार में किसी के बीमार हो जाने पर बहाना।

(ग) विद्यालय जाने से बचने अथवा किसी विषय आदि से बचने के लिए बहाने बनाने पड़ते हैं। बहाने न बनाने पड़ें, इसके लिए हम अपनी समस्या को सत्य रूप में सबको बता सकते हैं। पढ़ने-लिखने में लापरवाही तथा गलती करने से बचें। जिम्मेदार बनें तथा जो काम दिया गया है उसे समय से पूरा करें’’।

अनुमान

‘‘मैं रजाई में पड़ा-पड़ा घर में चल रही गतिविधियों का अनुमान लगाता रहा।’’

कहानी में बच्चे ने अनेक प्रकार के अनुमान लगाए हैं। क्या आपने कभी किसी अनदेखे व्यक्ति/वस्तु/पशु-पक्षी/स्थान आदि के विषय में अनुमान लगाए हैं? किसके बारे में? क्या? कब? विस्तार से बताइए।

(**संकेत—**जैसे पेड़ से आने वाली आवाज सुनकर किसी प्राणी का अनुमान लगाना; कहीं दूर रहने वाले किसी संबंधी/रिश्तेदार के विषय में सुनकर उसके संबंध में अनुमान लगाना।)

उत्तर: विद्यार्थी स्वयं करें।

घर का सामान

“बहुत ढूँढ़ा गया पर थर्मामीटर मिला ही नहीं। शायद कोई माँगकर ले गया था।”

कहानी में बच्चे के घर पर थर्मामीटर (तापमापी) खोजने पर वह मिल नहीं पाता। आमतौर पर हमारे घरों में कोई न कोई ऐसी वस्तु होती है जिसे खोजने पर भी वह नहीं मिलती, जिसे कोई माँगकर ले जाता है या हम जिसे किसी से माँगकर ले आते हैं। अपने घर को ध्यान में रखते हुए ऐसी वस्तुओं की सूची बनाइए—

उत्तर:

जो खोजने पर भी नहीं मिलती हैं	जो कोई माँगकर ले जाते हैं	जो आप किसी से माँगकर लाते हैं
सुई	खुरपी	सेंवई बनाने की मशीन
कैंची	फावड़ा	चिप्स बनाने की मशीन
रबर	प्लास	गुजिया बनाने का साँचा
टेप	कुर्सी	कुर्सी, चारपाई, डॉक्टर का नंबर

खान-पान और आप

(क) कहानी में सुधाकर काका को बीमार होने पर साबूदाने की खीर दी गई थी। आपके घर में किसी के बीमार होने पर उसे क्या-क्या खिलाया जाता है?

(ख) कहानी में बच्चे को बहुत-सी चीजें खाने का मन है। आपका क्या-क्या खाने का बहुत मन करता है?

(ग) कहानी में बच्चा सोचता है कि साबूदाने की खीर सिर्फ बीमारी या उपवास में क्यों मिलती है। आपके घर में ऐसा क्या-क्या है, जो केवल विशेष अवसरों या त्योहारों पर ही बनता है?

(घ) कहानी में बच्चा सोचता है कि अगर वह स्कूल जाता तो उसे ठेले पर नमक-मिर्च वाले अमरूद खाने को मिलते। आप अपने विद्यालय में क्या-क्या खाते-पीते हैं? विद्यालय में आपका रुचिकर भोजन क्या है?

(ङ) इस कहानी में भोजन से जुड़ी बच्चे की कई रोचक बातें बताई गई हैं। आपके बचपन की भोजन से जुड़ी कोई विशेष याद क्या है, जिसे आप अब भी याद करते हैं?

(च) कहानी में बच्चा भोजन की सुगंध से रजाई फेंककर रसोई में झाँकने लगा। क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि घर में किसी विशेष खाने की सुगंध से आप भी रसोई में जाकर तुरंत देखना चाहते हैं कि क्या पक रहा है? आपको किस-किस खाने की सुगंध सबसे अधिक पसंद है?

उत्तर : (क) हमारे घर में दादाजी के बीमार होने पर उन्हें दलिया, दाल, खिचड़ी, फल आदि सुपाच्य भोजन खिलाया जाता है।

(ख) हमारा मन रसगुल्ला, रबड़ी, घेबर आदि खाने को बहुत करता है।

(ग) हमारे घर में मावा भरी गुजिया, घेबर एवं कतली की मिठाई है जो केवल विशेष अवसरों या त्योहारों पर ही बनाते हैं।

(घ) मैं अपने विद्यालय में समोसा एवं पनीर की टिक्की खाता हूँ तथा कुल्लड़ में दूध पीता हूँ। विद्यालय में मेरा रुचिकर भोजन आलू-पनीर की टिक्की ही है।

(ङ) बचपन में मैं सूजी का हलवा बहुत खाता था। दादी माँ के हाथ से बना वह स्वादिष्ट हलवा मुझे आज भी याद आता है।

(च) हाँ, मेरे साथ भी कभी-कभी ऐसा होता है कि घर में किसी विशेष खाने की सुगंध से मैं भी रसोई में जाकर तुरंत देखना चाहता हूँ कि वहाँ क्या पक रहा है? मुझे टमाटर-आलू, गोभी-आलू की सब्जी तथा बघार लगे हुए बूँदी के रायते की सुगंध सबसे अधिक पसंद है।

(**नोट—** विद्यार्थी उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर अपनी रुचि एवं भाव के अनुकूल भी लिख सकते हैं।)

आज की पहेली

कहानी में आपने खाने-पीने की अनेक वस्तुओं के बारे में पढ़ा है। अब हम आपके सामने खाने-पीने की वस्तुओं या व्यंजनों से जुड़ी कुछ पहेलियाँ लाए हैं। इन्हें बूझिए और उत्तर लिखिए—

	पहेली	उत्तर
1.	रोटी जैसा होता है ये, पर आलू से भरा-भरा, घी-तेल साथी हैं इसके, दही-चटनी से हरा-भरा	आलू का पराठा
2.	दाल-चावल का मेल है यह तो, भारत भर में तुम इसे पाओ, दक्षिण में ये खूब है बनता, चटनी-सांभर संग-संग खाओ, गोल-तिकोना इसका आकार, गरम-गरम तुम इसे बनाओ, कौन-सा व्यंजन होता है यह, बोलो बोलो नाम बताओ।	मसाला-डोसा
3.	नाश्ते का यह बड़ा है खास, महाराष्ट्र में इसका वास, मिर्च-मसाले से भरपूर, संग बटाटा भी मशहूर, चटपटी चटनी लगी किसे? बूझो नाम तो खाएँ इसे!	बड़ा पाव

4.	बेसन से बने चौकोर या गोल, गुजरात में बड़ा है बोल। खाने में नर्म, पानी भरे, धनिया मिर्ची संग सजे।	ढोकला
5.	गोल-गोल पानी से भरके, चटनी सोंठ संग इसे खाओ उत्तर-दक्षिण पूरब-पश्चिम, गली-मुहल्लों में भी पाओ। खट्टी-मीठी, तीखी हाय, खाना तो इसे हर कोई चाहे!	गोलगप्पे (पड़ाके)
6.	हरे साग संग मुझको पाओ, मक्खन के संग मुझको खाओ। आटा मेरा हल्का पीला, स्वाद मेरा है बड़ा रंगीला।	मक्का की रोटी
7.	आग में पकती हूँ, सोंधा-सा स्वाद, साथ में खाओ चूरमा, बन जाए फिर बात, गरम दाल से मुझको प्यार, राजस्थान का मैं उपहार।	बाटी
8.	गोल-गोल और श्वेत रंग का रस से भरा हुआ हूँ खूब। मीठी दुनिया का महाराजा चाशनी मीठी डूब-डूब।	रसगुल्ला (छैना)

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सुधाकर काका नानी के कौन थे?
   (क) श्वसुर (ख) पड़ोसी
   (ग) दादा (घ) पिता ( )
2. नर्स किस रंग के कपड़े पहने थी?
   (क) लाल (ख) काले
   (ग) पीले (घ) सफेद ( )
3. पाठ में किसके ठाठ की बात कही है—
   (क) धनवानों के (ख) बलवानों के
   (ग) बीमारों के (घ) रूपवानों के ( )
4. नहाकर बाहर कौन निकला था?
   (क) छोटे मामा (ख) मौसी
   (ग) नानी (घ) मामी ( )
5. बच्चा क्या न माँगने की बात कहता है?
   (क) ताजमहल (ख) खीर
   (ग) चॉकलेट (घ) ये सभी ( )

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (घ), **3.** (ग), **4.** (क), **5.** (क)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. .... जाने का यह मेरा पहला अवसर था।
2. मेरे सिर में .... हो रहा है।
3. "............... लगाकर देखिए।" मैंने कहा।
4. इससे तो .... चला जाता तो ही ठीक रहता।
5. लेकिन .... तो किसी और चीज की है।

उत्तर: **1.** अस्पताल, **2.** दर्द, **3.** थर्मामीटर, **4.** स्कूल, **5.** खुशबू।

सत्य/असत्य

1. एक दिन नानीजी अपने मामा सुधाकर काका को देखने गईं। ( )
2. अब कुसुम मौसी रोज की तरह नाश्ता छोड़कर ट्रेन पकड़ने भागीं। ( )
3. मैं पता नहीं कब पानी में गुडुप हो गया। ( )
4. खाना चबाने की आवाजें आ रही हैं। ( )
5. भूखा रहने से सारे विकार निकल जाएँगे। ( )

उत्तर: **1.** असत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. सुधाकर काका	**(क)** टेलीफोन के तार
2. चंदूभाई	**(ख)** पड़ोसी
3. तेजराम	**(ग)** ड्राइक्लीनर
4. महेश घी सेंटर	**(घ)** दुकानदार
5. चिड़ियाँ	**(ङ)** मलाई का भगोना

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (ग), **3.** (घ), **4.** (ङ), **5.** (क)।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. नानीजी के पड़ोसी कौन थे?

उत्तर: सुधाकर काका नानाजी के पड़ोसी थे।

2. नर्स ने किसको दवा खिलाई?

उत्तर: सुधाकर काका को नर्स ने दवा खिलाई।

3. बीमार पड़ने के विषय में कौन सोचता है?

उत्तर: बच्चा सोचता है।

4. मौसी का नाम क्या था?

उत्तर: मौसी का कुसुम नाम था।

5. बच्चे को घर में खटर-पटर से क्या अंदाजा हुआ?

उत्तर: मुन्नू के स्कूल से आने का अंदाजा हो गया हुआ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अस्पताल के वार्ड के विषय में बताइए।

उत्तर: अस्पताल के वार्ड में कई एक जैसे पलंग लाइन से लगे थे। सब पर एक जैसी चादर और लाल कंबल थे। वार्ड की दीवारें सफेद तथा छत ऊँची थी।

2. बीमार काका को देखकर बच्चा क्या सोचता है?

उत्तर: बच्चा सोचता है कि ठाठ हैं बीमारों के भी। ठाठ से साफ-सुथरे बिस्तर पर लेटे रहो और साबूदाने की खीर खाते रहो।

3. नानाजी ने बच्चे के ऊपर से रजाई हटाकर क्या किया?

उत्तर: नानाजी ने बच्चे के ऊपर से रजाई हटाकर उसका माथा छुआ, पेट देखा और नब्ज देखने लगे।

4. कहानी के अन्त में बच्चा किसका बहाना न बनाने की सोचता है?

उत्तर: कहानी के अन्त में बच्चा स्कूल से छुट्टी मारने के लिए कभी भी बीमारी का बहाना न बनाने की सोचता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक ने नर्स के विषय में पाठ में क्या लिखा है?

उत्तर: लेखक ने नर्स के विषय में पाठ में लिखा है कि वार्ड में सफेद कपड़े पहनकर एक नर्स आई। उसने हमारी नानीजी को देखकर अभिवादन की मुद्रा में अपना सिर हिलाया और काका को दवा खिलाई। नानीजी काका के लिए साबूदाने की खीर बनाकर लाई थीं। उन्होंने खीर खिलाने के विषय में नर्स से पूछा तो वह 'हाँ' कहकर चली गई।

2. आँख खुलने पर बच्चा गली में क्या देखना चाहता था?

उत्तर: आँख खुलने पर बच्चा गली में देखना चाहता था कि चंदूभाई ड्राइक्लीनर क्या कर रहे हैं? तेजराम की दुकान पर कितने ग्राहक बैठे हैं? महेश घी सेंटर ने मलाई का भगोना आँच पर चढ़ाया या नहीं और टेलीफोन के तारों पर कितनी चिड़ियाँ बैठी हैं?

6 गिरिधर कविराय की कुंडलिया

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

आइए, अब हम इन कुंडलियों पर विस्तार से चर्चा करें। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

मेरी समझ से

(क) पाठ के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. "बिना बिचारे" काम करने के क्या परिणाम होते हैं?
- दूसरों से प्रशंसा मिलती है।
- मन में शांति बनी रहती है।
- अपना काम बिगड़ जाता है।
- खान-पान सम्मान मिलता है।

उत्तर—अपना काम बिगड़ जाता है।

2. "चित्त में चैन" न पा सकने का मुख्य कारण क्या है?

- प्रयास करने पर भी टाला न जा सकने वाला दुख
- बिना सोचे-समझे किए गए कार्य की असफलता
- खान-पान, सम्मान और राग-रंग का अभाव
- दुनिया द्वारा की जाने वाली निंदा और उपहास

उत्तर– ● प्रयास करने पर भी टाला न जा सकने वाला दुख ● बिना सोचे-समझे किए गए कार्य की असफलता के

3. "बीती ताहि बिसारि दे आगे की सुधि लेइ" पंक्ति द्वारा कौन-सी सलाह दी गई है?

- भविष्य की सफलता के लिए अतीत की गलतियों से सीखने की।
- अतीत की असफलताओं को भूलकर भविष्य पर ध्यान देने की।
- अतीत और भविष्य दोनों घटनाओं को समान रूप से याद रखने की।
- अतीत और भविष्य दोनों को भूलकर केवल वर्तमान में जीने की।

उत्तर–अतीत की असफलताओं को भूलकर भविष्य पर ध्यान देने की।

4. "जो बनि आवै सहज में ताही में चित देइ" पंक्ति का क्या अर्थ है?

- हमें कठिनाइयों और चुनौतियों से बचना चाहिए।
- हमें आराम की तलाश करने में मन लगाना चाहिए।
- हमें असंभव और कठिन कार्यों पर ध्यान देना चाहिए।
- हमें सहज जीवन पर ध्यान देना चाहिए।

उत्तर– हमें सहज जीवन पर ध्यान देना चाहिए।

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुनें?

उत्तर– उत्तर चुनने के कारण- 1. बिना विचार किए काम करने पर हमारा काम ही बिगड़ जाता है। 2. जब भी हम किसी कार्य को बिना सोचे-समझे करते हैं तो हमें उस कार्य में असफलता झेलनी पड़ती है और हमारा मन उस कार्य के परिणामों को लेकर अशांत हो जाता है। अंततः वह एक ऐसा दुख हो जाता है जो प्रयास करने पर भी दूर नहीं होता है। 3. जब तक हम अतीत की बातें, घटनाओं में उलझे रहेंगे, तब तक हम आगे नहीं बढ़ पायेंगे। जो हमें परेशान करती रहेंगी। अतः हमें अतीत की असफलताओं को भुलाकर वर्तमान पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य को बेहतर बना सकें। 4. हमें सहज रूप से अपने जीवन को जीना चाहिए क्योंकि यही हमारे जीवन की शांति का आधार है।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए—

(क) "बिना बिचारे जो करै सो पाछे पछिताय।
काम बिगारै आपनो जग में होत हँसाय।।"

(ख) ''बीती ताहि बिसारि दे आगे की सुधि लेइ।
जो बनि आवै सहज में ताही में चित देइ।।''

उत्तर– (क) जो व्यक्ति बिना सोचे-समझे कोई काम करता है उसे बाद में पछताना पड़ता है। ऐसा व्यक्ति अपना काम बिगाड़ने के साथ-साथ समाज में हँसी का पात्र भी बन जाता है अर्थात् लोग काम बिगड़ जाने पर उसकी हँसी उड़ाते हैं।

(ख) इन पंक्तियों में कवि ने बताया है कि जो बातें बीत गईं अर्थात् भूतकाल में चली गयीं उन्हें भुलाकर भविष्य की बातें पर ध्यान देना चाहिए। जो भी कार्य अथवा बात सरलतापूर्वक बन जाये उसी में मन लगाना चाहिए।

मिलकर करें मिलान

नीचे स्तंभ 1 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं, उनसे संबंधित अर्थ वाली स्तंभ 2 की पंक्तियों से उनका मिलान कीजिए—

	स्तंभ-1		स्तंभ-2
1.	जग में होत हँसाय चित्त में चैन न पावै। खान पान सन्मान राग रंग मनहिं न भावै।।	1.	जो कार्य बिना विचार किए किया जाता है, वह लंबे समय तक मन में खटकता रहता है और उसकी पीड़ा से छुटकारा पाना मुश्किल होता है।
2.	कह गिरिधर कविराय दुख कछु टरत न टारे। खटकत है जिय माहिं कियो जो बिना बिचारे।।	2.	बिना विचार के किए गए कार्य के कारण मन अशांत रहता है। अच्छा खान-पान, सम्मान या जीवन की खुशियाँ भी उस व्यक्ति को सुख नहीं दे पातीं।
3.	ताही में चित देइ बात जोई बनि आवै। दुर्जन हँसै न कोइ चित्त में खता न पावै।	3.	अपने मन को इस बात पर विश्वास करना सिखाओ कि भविष्य की खुशी को समझते हुए अतीत के दुखों को भुलाकर आगे बढ़ना चाहिए।
4.	कर गिरिधर कविराय यहै करु मन परतीती। आगे को सुख होई समुझि बीती सो बीती।	4.	ऐसे कार्य कीजिए कि किसी बुरे व्यक्ति को हँसने का मौका न मिले और मन में किसी प्रकार का दोष या अपराधबोध न हो।

उत्तरः **1.** (2), **2.** (1), **3.** (4), **4.** (3)।

सोच-विचार के लिए

पाठ को एक बार पुनः पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) "बिना बिचारे जो करै सो पाछे पछिताय।"
कविता में बिना विचार किए कार्य करने के क्या नुकसान बताए गए हैं?

(ख) "बिना बिचारे जो करै सो पाछे पछिताय।"
कुंडलिया में जो बातें सैंकड़ों साल पहले कही गई थीं, क्या वे आपके लिए भी उपयोगी हैं? कैसे? उदाहरण देकर समझाइए।

(ग) ''खान पान सन्मान राग रंग मनहिं न भावै।।''
इस पंक्ति में रेखांकित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से देखकर लिखिए। प्रत्येक के लिए एक-एक उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर— (क) कविता में बिना विचार किए कार्य करने से निम्नलिखित नुकसान बताए गए हैं —
(i) पीछे पछतावा करना पड़ता है।
(ii) व्यक्ति अपना काम बिगाड़ लेता है।
(iii) समाज में व्यक्ति हँसी का पात्र बन जाता है।
(iv) वह अपने चित्त में चैन (शांति) नहीं पाता है।
(v) खान-पान, राग-रंग आदि मन को अच्छे नहीं लगते।
(vi) असफल हुआ कार्य मन में खटकता रहता है।

(ख) हाँ, इस कुंडलिया में जो बातें सैकड़ों साल पहले कही गई थीं वे आज भी हमारे लिए उपयोगी हैं। आज भी हम बिचार किए बिना कोई कार्य जल्दबाजी में करते हैं तो निश्चित ही उसमें असफलता मिलती है। ऐसा होने पर हमें समाज में हँसी का पात्र बनना पड़ता है। जैसे— घर में बिजली खराब होने पर कोई स्वयं बिजली को ठीक करता है परन्तु जल्दी करने के चक्कर में वह बिजली से चिपक जाता है तथा अस्वस्थ हो जाता है। ऐसा होने पर बाद में सामाजिक लोग भी हँसी उड़ाते हैं।

(ग) सन्मान — सम्मान, आदर, प्रतिष्ठा।
- हमें बड़ों का सम्मान करना चाहिए।

मनहिं— मन।
- हमें माता-पिता को अपने मन की बात बतानी चाहिए।

भावै—रुचिकर है या अच्छा लगना।
- अपर्णा को आम बहुत भाता है।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए—

(क) आपने पढ़ा है कि "बिना बिचारे जो करै सो पाछे पछिताय...।" कल्पना कीजिए कि आपके एक मित्र ने बिना सोचे-समझे एक बड़ा निर्णय लिया है। वह निर्णय क्या था और उसका क्या प्रभाव पड़ा? इसके बारे में एक रोचक कहानी अपने साथियों के साथ मिलकर बनाइए और कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

(ख) कल्पना कीजिए कि ''बीती ताहि बिसारि दे आगे की सुधि लेइ...।'' कविता निम्नलिखित के लिए लिखी गई है—

। आप	। आपका कोई सहपाठी
। आपका कोई परिजन	। आपके कोई शिक्षक
। कोई पक्षी	। कोई पशु

इनकी कौन-कौन सी समस्याएँ होंगी? यह कविता उन्हें कैसे प्रेरित करेगी?

(ग) कल्पना कीजिए कि आप एक ऐसे व्यक्ति से मिले हैं, जो हमेशा बीती बातों में खोया रहता है। आप उसे समझाने के लिए क्या-क्या कहेंगे?

उत्तर: (क) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ख) यह कविता निम्नलिखित पात्रों को प्रेरणा देती है—
- मैं समस्या — गर्म दूध में जलना।

प्रेरणा — कविता बताती है- आगे के लिए सतर्क रहना।
- सहपाठी समस्या — पिछली परीक्षा में असफलता।

प्रेरणा — पुरानी असफलता को भूलकर अगली परीक्षा की तैयारी।
- परिजन (दादी)

समस्या — नई पीढ़ी से तालमेल बिठाने में परेशानी।
प्रेरणा — बीती बातें भूलकर आज के परिवेश को संस्कार बाँटना।
- शिक्षक

समस्या — आज के बच्चों को पढ़ाना।
प्रेरणा — बीता शिक्षा पद्धति को भूलाकर नवीन शिक्षा पद्धति को अपनाना।
- पक्षी

समस्या — घोंसला उजड़ जाना।
प्रेरणा — बीती बातें भूलकर पुनः घोंसला बनाना।
- पशु

समस्या — पहले मालिक द्वारा बेच देना।
प्रेरणा — अब जो मालिक देखभाल कर रहा है, उसी के साथ वफादारी दिखाना।

(ग) हम उसे समझाने के लिए निम्नलिखित बातें कहेंगे—
(i) बीती बातों को भूलकर वर्तमान को अच्छा बनाओ।
(ii) योग-प्राणायाम प्रतिदिन करो। बीते हुए पर सोच मत करो।
(iii) मन में बीती हुई नकारात्मक बातें आने पर कोई रचनात्मक कार्य प्रारम्भ कर दो।
(iv) ईश्वर जो करता है उसमें कोई-न-कोई भलाई छिपी होती है। आगे भी ईश्वर जो करेगा अच्छा ही करेगा।

शब्द से जुड़े शब्द

नीचे दिए गए स्थानों में 'चित्त' या 'मन' से जुड़े शब्द पाठ में से चुनकर लिखिए—

उत्तर:

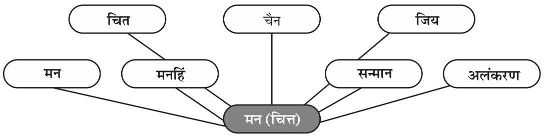

कविता की रचना

''बिना बिचारे जो करै सो पाछे पछिताय। काम बिगारे आपनो जग में होत हँसाय।।''

''बीती ताहि बिसारि दे आगे की सुधि लेइ। जो बनि आवै सहज में ताही में चित देइ।।''

इन पंक्तियों को लय के साथ बोलकर देखिए। इन्हें बोलने में बराबर समय लगा या अलग? आपने ध्यान दिया होगा कि इन पंक्तियों को बोलने में बराबर समय लगता है। इस कारण इन कुंडलियों की सुंदरता बढ़ गई है।

आप ध्यान देंगे तो इन कुंडलियों में आपको ऐसी अनेक विशेषताएँ दिखाई देंगी। जैसे प्रत्येक कुंडलिया का पहला या दूसरा शब्द उसका अंतिम शब्द भी है। दो-दो पंक्तियों में बातें कही गई हैं। कुंडलिया पढ़ते हुए ऐसा लगता है मानो कोई हमसे संवाद या बातचीत कर रहा है आदि। कुछ विशेषताएँ आपको दोनों कुंडलियों में दिखाई देंगी, कुछ विशेषताएँ दोनों में से किसी एक में दिखाई देंगी।

(क) अब आप पाठ में दी गई दोनों कुंडलियों को ध्यान से देखिए और अपने-अपने समूह में मिलकर इनकी विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

	जो विशेषताएँ दोनों कुंडलियों में हैं		जो विशेषताएँ किसी एक कुंडलिया में हैं
1.	संदेश तथा उपदेशपरक भाव	1.	सोच-विचार किए बिना कार्य करने पर पछतावा।
2.	मानव व्यवहार पर उपदेश	2.	अतीत को छोड़कर भविष्य पर ध्यान देना।

(ख) नीचे एक स्तंभ में कविता की पंक्तियों की कुछ विशेषताएँ दी गई हैं और उनसे संबंधित पंक्तियाँ दूसरे स्तंभ में दी गई हैं। कविता की विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए—

	कविता की विशेषताएँ		कविता की पंक्तियाँ
1.	पंक्ति के अंतिम शब्द की ध्वनि आपस में मिलती-जुलती है।	1.	कह गिरिधर कविराय यहै करु मन परतीती।
2.	कवि के नाम का उल्लेख किया गया है।	2.	ताही में चित देइ बात जोई बनि आवै। दुर्जन हँसै न कोई चित्त में खता न पावै।।
3.	एक-दूसरे के विपरीत विचार एक साथ आए हैं।	3.	बिना बिचारे जो करै सो पाछे पछिताय।
4.	एक ही वर्ण से शुरू होने वाले एक से अधिक शब्द एक ही पंक्ति में आए हैं।	4.	बीती ताहि बिसारि दे आगे की सुधि लेइ।

(**संकेत**—आप कविता की पंक्तियों में कुछ और विशेषताएँ भी खोज सकते हैं।)

उत्तर: **1.** (2), **2.** (1), **3.** (4), **4.** (3)।

काल से जुड़े शब्द

''बीती ताहि बिसारि दे आगे की सुधि लेइ।''

इस वाक्य में 'बीती' शब्द अतीत यानी 'भूतकाल' के कार्यों को व्यक्त कर रहा है और 'आगे' शब्द 'भविष्य' के कार्यों को व्यक्त कर रहा है। इसी प्रकार 'वर्तमान' समय में होने वाले कार्यों को 'आज- जैसे शब्दों से व्यक्त किया जा सकता है। रोचक बात यह है कि अनेक शब्दों का प्रयोग बीते हुए समय, आने वाले समय और वर्तमान समय को बताने वाले, तीनों प्रकार के वाक्यों में किया जा सकता है।

(क) नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इनका प्रयोग करते हुए तीनों प्रकार के 'काल' व्यक्त करने वाले तीन-तीन वाक्य बनाइए—

भूतकाल	वर्तमान काल	भविष्य काल
कल	आज	कल
परसों	अभी-अभी	परसों
पहले	अब	अगले दिन/साल/महीने
पिछला	हमेशा	आगामी (आने वाले समय में)
बीते हुए	आजकल	जल्दी ही

(ख) आपने जो वाक्य बनाए हैं, उन्हें ध्यान से देखिए। पहचानिए कि इन वाक्यों में किन शब्दों से पता चल रहा है कि वाक्य में कार्य भूतकाल में हुआ, वर्तमान काल में हुआ है या भविष्य काल में होगा? वाक्यों में उन शब्दों को रेखांकित कीजिए।

उत्तर: मैं कल स्कूल गया था। (भूतकाल)
मैं आज स्कूल जा रहा हूँ। (वर्तमान काल)
मैं कल स्कूल जाऊँगा। (भविष्य काल)
रमेश परसों बाजार गया था। (भूतकाल)

रमेश अभी-अभी बाजार जा रहा है। (वर्तमान काल)
रमेश परसों बाजार जाएगा। (भविष्य काल)
मेरे पिता पहले आगरा में रहते थे। (भूतकाल)
मेरे पिता अब दिल्ली में रहते हैं। वर्तमान काल)
अगले महीने मेरे पिता कानपुर चले जाएँगे। (भविष्य काल)
मैंने दुकान का पिछला हिसाब कर दिया था। (भूतकाल)
मैं दुकान का हिसाब हमेशा साफ रखता हूँ। (वर्तमान काल)
मैं दुकान का हिसाब आगामी महीने में भी साफ रखूँगा। (भविष्य काल)
मैं बीते हुए कार्यों पर ध्यान नहीं देता था। (भूतकाल)
रीनू आजकल समय से विद्यालय जाती है। (वर्तमान काल)
हमारा परीक्षाफल जल्दी ही घोषित होगा। (भविष्य काल)

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) ''खटकत है जिय माहिं कियो जो बिना बिचारे।।'' का अर्थ है 'बिना सोचे किए गए कार्य मन में चुभते रहते हैं।' क्या आपने कभी ऐसा अनुभव किया है? उस घटना को साझा कीजिए।

(ख) ''बीती ताहि बिसारि दे आगे की सुधि लेइ।'' का अर्थ है 'अतीत को भूलना और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए।' क्या आप इस बात से सहमत हैं? क्यों? उदाहरण देकर समझाइए।

(ग) पाठ में दी गई दोनों कुंडलियों के आधार पर आप अपने जीवन में कौन-कौन से बदलाव लाना चाहेंगे?

(घ) ''खान पान सन्मान राग रंग मनहिं न भावै।।''
इस पंक्ति में खान-पान, सम्मान और राग-रंग अच्छा न लगने की बात की गई है। आप इसमें से किसे सबसे आवश्यक मानते हैं? अपने उत्तर के कारण भी बताइए।

उत्तर: (क) हाँ, मैंने ऐसा अनुभव किया है। एक बार मैंने अपनी छोटी बहन को किसी बात को लेकर भला-बुरा कह दिया था। बाद में मुझे इस बात का बहुत ही पश्चाताप हुआ। वह बात घुन की तरह मेरे मन में चुभती रही। कवि ने इस विषय में उचित ही लिखा है।

(ख) हाँ, हम इस बात से सहमत हैं क्योंकि अतीत की बातें सोचने से मन को पीड़ा ही पहुँचती है। एक बार हमारे पड़ोसी चाचाजी ने मिठाई की दुकान खोली। उसमें उन्हें बहुत घाटा हो गया तथा अन्त में दुकान भी बंद करनी पड़ी। वे घाटा होने की चिंता में डूबे रहते थे। मैंने उन्हें समझाया कि चाचाजी आप अतीत को भूलकर भविष्य पर ध्यान दीजिए तभी चिंता रहित हो सकते हैं। उन्होंने ऐसा ही किया और सुखी रहने लगे।

(ग) पाठ में दी गईं दोनों कुंडलियों के आधार पर हम अपने जीवन में निम्नलिखित बदलाव लाना चाहेंगे—

(i) कोई भी कार्य विचार करने के बाद ही करेंगे।

(ii) सोच-समझकर बोलेंगे।

(iii) बीती हुई बातों पर ध्यान न देकर भविष्य की चिंता करेंगे।

(iv) जीवन में जो वस्तु आदि आसानी से प्राप्त हो जाये उसी में संतोष करेंगे।

(v) ईश्वर पर पूरा विश्वास रखेंगे।

(घ) हम इनमें से सम्मान को सबसे आवश्यक मानते हैं। इसका कारण यह है सब व्यक्ति को समाज में या अपने मन में खुद के प्रति सम्मान नहीं तो वह किसी भी आनंद नहीं ले सकता।

सोच-समझकर

''बिना बिचारे जो करै सो पाछे पछिताय।'''

(क) आज के समय में कुछ लोग जल्दी में कार्य कर देते हैं या जल्दी में निर्णय ले लेते हैं। कुछ ऐसी स्थितियाँ बताइए जहाँ जल्दबाजी में निर्णय लेना या कार्य करना हानिकारक हो सकता है।

उत्तर– जहाँ जल्दबाजी में निर्णय लेना या कार्य करना हानिकारक हो सकता है, ऐसी स्थितियाँ निम्नवत् हैं—

(i) ड्राइविंग करते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जल्दबाजी में दुर्घटना हो जाती है।

(ii) जल्दबाजी में परीक्षा के उत्तर लिखना भी हानिकारक होता है। उत्तर गलत हो जाने पर अंक कट जाते हैं। सदैव सोच-समझकर ही उत्तर लिखना चाहिए।

(iii) जल्दबाजी में किसी पर पूरा भरोसा भी नहीं करना चाहिए, ऐसा करने से कभी-कभी बहुत हानि उठानी पड़ती है। संसार के सभी लोग एक जैसे नहीं होते।

(iv) जल्दबाजी में डॉक्टर की सलाह के बिना दवाइयाँ खा लेना भी हानिकारक हो जाता है।

आज की पहेली

''खान पान सन्मान''

इस पंक्ति के तीनों शब्दों में केवल एक मात्रा का बार-बार उपयोग किया गया है। (आ की मात्रा) ऐसे ही दो वाक्य नीचे दिए गए हैं जिसमें केवल एक मात्रा का उपयोग किया गया है—

नीली नदी धीमी थी।
चींटी चीनी जीम गई।

अब आप इसी प्रकार के वाक्य अलग-अलग मात्राओं के लिए बनाइए। ध्यान रहे, आपके वाक्यों का कोई न कोई अर्थ होना चाहिए। आप एक वाक्य में केवल एक मात्रा को बार-बार या बिना मात्रा वाले शब्दों का ही उपयोग कर सकते हैं।

उत्तर:

मात्रा	वाक्य
आ	माता ताला लगा।
इ	सिमरन मिलकर गिन।
ई	चीटी चीनी खाती।
उ	सुबह-सुबह उठकर मुख धुल।
ऊ	खूब मजबूत ऊन।
ऋ	कृषक कृतज्ञ बन।
ए	नेहा देख-देखकर पढ़ेगी।
ऐ	वैभव सैर कर।
ओ	अनमोल दोपहर तक पढ़ो।
औ	गौरी चौखट से दौड़ी।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बिना विचारे कार्य करने वाला क्या करता है?
   (क) पछताता है (ख) प्रसन्न होता है
   (ग) काम बनाता है
   (घ) इनमें से कोई नहीं ( )
2. बिना विचारे कार्य करने वाले के मन को क्या नहीं भाता है?
   (क) खान-पान (ख) सन्मान
   (ग) राग-रंग (घ) ये सभी ( )
3. कवि क्या बिसार देने की बात कहता है?
   (क) बीती बातों को
   (ख) सुख की घड़ी को
   (ग) नातेदारों को
   (घ) पड़ोसियों को ( )
4. 'हँसै न कोइ' कथन किसके लिए है?
   (क) सज्जन के लिए (ख) दुर्जन के लिए
   (ग) (क) तथा (ख)
   (घ) स्वयं के लिए ( )
5. इस पाठ के रचनाकार कौन हैं?
   (क) कबीरदास (ख) सूरदास
   (ग) तुलसीदास
   (घ) गिरिधर कविराय ( )

उत्तर: **1.** (क), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (ख), **5.** (घ)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. काम बिगारे .... जग में होत हँसाय।
2. खान पान .... राग रंग मनहि न भावै।
3. खटकत है .... माहिं कियो जो बिना बिचारे।
4. ताही में चित देइ .... जोई बनि आवै।
5. दुर्जन हँसै न कोइ .... में खता न पावै।

उत्तर: **1.** आपनो, **2.** सन्मान, **3.** जिय, **4.** बात, **5.** चित्त।

सत्य/असत्य

1. जो विचार करके कार्य करता है वह पीछे पछताता है। ( )
2. हँसी का पात्र व्यक्ति चित्त में चैन पा लेता है। ( )
3. बिना बिचारे कार्य करने पर मन में खटकता रहता है। ( )
4. अतीत की बात भूलकर भविष्य की चिंता करनी चाहिए। ( )
5. बीती बातों को भूलना ही उचित है। ( )

उत्तर: **1.** असत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. सो पाछे	(क) पावै
2. जग में होत	(ख) पछिताय
3. चित्त में चैन	(ग) हँसाय
4. राग रंग मनहिं	(घ) न पावै
5. चित्त में खता न	(ङ) न भावै

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (ग), **3.** (घ), **4.** (ङ), **5.** (क)।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. पीछे कौन पछताता है?

उत्तर: विचार किए बिना कार्य करने वाला पीछे पछताता है।

2. अपने चित्त में चैन कौन नहीं पाता है?

उत्तर: सोच-समझकर कार्य न करने वाला अपने चित्त में चैन नहीं पाता है।

3. 'टरत न टारे' किसके लिए कहा गया है?

उत्तर: दु:ख के लिए कहा गया है।

4. कवि किसकी सुधि लेने हेतु कहता है?

उत्तर: कवि आगे (भविष्य) की सुधि लेने हेतु कहता है।

5. चित्त में क्या न पाने की बात कही गई है?

उत्तर: खता एवं चैन चित्त न पाने की बात कही गई है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बाद में कौन पछताता है?

उत्तर: बिना बिचारे कार्य करने वाला व्यक्ति बाद में पछताता है।

2. दुर्जन क्या करते हैं?

उत्तर: दुर्जन व्यक्ति सोच-विचारकर कार्य न करने पर कार्य बिगड़ जाने वाले व्यक्ति की हँसी उड़ाते हैं।

3. 'बीती सो बीती' से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर: 'बीती सो बीती' से कवि का तात्पर्य है कि अतीत को भूलकर भविष्य की सोचनी चाहिए।

4. क्या केवल सहज कार्यों को करना ही उचित है?

उत्तर: हाँ, केवल सहज कार्यों को करना ही उचित है क्योंकि सहज कार्यों को करने से मन को शांति मिलती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. 'जग में होत हँसाय' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर: इस पंक्ति के माध्यम से कवि यह कहना चाहता है कि बिना बिचार किए जब हम कोई कार्य करते हैं तथा कार्य बिगड़ जाता है तो संसार के लोग हमारी हँसी उड़ाते हैं। लोग स्वयं के नुकसान का कार्य करने वाले व्यक्ति को मूर्ख समझते हैं। हँसी उड़ने पर व्यक्ति के मन का चैन (सुख) गायब हो जाता है। उसे कुछ भी अच्छा नहीं लगता है।

2. 'बीती ताहि बिसारि दे' इस दूसरी कुंडलिया के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर: दूसरी कुंडलिया के माध्यम से कवि हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि अतीत की बातों को भूलकर भविष्य की चिंता करनी चाहिए। जो कार्य सरलता से पूरा हो जाये उसी में मन लगाना चाहिए। जब हम ऐसा करेंगे तो कोई भी दुष्ट व्यक्ति हमारी हँसी नहीं उड़ा पाएगा तथा हमारे मन में भी गलती करने के लिए पछतावा नहीं रहेगा।

अर्थात् अतीत की बातों को भूलकर भविष्य की बातों पर ध्यान देंगे तो हमारे मन में किसी प्रकार का दु:ख नहीं रहेगा।

7 वर्षा-बहार

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

आइए, अब हम इस कविता पर विस्तार से चर्चा करें। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. इस कविता में वर्षा ऋतु का कौन-सा भाव मुख्य रूप से उभर कर आता है?

- दुख और निराशा
- आनंद और प्रसन्नता
- भय और चिंता
- क्रोध और विरोध

उत्तर– आनंद और प्रसन्नता

2. ''नभ में छटा अनूठी'' और ''घनघोर छा रही है'' पंक्तियों का उपयोग वर्षा ऋतु के किस दृश्य को व्यक्त करने के लिए किया गया है?

- बादलों के घिरने का दृश्य
- बिजली के गिरने का दृश्य
- ठंडी हवा के बहने का दृश्य
- आमोद छा जाने का दृश्य

उत्तर– बादलों के घिरने का दृश्य।

3. कविता में वर्षा को 'अनोखी बहार' कहा गया है, क्योंकि–

- कवि वर्षा को विशेष ऋतु मानता है।
- वर्षा में सभी जीव-जंतु सक्रिय हो जाते हैं।
- वर्षा सबके लिए सुख और संतोष लाती है।

● वर्षा एक अद्‌भुत अनोखी प्राकृतिक घटना है।
उत्तर— ● वर्षा में सभी जीव-जंतु सक्रिय हो जाते हैं।
● वर्षा सबके लिए सुख और संतोष लाती है।

4. ''सारे जगत की शोभा'' निर्भर है इसके ऊपर'' इस पंक्ति का क्या अर्थ है?
● प्रकृति में सभी जीव-जंतु एक-दूसरे पर निर्भर हैं।
● वर्षा पृथ्वी पर हरियाली और जीवन का मुख्य स्रोत है।
● बादलों की सुंदरता से ही पृथ्वी की शोभा बढ़ती है।
● हमें वर्षा ऋतु से जगत की भलाई की प्रेरणा लेनी चाहिए।
उत्तर— ● वर्षा पृथ्वी पर हरियाली और जीवन का मुख्य स्रोत है।
● हमें वर्षा ऋतु से जगत् की भलाई की प्रेरणा लेनी चाहिए।

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर— उत्तर चुनने के कारण— 1. कविता में वर्षा ऋतु में आनंद और प्रसन्नता का भाव मुख्य रूप से उभर कर आया है। वर्षा होने पर प्रकृति में चारों ओर प्रसन्नता और आनंद छा जाता है। सभी जीव-जंतु प्रसन्न दिखाई देते हैं। 2. वर्षा ऋतु में बादल घिर आते हैं। आकाश में अनोखी छटा छा जाती है। 3. वर्षा सबके लिए सुख और संतोष लाती है। वर्षा ऋतु में सभी जीव-जंतु सक्रिय हो जाते हैं। यह सभी को आनंदित करती है। 4. धरती की सारी सुंदरता और हरियाली वर्षा पर निर्भर करती है। वह जीवन और हरियाली का मुख्य स्रोत है। यह जीवों को नया जीवन देती है। हमें वर्षा ऋतु में जगत की भलाई की प्रेरणा लेनी चाहिए।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए—

(क) ''फिरते लखो पपीहे, हैं ग्रीष्म ताप खोते
करते हैं नृत्य वन में, देखो ये मोर सारे।''

(ख) ''चलते हैं हंस कहीं पर, बाँधे कतार सुंदर
गाते हैं गीत कैसे, लेते किसान मनहर।''

उत्तर : (क) वर्षा ऋतु आने पर ग्रीष्म ऋतु में प्राप्त गर्मी की तपन को शांत करने के लिए पपीहे पक्षी भी इधर-उधर दिखाई दे रहे हैं। प्रसन्न होकर अनेक मोर भी वन में नाच करते दिखाई देते हैं।

(ख) हंस नामक पक्षी सुन्दर पंक्ति-सी बनाकर कभी आसमान में उड़ते हुए दिखाई देते हैं तो कभी जमीन पर चलते हुए दिखाई देते हैं। खेतों में काम करते हुए किसान सुन्दर-सुन्दर गीत गा रहे हैं। उनके गीत लोगों के मन में प्रसन्नता भर रहे हैं।

मिलकर करें मिलान

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे स्तंभ 1 में दी गई हैं, उनके भावार्थ स्तंभ 2 में दिए गए हैं। स्तंभ 1 की पंक्तियों का स्तंभ 2 की उपयुक्त पंक्तियों से मिलान कीजिए —

स्तंभ 1		स्तंभ 2	
1.	पानी बरस रहा है, झरने भी ये बहे हैं	1.	वर्षा ऋतु में तालाबों के जीव-जंतु अति प्रसन्न हैं।
2.	चलती हवा है ठंडी, हिलती हैं डालियाँ सब	2.	वर्षा हो रही है और झरने बह रहे हैं।
3.	तालों में जीव जलचर, अति हैं प्रसन्न होते	3.	वर्षा आने पर लाखों पपीहे गर्मी से राहत पाते हैं
4.	फिरते लखो पपीहे, हैं ग्रीष्म ताप खोते	4.	हंसों की कतारें प्रकृति की सुंदरता और अनुशासन को दर्शाती हैं।
5.	खिलता गुलाब कैसा, सौरभ उड़ा रहा है।	5.	वर्षा में खिले हुए फूल जैसे गुलाब प्रकृति में सुगंध और ताजगी फैला रहे हैं।
6.	चलते हैं हंस कहीं पर, बाँधे कतार सुंदर	6.	ठंडी हवाओं के कारण पेड़ों की सभी शाखाएँ हिल रही हैं।

उत्तरः **1.** (2), **2.** (6), **3.** (1), **4.** (3), **5.** (5), **6.** (4।

सोच-विचार के लिए

कविता को एक बार पुनः ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) कविता में कौन-कौन गीत गा रहे हैं और क्यों?

(ख) "बिजली चमक रही है, बादल गरज रहे हैं"
"तालों में जीव जलचर, अति हैं प्रसन्न होते"
दी गई दोनों पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए। इनमें वर्षा के दो अलग-अलग दृश्य दर्शाए गए हैं। इन दोनों में क्या कोई अंतर है? क्या कोई संबंध है? अपने विचार लिखिए।

(ग) कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है? उसे पहचानिए, समझिए और अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) "खिलता गुलाब कैसा, सौरभ उड़ा रहा है" इस पंक्ति को पढ़कर एक खिलते हुए गुलाब का सुंदर चित्र मस्तिष्क में

बन जाता है। इस पंक्ति का उद्देश्य केवल गुलाब की सुंदरता को बताना है या इसका कोई अन्य अर्थ भी हो सकता है?

(ङ) कविता में से उन पंक्तियों को चुनकर लिखिए जिनमें सकारात्मक गतिविधियों का उल्लेख किया गया है, जैसे– 'गीत गाना', 'नृत्य करना' और 'सुगंध फैलाना'। इन गतिविधियों के आधार पर बताइए कि इस कविता का शीर्षक 'वर्षा-बहार' क्यों रखा गया है?

उत्तर– (क) कविता में वर्षा-बहार आने की प्रसन्नता के कारण मालिनें, मेंढक तथा किसान गीत गा रहे हैं।

(ख) हाँ, इन दोनों पंक्तियों में अन्तर एवं सम्बन्ध दोनों हैं। प्रथम पंक्ति में आकाश में होने वाली बादलों की गतिविधि पर प्रकाश डाला गया है तथा दूसरी पंक्ति में धरती के जलचर जीवों की प्रसन्नता का वर्णन है।

वर्षा होने के कारण ही जलचर आदि जीवों में प्रसन्नता का भाव दिखाई दे रहा है। अत: दोनों पंक्तियों में कार्य एवं कारण का सम्बन्ध है। प्रथम पंक्ति कारण है तथा दूसरी पंक्ति उसका कार्य है।

(ग) कविता में मुख्य रूप से यह बात बताई गई है कि वर्षा-बहार आने से धरती पर चारों ओर प्रसन्नता एवं सुंदरता दिखाई देने लगती है। यह प्रकृति में नवीनता के साथ-साथ सभी जीवों में प्रसन्नता एवं नवीन ऊर्जा का संचार भी करती है।

(घ) इस पंक्ति का उद्देश्य केवल गुलाब की सुंदरता को बताना ही नहीं, बल्कि इसका अन्य अर्थ भी है। यह पंक्ति प्रकृति के नवीनीकरण, जीवन की ताजगी, प्रेम तथा सौंदर्य के रूप में भी महत्वपूर्ण है।

(ङ) वे पंक्तियाँ इस प्रकार हैं –

- बागों में गीत सुंदर गाती हैं मालिनें अब।
- करते हैं नृत्य वन में, देखो ये मोर सारे।
- खिलता गुलाब कैसा, सौरभ उड़ा रहा है।

इन गतिविधियों के आधार पर इस कविता का शीर्षक 'वर्षा-बहार' इसलिए रखा गया है कि वर्षा- बहार के कारण ही प्रकृति एवं विभिन्न जीवों में नवीनता, उल्लास एवं प्रेम का भाव उत्पन्न हुआ है। सम्पूर्ण संसार की शोभा वर्षा-बहार पर ही निर्भर है।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए–

(क) "सारे जगत की शोभा, निर्भर है इसके ऊपर" कविता में कहा गया है कि वर्षा पर सारे संसार की शोभा निर्भर है। वर्षा के अभाव में मानव जीवन और पशु-पक्षियों पर क्या-क्या प्रभाव पड़ सकता है?

(ख) "बिजली चमक रही है, बादल गरज रहे हैं"– बिजली चमकना और बादल का गरजना प्राकृतिक घटनाएँ हैं। इन घटनाओं का लोगों के जीवन पर क्या-क्या प्रभाव हो सकता है? (संकेत–आप सकारात्मक और नकारात्मक यानी अच्छे और बुरे, दोनों प्रकार के प्रभावों के बारे में सोच सकते हैं।)

(ग) ''करते हैं नृत्य वन में, देखो ये मोर सारे''– इस पंक्ति को ध्यान में रखते हुए वर्षा आने पर पक्षियों और जीवों की खुशी का वर्णन कीजिए। वे अपनी प्रसन्नता कैसे व्यक्त करते होंगे?

उत्तर– (क) वर्षा के अभाव में मानव जीवन एवं पशु-पक्षियों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। वर्षा के अभाव में जल-संकट बढ़ जायेगा तथा प्रकृति की हरियाली समाप्त हो जाएगी। मनुष्य-पशु-पक्षी-वृक्ष आदि गर्मी से व्याकुल होकर मरने लगेंगे। प्रकृति में चारों ओर कुरूपता छा जायेगी। खेतों में भी अनाज उत्पन्न नहीं होगा। अकाल जैसी स्थिति हो जाएगी। अत: वर्षा का होना अति आवश्यक है।

(ख) इन घटनाओं का लोगों के जीवन पर सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रभाव हो सकते हैं। एक ओर बिजली की चमक तथा बादलों की गर्जन प्राकृतिक दृष्टि से बहुत सुंदर तथा जीवनदायिनी हैं तो दूसरी ओर ये घटनाएँ चिंता, भय तथा प्राकृतिक विपत्ति का कारण भी हैं।

(ग) वर्षा आने पर पक्षियों एवं जीवों में खुशी का भाव भर जाता है। वे अपनी प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए नाचते एवं गाते हैं। मोर अपने रंगीन पंख फैलाकर नाचता-गाता है तथा पपीहा, कोयल, बुलबुल आदि अपनी मीठी वाणी में गाते हैं। जलचर जीवों में भी पानी पाने की आशा हेतु प्रसन्नता का भाव भर जाता है। जलचर एवं थलचर मेंढक भी टर्र-टर्र की आवाज में प्रसन्नता का भाव व्यक्त करता है।

शब्द से जुड़े शब्द

अपने समूह में चर्चा करके 'वर्षा' से जुड़े शब्द नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में लिखिए–

उत्तर:

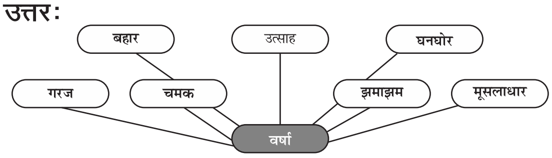

कविता की रचना

''<u>**वर्षा-बहार**</u> सब के, मन को लुभा रही है''

इस पंक्ति से रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। 'वर्षा' एक ऋतु का नाम है। 'बहार' 'वसंत' का दूसरा नाम है। यहाँ 'वर्षा' और 'बहार' को एक साथ दिया गया है जिसमें वर्षा ऋतु की सुंदरता को स्पष्ट किया जा सके।

इस कविता में ऐसी ही अन्य विशेषताएँ छिपी हैं, जैसे– कविता की कुछ पंक्तियाँ सरल वाक्य के रूप में ही हैं तो कुछ में वाक्य संरचना सरल नहीं है।

अपने समूह के साथ मिलकर इस कविता की अन्य विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

उत्तर– इस कविता की अन्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं–
1. इस कविता में वर्षा के मौसम की सुंदरता और वर्षा के सकारात्मक प्रभावों का चित्रण किया गया है।
2. प्रस्तुत कविता में जीवों, पौधों की खुशी व उल्लास का वर्णन किया गया है।
3. प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया गया है।
4. प्रकृति और जीव-जगत के संबंध को दर्शाया गया है।
5. कविता में यह प्रेरणा दी गई है कि बदलाव का स्वागत खुशी और उल्लास के साथ करना चाहिए।

कविता का सौंदर्य

(क) नीचे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। इनमें कुछ शब्द हटा दिए गए हैं और साथ में मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द भी दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक शब्द से वह पंक्ति पूरी करके देखिए। जो शब्द उस पंक्ति में जँच रहे हैं उन पर घेरा बनाइए।

.... बहार सब के, मन को लुभा रही है
(बारिश, बरसात, बरखा, वृष्टि)

.... में छटा अनूठी, घनघोर छा रही है
(आकाश, गगन, अंबर , व्योम)

बिजली चमक रही है, ... गरज रहे हैं
(मेघ, जलधर, घन, जलद)

.... बरस रहा है, झरने भी ये बहे हैं
(जल , नीर , सलिल, तोय)

उत्तर: बारिश, बरखा, अंबर, मेघ।

(ख) अपने समूह में विमर्श करके पता लगाइए कि कौन-से शब्द रिक्त स्थानों में सबसे अधिक साथियों को जँच रहे हैं और क्यों?

उत्तर: विद्यार्थी स्वयं करें।

विशेषण

''बागों में गीत सुंदर, गाती हैं मालिनें अब''

इस पंक्ति में 'सुंदर' शब्द 'गीत' की विशेषता बता रहा है अर्थात् यह 'विशेषण' है। 'गीत' एक संज्ञा शब्द है जिसकी विशेषता बताई जा रही है, अर्थात् यह 'विशेष्य' शब्द है।

(क) नीचे दी गई पंक्तियों में विशेषण और विशेष्य शब्दों की पहचान करके लिखिए–

उत्तर:

	पंक्ति	विशेषण	विशेष्य
1.	नभ में छटा अनूठी, घनघोर छा रही है	अनूठी	छटा
2.	चलते हैं हंस कहीं पर, बाँधे कतार सुंदर	सुंदर	कतार
3.	मेंढक लुभा रहे हैं, गाकर सुगीत प्यारे	प्यारे	सुगीत
4.	चलती हवा है ठंडी, हिलती हैं डालियाँ सब	ठंडी सब	हवा डालियाँ

(ख) नीचे दिए गए विशेष्यों के लिए अपने मन से विशेषण सोचकर लिखिए–

1. वर्षा, 2. पानी, 3. बादल, 4. डालियाँ, 5. गुलाब

उत्तर:

1.	वर्षा	घनघोर	हल्की
2.	पानी	शीतल	स्वच्छ
3.	बादल	काले	घने
4.	डालियाँ	लंबी	हरी
5.	गुलाब	लाल	सुगंधित

ऋतु और शब्द

''फिरते लखो पपीहे, हैं ग्रीष्म ताप खोते''

'ताप' शब्द ग्रीष्म ऋतु से जुड़ा शब्द है। भारत में मुख्य रूप से छह ऋतुएँ क्रम से आती-जाती हैं। लोग इन ऋतुओं में कुछ विशेष शब्दों का उपयोग करते हैं। नीचे दिए गए शब्दों को पढ़कर कौन-सी ऋतु का स्मरण होता है? इन शब्दों को तालिका में उपयुक्त स्थान पर लिखिए–

धूप	लू	बयार	हिमपात	वृष्टि
पाला	ताप	जाड़ा	झड़ी	ठिठुरन
धुंध	कोहरा	आँधी	उमस	हरियाली
बहार	तपन	जेठ	सावन	रिमझिम
शीतलता	ओस	ठंडक	बादल फटना	कड़ाके की ठंड

उत्तर – वसंत ऋतु (सामान्यत: मार्च-अप्रैल)– बयार, बहार, हरियाली

ग्रीष्म ऋतु (सामान्यत: मई-जून) – धूप, ताप, आँधी, लू, तपन, जेठ

वर्षा ऋतु (सामान्यत: जूलाई-अगस्त) – सावन, उमस, रिमझिम, वृष्टि, बादल फटना, झड़ी

शरद ऋतु (सामान्यत: सितंबर-अक्टूबर) – उमस, धूप

हेमंत ऋतु (सामान्यत: नवंबर-दिसंबर) – धुंध, ठंडक

शिशिर ऋतु (सामान्यत: जनवरी-फरवरी) –
ओस, कोहरा, ठिठुरन, पाला, जाड़ा, कड़ाके की ठंड, हिमपात

पाठ से आगे

साक्षात्कार

"गाते हैं गीत कैसे, लेते किसान मनहर।"

मान लीजिए कि आप अपने विद्यालय की पत्रिका के पत्रकार हैं। आप एक किसान का साक्षात्कार कर रहे हैं जो वर्षा के आने पर अपने खेतों में गीत गा रहा है।

(क) अपने समूह के साथ मिलकर उस किसान के साक्षात्कार के लिए कुछ प्रश्न लिखिए।

(**संकेत—** आपका क्या नाम है? आप क्या काम करते हैं? आप काम करते समय गीत क्यों गाते हैं? आदि)

(ख) अपने समूह के साथ मिलकर इस साक्षात्कार को अभिनय द्वारा प्रस्तुत कीजिए। आपके समूह का कोई सदस्य किसान की भूमिका निभा सकता है। अन्य सदस्य पत्रकारों की भूमिका निभा सकते हैं।

उत्तर: (क) किसान से साक्षात्कार हेतु पूछे जाने वाले प्रश्न

- किसान भाई नमस्कार। आपका नाम क्या है?
- आप क्या काम करते हैं?
- आप खेतों में किस समय काम करते हैं?
- आप काम करते समय गीत क्यों गाते जाते हैं?
- आप कितने वर्षों से खेती कर रहे हैं?
- वर्षा न हो तो खेती पर क्या असर पड़ता है?

(ख) विद्यार्थी समूह के साथ मिलकर इस अभिनय को स्वयं करें।

वर्षा के दृश्य

(क) वर्षा के उन दृश्यों की सूची बनाइए जिनका उल्लेख इस कविता में नहीं किया गया है। जैसे आकाश में इंद्रधनुष।

(ख) वर्षा के समय आकाश में बिजली पहले दिखाई देती है या बिजली कड़कने की ध्वनि पहले सुनाई देती है या दोनों साथ-साथ दिखाई-सुनाई देती है? क्यों? पता कीजिए।

(ग) आपने वर्षा से पहले और वर्षा के बाद किसी पेड़ या पौधे को ध्यान से अवश्य देखा होगा। आपको कौन-कौन से अंतर दिखाई दिए?

(घ) ''चलते हैं हंस कहीं पर, बाँधे कतार सुंदर''

कविता में हंसों के कतार में अर्थात् पंक्तिबद्ध रूप से चलने का वर्णन किया गया है। आपने किन-किन को और कब-कब पंक्तिबद्ध चलते हुए देखा है? (संकेत — चींटी, गाड़ियाँ, बच्चे आदि)

उत्तर — (क) वर्षा के उन दृश्यों की सूची इस प्रकार है—

(i) आकाश में काले-काले हाथी जैसी आकृति के बादल।

(ii) इन्द्रधनुष दिखाई देना।

(iii) अपने निवास के चारों ओर पानी भर जाना।

(iv) बादलों का रंग बदल जाना।

(ख) आकाश में वर्षा के समय में बिजली पहले दिखाई देती है तथा बिजली कड़कने की ध्वनि बाद में सुनाई देती है। ऐसा इसलिए होता है कि ध्वनि की गति से प्रकाश की गति तेज होती है।

(ग) प्रमुख अन्तर इस प्रकार हैं— (i) वर्षा से पहले पेड़-पौधों एवं उनकी पत्तियों पर धूल आदि जमी होती है, परन्तु वर्षा के बाद वह सब धुलकर साफ हो जाती है।

(ii) वर्षा से पहले पेड़-पौधे ऊँचे लगते हैं, परन्तु वर्षा के बाद वे पानी के भार से नीचे झुक से जाते हैं।

(iii) वर्षा से पहले पेड़-पौधों पर हरे तथा पीले दोनों तरह के पत्ते लगे होते हैं, परन्तु वर्षा के बाद उनके पीले पत्ते झड़ जाते हैं केवल हरे-हरे पत्ते ही दिखाई देते हैं।

(घ) हमने चींटा तथा चींटियों को दाना आदि ले जाते समय पंक्तिबद्ध रूप से चलते हुए देखा है।

मोटर साइकिलों, साइकिलों तथा अन्य गाड़ियों को किसी रैली, परेड़ आदि के समय पंक्तिबद्ध होकर अनुशासित रूप में चलते हुए देखा है।

बच्चों को प्रार्थना सभा तथा कक्षाओं में, सैनिकों को परेड आदि में पंक्तिबद्ध बैठे या चलते हुए देखा है।

सृजन

''बागों में खूब सुख से, आमोद छा रहा है''

'आमोद' या 'मोद' दोनों शब्दों का अर्थ होता है— आनंद, हर्ष, खुशी, प्रसन्नता। कविता में वर्षा ऋतु में 'आमोद' के दृश्यों का वर्णन किया गया है। कविता के इन दृश्यों को हम नीचे दिए गए उदाहरण की तरह अनुच्छेद में भी लिख सकते हैं—

''हवा की ठंडक थी, बारिश की रिमझिम बूँदें गिर रही थीं, मोर नृत्य कर रहे थे और मेंढक खुश होकर गाना गा रहे थे। ये सभी मिलकर वर्षा ऋतु को एक उत्सव जैसा बना रहे थे। बागों में गुलाब की खुशबू और आम के पेड़ों पर नए फल देखकर पक्षी और लोग, सभी प्रसन्न हो गए थे। किसान अपने खेतों में काम करते हुए इस प्राकृतिक आनंद के भागीदार बन रहे थे।''

अब नीचे दिए गए 'आमोद' से जुड़े विभिन्न दृश्यों का एक-एक अनुच्छेद में वर्णन कीजिए—

- बारिश के बाद उपवन में सैर।
- मित्रों संग खेलना।
- परिवार के किसी प्रिय सदस्य या मित्र से वर्षों बाद मिलना।
- किसी प्रिय पुस्तक को पढ़ना।
- सर्दियों का पहला हिमपात।
- किसी कार्य को पूरा करना या सफल प्रदर्शन करना।
- समुद्र के किनारे शांत सवेरा या शाम।
- कोई उत्सव।

उत्तर — • बारिश के बाद उपवन में सैर—बारिश के बाद उपवन में सैर करना अत्यंत सुखद अनुभव होता है। पेड़-पौधों

की पत्तियाँ बारिश के पानी से धुलने के कारण चमकीली दिखाई देती हैं जिससे उपवन की सुंदरता बढ़ जाती है। मिट्टी में भी सोंधी-सोंधी खुशबू आती है। पेड़ों पर बैठकर पक्षी चहचहाते हैं, उनका कलरव कानों को अच्छा लगता है। उपवन में बहने वाली हवा शीतलता लिए होती है। ऐसे शांत और सुंदर वातावरण में सैर करने का अलग ही आनंद होता है। बारिश के बाद उपवन में सैर करना केवल शरीर के लिए ही लाभप्रद नहीं है, बल्कि मन को भी ताजगी और सुकून मिलता है, लगता है, जैसे हम प्रकृति से संवाद कर रहे हैं।

• **मित्रों संग खेलना**—लोगों के जीवन में मित्रों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। मित्र ईश्वर का उपहार होते हैं। इनके संग खेलना-कूदना जीवन के आनंद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू होता है। खेलते-कूदते समय मित्रों के साथ जो आनंद और उत्साह पैदा होता है उससे शरीर तनाव मुक्त और ऊर्जा से भर जाता है। मित्रों के संग खेलना वाकई ऊर्जा और आनंद का स्रोत है।

• **परिवार के किसी प्रिय सदस्य या मित्र से वर्षों बाद मिलना**—जब परिवार के सदस्य से वर्षों के बाद मिलन होता है तब मन में उत्पन्न खुशी का एहसास होता है। यह खुशी दिल से निकलकर चेहरे पर झलक उठती है और पुराना दृश्य उभरकर आँखों के सामने नाचने लगता है। मन को एक आनंद का अनुभव होता है जिसे शब्दों में प्रकट कर पाना मुश्किल होता है।

• **किसी प्रिय पुस्तक को पढ़ना**—पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची मित्र होती हैं। इनके संग बिताया गया समय मन को शांति और सुकून प्रदान करता है। पुस्तकों के पढ़ने से मानसिक शांति और कल्पनाशक्ति विकसित होती है, जो जीवन के संघर्षों में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करती है। मेरी प्रिय पुस्तक 'रामचरितमानस' है जो मुझे सदैव मार्गदर्शन प्रदान करती है।

• **सर्दियों का पहला हिमपात**—जब सर्दियाँ आती हैं और पहली बार बर्फ पड़ती है तब मन में खुशी की लहर-सी दौड़ जाती है। चारों ओर बिछी बर्फ मन में कौतूहल पैदा करती है। मानो प्रकृति रूपी कोई सुन्दरी पारदर्शी सफेद वस्त्र धारण किए समक्ष खड़ी हो। बर्फ से छनकर आती ठंडी-ठंडी हवा शरीर को तरोताजा कर जाती है। सम्पूर्ण माहौल खुशनुमा हो जाता है।

• **किसी कार्य को पूरा करना या सफल प्रदर्शन करना**—जब व्यक्ति अपने जीवन में किसी कार्य में सफलता प्राप्त करता है तो उसे अपार खुशी की अनुभूति होती है। वह क्षण उसके जीवन में गर्व और आत्मविश्वास का एहसास कराता है। यह सफलता उसको जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करती है।

• **समुद्र के किनारे शांत सवेरा या शाम**—समुद्र के किनारे का शांत सवेरा या शाम आत्मचिंतन या ताजगी के लिए बड़ा ही सुंदर वातावरण है, जहाँ हल्की हवा और पक्षियों की चहचहाहट मन को सुकून और आनंद का एहसास कराती है। यह स्थान ध्यान और योग के लिए अत्यन्त उत्तम माना गया है।

• **कोई उत्सव**—हमारा भारत त्योहारों का देश है। यहाँ जब कोई उत्सव आता है, तो मन प्रसन्नता से भर उठता है। चारों ओर खुशी का माहौल छा जाता है। तरह-तरह की मिठाइयाँ, नृत्य, संगीत आदि सबका मन मोह लेते हैं। लोग एक-दूसरे के साथ मिलकर खुशियाँ मनाते हैं। ये उत्सव लोगों में सद्भावना पैदा करते हैं।

आज की पहेली

आपने वर्षा से जुड़ी एक कविता पढ़ी है। अब भारत की विभिन्न ऋतुओं से जुड़ी एक पहेलियाँ पढ़िए और उन्हें बूझिए—

(1) जाने कैसा मौसम आया, सूरज ने सबको झुलसाया।
आम पकें तो रस ढलके, समय कौन-सा ये झलके?

(2) पानी बरसे, बादल गरजे, धरती का हर कोना हरसे।
नदियाँ नाले भरे हर ओर, बूझो किसका है ये जोर?

(3) हवा में ठंडक बढ़ती जाए, धूप सुहानी सबको भाए।
नई फसल खेतों में लाए, बूझो कौन-सा मौसम आए?

(4) फूल खिले, हर पक्षी गाए, चारों ओर हरियाली छाए।
बागों में खुशबू छा जाए, बूझो ऋतु ये क्या कहलाए?

(5) बर्फ गिरे, सर्दी बढ़ जाए, ऊनी कपड़े सबको भाए।
धुंध की चादर लाए रात, बूझो किस ऋतु की बात?

(6) पत्ता-पत्ता गिरता जाए, सूनी डाली बहुत सताए।
पेड़ करें खुद को तैयार, कौन-सी ऋतु का ये सार?

उत्तर— (1) ग्रीष्म ऋतु। (2) वर्षा ऋतु।
(3) शरद (हेमंत) ऋतु। (4) वसन्त ऋतु।
(5) शीत (शिशिर) ऋतु। (6) पतझड़।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. नभ में कैसी छटा छा रही है?
(क) अनूठी (ख) घनघोर
(ग) (क) तथा (ख)
(घ) इनमें से कोई नहीं ( )

2. नभ में क्या हो रहा है?
(क) बिजली चमक रही है
(ख) बादल गरज रहे हैं
(ग) पानी बरस रहा है (घ) ये सभी ( )

3. कविता में कैसी हवा चलने की बात कही गई है?
(क) गरम (ख) ठंडी
(ग) झोंकेदार (घ) ये सभी ( )

4. वन में नृत्य कौन कर रहे हैं—
(क) मोर (ख) पपीहे
(ग) शेर (घ) चीते ( )

5. खेतों में गीत कौन गा रहे हैं?
(क) तोते (ख) मोर
(ग) किसान (घ) मेढ़क ( )

उत्तर: **1.** (ग), **2.** (घ), **3.** (ख), **4.** (क), **5.** (ग)

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. नभ में छटा अनूठी .... छा रही है।
2. चलती .... है ठंडी, हिलती हैं डालियाँ सब।
3. तालों में जीव .... , अति हैं प्रसन्न होते।
4. मेंढक लुभा रहे हैं, गाकर .... प्यारे।
5. चलते हैं .... कहीं पर, बाँधे कतार सुंदर।

उत्तर: **1.** घनघोर, **2.** हवा, **3.** जलचर, **4.** सुगीत, **5.** हंस।

सत्य/असत्य

1. बादलों में बिजली चमक रही है। ( )
2. पानी बरस रहा है तथा नावें बह रही हैं। ( )
3. तालों में नभचर जीव प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं। ( )
4. बागों में सब ओर आमोद छा रहा है। ( )
5. सम्पूर्ण जगत की शोभा वर्षा के ऊपर ही निर्भर है। ( )

उत्तर: **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. जलचर	(क) सुगीत
2. ग्रीष्म	(ख) जीव
3. सुंदर	(ग) ताप
4. ठंडी	(घ) गीत
5. प्यारे	(ङ) हवा

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (ग), **3.** (घ), **4.** (ङ), **5.** (क)।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. सबके मन को कौन लुभा रहा है?

उत्तर: वर्षा-बहार सबके मन को लुभा रहा है।

2. वर्षा के कारण क्या बह रहे हैं?

उत्तर: झरने बह रहे हैं।

3. हवा चलने के कारण क्या हिल रहा है?

उत्तर: पेड़ों की डालियाँ हिल रही हैं।

4. प्यारे सुगीत कौन गा रहे हैं?

उत्तर: मेंढक गा रहे हैं।

5. सारे जगत की शोभा किसके ऊपर निर्भर है?

उत्तर: वर्षा-बहार के ऊपर निर्भर है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वर्षा-बहार के कारण नभ में क्या हो रहा है?

उत्तर: वर्षा-बहार के कारण नभ में अनूठी तथा घनघोर छटा छा रही है।

2. ठंडी हवा चलने पर पेड़ों पर क्या प्रतिक्रिया हो रही है?

उत्तर: ठंडी हवा चलने पर पेड़ों के पत्ते तथा डालियाँ हिल रहे हैं।

3. वर्षा-बहार के कारण मोर क्या कर रहे हैं?

उत्तर: वर्षा-बहार से प्रसन्न होकर मोर वन में नाच रहे हैं।

4. खेतों में काम करते हुए किसान क्या कर रहे हैं?

उत्तर: खेतों में किसान काम करते हुए मन को अच्छे लगने वाले गीत गा रहे हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. पाठ के अनुसार वर्षा-बहार का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर: वर्षा-बहार के कारण बागों में मालिनें सुन्दर गीत गा रही हैं तथा जल में रहने वाले जीव भी वर्षा का जल मिलने के कारण प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं। मेघों की गर्जना सुनकर बागों में बहुत से मोर नृत्य कर रहे हैं तथा मेंढक मानो अपनी टर्र-टर्र की ध्वनि द्वारा गीत गा रहे हैं। किसान भी अपने खेतों में काम करता हुआ मनोहर गीत गा रहा है।

2. 'सारे जगत की शोभा, निर्भर है इसके ऊपर' इसमें शोभा को किसके ऊपर निर्भर होने की बात कही है तथा क्यों?

उत्तर: प्रस्तुत पंक्तियों में शोभा को वर्षा-बहार के ऊपर निर्भर होने की बात कही है क्योंकि सम्पूर्ण सृष्टि की शोभा वर्षा के कारण ही होती है। धरती की हरियाली वर्षा के कारण ही होती है। किसान की फसल इसी पर निर्भर है। पेड़-पौधों का जीवन भी वर्षा पर निर्भर है। वर्षा के कारण ही सभी जलचर जीवों का जीवन बच पाता है। यदि वर्षा नहीं होगी तो धरती पर सूखा-अकाल पड़ जायेगा। अतः वर्षा होना अति आवश्यक है।

8 बिरजू महाराज से साक्षात्कार

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

आइए, अब हम बिरजू महाराज से पूछे गए प्रश्नों और उनसे मिले उत्तरों को थोड़ा और निकटता से समझ लेते हैं।

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सबसे सही उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. बिरजू महाराज ने गंडा बाँधने की परंपरा में परिवर्तन क्यों किया होगा?

- वे गुरु के प्रति शिष्य के निष्ठा भाव को परखना चाहते थे।
- वे नृत्य शिक्षण के लिए इस परंपरा को महत्त्वपूर्ण नहीं मानते थे।
- वे नृत्य के प्रति शिष्य के लगन व समर्पण को जाँचना चाहते थे।
- वे शिष्य की भेंट देने की सामर्थ्य को परखना चाहते थे।

उत्तर– वे नृत्य के प्रति शिष्य के लगन व समर्पण को जाँचना चाहते थे।

2. "जीवन में उतार-चढ़ाव तो होता ही है।" बिरजू महाराज के जीवन में किस तरह के उतार-चढ़ाव आए?

- पिता के देहांत के बाद आर्थिक अभावों का सामना करना पड़ा।
- कोई भी संस्था नृत्य प्रस्तुतियों के लिए आमंत्रित नहीं करती थी।
- किसी समय विशेष में घर में सुख-समृद्धि थी।
- नृत्य के औपचारिक प्रशिक्षण के अवसर बहुत ही सीमित हो गए थे।

उत्तर– पिता के देहांत के बाद आर्थिक अभावों का सामना करना पड़ा।

- किसी समय विशेष में घर में सुख-समृद्धि थी।

3. बिरजू महाराज के अनुसार बच्चों को लय के साथ खेलने की अनुशंसा क्यों की जानी चाहिए?

- संगीत, नृत्य, नाटक और सभी कलाएँ बच्चों में मानवीय मूल्यों का विकास नहीं करती हैं।
- कला संबंधी विषयों से जुड़ाव बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है।
- कला भी एक खेल है, जिसमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है।
- वर्तमान समय में कला भी एक सफल माध्यम नहीं है।

उत्तर– कला संबंधी विषयों से जुड़ाव बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है।

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर क्यों चुनें?

उत्तर– उत्तर चुनने के कारण– 1. बिरजू महाराज गंडा को तभी देते थे जब वे नृत्य के प्रति शिष्यों की लगन, निष्ठा को स्वयं जाँच-परख लेते थे। वे इस परंपरा को एक पवित्र परंपरा मानते थे।

2. बिरजू महाराज ने अपने जीवन में बचपन से लेकर बड़े होने तक अनेक उत्कर्ष-अपकर्ष, आर्थिक उतार-चढ़ाव देखे थे, लेकिन नृत्य के प्रति अपने जुनून को कम नहीं होने दिया।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द एवं शब्द समूह नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही संदर्भों या अवधारणाओं से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

शब्द		संदर्भ या अवधारणा
1. कर्नाटक संगीत शैली	1.	भारत की प्राचीन गायन-वादन गीत-नृत्य अभिनय परंपरा का अभिन्न अंग है। इसमें शब्दों की अपेक्षा सुरों का महत्त्व होता है। इसमें नियमों की प्रधानता होती है।
2. घराना	2.	भारतीय शास्त्रीय संगीत की एक शैली, जो मुख्य रूप से दक्षिण भारत के राज्यों में प्रचलित है। इसमें स्वर शैली की प्रधानता होती है। जल तरंगम, वीणा, मृदंग, मंडोलिन वाद्ययंत्रों से संगत दी जाती है।
3. शास्त्रीय संगीत	3.	हिंदू धर्म के 16 संस्कारों में एक है, यह कान में सोने या चाँदी का तार पहनाने से संबंधित है।
4. हिंदुस्तानी संगीत शैली	4.	हिंदुस्तानी संगीत में कलाकारों का एक समुदाय या कुटुंब, जो संगीत नृत्य की विशिष्ट शैली साझा करते हैं। संगीत या नृत्य की परंपरा, जिसमें सिद्धांत और शैली पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रशिक्षण के द्वारा आगे बढ़ती है।
5. कनछेदन	5.	किसी क्षेत्र विशेष में लोक द्वारा किए जाने वाले पारंपरिक नृत्य। लोक नृत्य, क्षेत्र विशेष की संस्कृति एवं रीति-रिवाजों को दर्शाते हैं। ये विशेष रूप से फसल कटाई, उत्सवों आदि के अवसर पर किए जाते हैं।
6. लोकनृत्य	6.	भारतीय शास्त्रीय संगीत की एक शैली, जो मुख्य रूप से उत्तर भारत के राज्यों में प्रचलित है। तबला, सारंगी, सितार, संतूर वाद्ययंत्रों से संगत दी जाती है। इसके प्रमुख रागों की संख्या छह है।

उत्तर : **1.** (2), **2.** (4), **3.** (1), **4.** (6), **5.** (3), **6.** (5)।

शीर्षक

इस पाठ का शीर्षक 'बिरजू महाराज से साक्षात्कार' है। यदि आप इस साक्षात्कार को कोई अन्य नाम देना चाहते हैं तो क्या नाम देंगे? आपने यह नाम क्यों सोचा? लिखिए।

उत्तर– मैं इस साक्षात्कार को कोई अन्य नाम देना चाहता तो 'संघर्षशील बिरजू महाराज' नाम देता। मैंने यह नाम इसलिए सोचा कि बिरजू महाराज का जीवन बड़ा ही संघर्षशील रहा है। उन्होंने बड़ी-बड़ी आर्थिक समस्याओं का सामना भी किया है। कभी-कभी तो उन्हें भूखा भी सोना पड़ा है। अतः वे बहुत ही संघर्षशील रहे हैं।

पंक्तियों पर चर्चा

साक्षात्कार में से चुनकर कुछ वाक्य नीचे दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार लिखिए।

। "तुम नौकरी में बँट जाओगे। तुम्हारे अंदर का नर्तक पूरी तरह पनप नहीं पाएगा।"

। "लय हम नर्तकों के लिए देवता है।"

। "नृत्य में शरीर, ध्यान और तपस्या का साधन होता है।"

। "कथक में गर्दन को हल्के से हिलाया जाता है, चिराग की लौ के समान।"

उत्तरः । एक साथ दो काम साधना बड़ा कठिन कार्य होता है। नौकरी करने के साथ-साथ नर्तक क्षेत्र में श्रेष्ठता प्राप्त करना कठिन है क्योंकि नृत्य में साधना, समर्पण तथा ध्यान लगाना बहुत ही आवश्यक है। नौकरी के साथ-साथ ये सब प्राप्त करना संभव नहीं है।

। लय नृत्य करने वालों के लिए देवता के समान होती है। वे लय प्राप्त करने के लिए उसकी पूजा-साधना करते हैं। नृत्य में लय की ही प्रधानता होती है।

। नृत्य शरीर के माध्यम से किया जाता है। नृत्य करते समय तान-लय-भाव आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इनके अभाव में नृत्य अच्छा नहीं होता है। अतः नृत्य करते समय शरीर ध्यान और तपस्या का साधन होता है।

। कथक नृत्य करते समय नर्तक को अपनी गर्दन चिराग (दीपक) की लौ के समान लहराकर हिलानी पड़ती है। ऐसा करने पर ही कथक नृत्य में सुंदरता एवं सजीवता आ पाती है। हर नृत्य की अपनी भाव-भंगिमा होती है। गर्दन का हिलाना कथक की अपनी भाव-भंगिमा है।

सोच-विचार के लिए

1. साक्षात्कार को एक बार पुनः पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) बिरजू महाराज नृत्य का औपचारिक प्रशिक्षण आरंभ होने से पहले ही कथक कैसे सीख गए थे?

(ख) नृत्य सीखने के लिए संगीत की समझ होना क्यों अनिवार्य है?

(ग) नृत्य के अतिरिक्त बिरजू महाराज को और किन-किन कार्यों में रुचि थी?

(घ) बिरजू महाराज ने बच्चों की शिक्षा और रुचियों के बारे में अभिभावकों से क्या कहा है?

उत्तर– (क) बिरजू महाराज नृत्य का औपचारिक प्रशिक्षण आरंभ होने से पहले ही कथक घर में पिता, चाचा आदि से देख-देखकर सीख गए थे।

(ख) नृत्य सीखने के लिए संगीत की समझ होना इसलिए अनिवार्य है कि संगीत में लय-तान आदि का सामंजस्य होता है। यदि नर्तक को इनकी समझ नहीं है तो वह ठीक से नृत्य नहीं सीख सकता है। लय-तान आदि संगीत का आवरण है जो उसे सुंदरता प्रदान करता है।

(ग) नृत्य के अतिरिक्त बिरजू महाराज को चित्रकारी तथा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रुचि थी।

(घ) बिरजू महाराज ने बच्चों की शिक्षा और रुचियों के बारे में अभिभावकों से यह कहा है कि यदि बच्चे में रुचि है तो उसे लय के साथ खेलने दें। जैसे अन्य खेल हैं वैसे ही यह भी एक खेल है, जिसमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इस खेल (संगीत) की दुनिया में संतुलन, समय का अंदाजा व सदुपयोग बच्चे के बौद्धिक विकास के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। बच्चों के पास कोई-न-कोई हुनर होना बहुत आवश्यक है।

2. पाठ में से उन प्रसंगों की पहचानकर उन पर चर्चा कीजिए, जिनसे पता चलता है कि –

(क) बिरजू महाराज बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे।

(ख) बिरजू महाराज को नृत्य की ऊँचाइयों तक पहुँचाने में उनकी माँ का बहुत योगदान रहा।

(ग) बिरजू महाराज महिलाओं के लिए समानता के पक्षधर थे।

उत्तर: (क) वे प्रसंग निम्नवत् हैं–

(i) वे नृत्य के साथ ही बजाते और गाते भी थे। इसके अतिरिक्त नृत्य-नाटिकाएँ और उनके लिए संगीत भी तैयार करते थे।

(ii) उन्होंने कथक की पुरानी परंपरा को कायम रखते हुए अपने परिवार की विरासत को सँभालते हुए प्रस्तुतीकरण का एक नया रूप तैयार किया।

(iii) उन्होंने बहुत छुटपन से ही तबला बजाना शुरू कर दिया था। उनके चाचा ने उनके हाथ की कला और तबले की धुन की लय को पहचाना और उन्हें तबला बजाने के लिए प्रोत्सहित किया।

(iv) बेटी और दामाद चित्रकार हैं, उन्हें देखकर पेंटिंग बनाने का भी शौक हो गया है। वे प्राय: रात बारह बजे के बाद चित्र बनाने बैठते थे।

(ख) बिरजू महाराज को नृत्य की ऊँचाइयों तक पहुँचाने में उनकी माँ का बहुत योगदान रहा है। बिरजू महाराज ने स्वयं कहा है कि संघर्षों के दौर में मेरी सबसे बड़ी सहयोगी मेरी माँ थी। अम्मा बार-बार यही कहा करती थी; ''खाने को भले ही चना मिले या कुछ भी न मिले पर अभ्यास जरूर करो।''

(ग) बिरजू महाराज महिलाओं के लिए समानता के पक्षधर थे। उन्होंने साक्षात्कार में बताया भी है– "मेरी बहनों को कथक नहीं सिखाया गया पर मैंने अपनी बेटियों को खूब सिखाया। लड़कियों के पास शिक्षा या कोई-न-कोई हुनर अवश्य होना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर हो सकें। हुनर ऐसा खजाना है, जिसे कोई नहीं छीन सकता और वक्त पड़ने पर काम आता है।"

शब्दों की बात

(क) पाठ में आए हुए कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं, इन्हें ध्यान से पढ़िए–

आजीविका, सीमित प्रशिक्षण, सुंदरता, आधुनिक, पारंपरिक, भारतीय, सामूहिक, शास्त्रीय

आपने इन शब्दों पर ध्यान दिया होगा कि मूल शब्द के आगे या पीछे कोई शब्दांश जोड़कर नया शब्द बना है। इससे शब्द के अर्थ में परिवर्तन आ गया है। शब्द के आगे जुड़ने वाले शब्दांश उपसर्ग कहलाते हैं, जैसे कि–

अदृश्य – अ + दृश्य **आवरण** – आ + वरण

प्रशिक्षण – प्र + शिक्षण

यहाँ पर 'अ', 'आ', 'प्र' उपसर्ग हैं।

शब्द के पीछे जुड़ने वाले शब्दांश प्रत्यय कहलाते हैं और मूल शब्द के अर्थ में नवीनता, परिवर्तन या विशेष प्रभाव उत्पन्न करते हैं, जैसे कि –

सीमित – सीमा + इत **सुंदरता** – सुंदर + ता

भारतीय – भारत + इय **सामूहिक** – समूह + इक

यहाँ पर 'इत', 'ता', 'ईय', और 'इक' प्रत्यय हैं।

(ख) नीचे दो तबले हैं, एक में कुछ शब्दांश (उपसर्ग व प्रत्यय) हैं, दूसरे तबले में मूल शब्द हैं। इसकी सहायता से नए शब्द बनाइए–

(ग) इस पाठ में से उपसर्ग व प्रत्यय की सहायता से बने कुछ और शब्द छाँटकर उनसे वाक्य बनाइए।

उत्तर: (क) विद्यार्थी अध्यापक महोदय की सहायता से उपसर्ग एवं प्रत्यय समझें।

(ख) उपसर्ग	**प्रत्यय**
आ + गमन = आगमन	मर्म + इक = मार्मिक
अ + कर्म = अकर्म	राष्ट्र + ईय = राष्ट्रीय
सु + कर्म = सुकर्म	खंड + इत = खंडित

अ + नाम = अनाम श्रम + इक = श्रमिक
अ + साधारण = असाधारण संस्कृति+इक = सांस्कृतिक
श्रम + ता = श्रमता

(ग) विद्यार्थी वाक्य स्वयं बनाएँ।

शब्दों का प्रभाव

पाठ में आए नीचे दिए गए वाक्य पढ़िए—

"कुछ कथिक डर गए किन्तु उन कथिकों की कला में इतना दम था कि डाकू सब कुछ भूलकर उन कथिकों के कथक में मग्न हो गए।"

इस वाक्य में रेखांकित शब्द 'इतना' हटाकर वाक्य पढ़िए और पहचानिए कि क्या परिवर्तन आया है?

पाठ में आए हुए वाक्यों में से ऐसे ही कुछ और शब्द ढूँढ़कर उन्हें रेखांकित कीजिए जिनके प्रयोग से वाक्य में विशेष प्रभाव उत्पन्न होता है?

उत्तर: पाठ में आए हुए ऐसे ही कुछ अन्य शब्द इस प्रकार हैं— । जिन डिब्बों में कभी तीन-चार लाख की कीमत के हार हुआ करते थे वे अब खाली पड़े थे।

। भेंट मिलने पर ही गंडा बाँधूँगा।

। कई वर्षों तक नृत्य सिखाने के बाद जब देखता हूँ कि शिष्य में सच्ची लगन है तभी गंडा बाँधता हूँ।

। तुम नौकरी में बँट जाओगे। तुम्हारे अंदर का नर्तक पूरी तरह पनप नहीं पाएगा।

। हुनर ऐसा खजाना है जिसे कोई नहीं छीन सकता और वक्त पड़ने पर काम आता है।

पाठ से आगे

कला का संसार

(क) बिरजू महाराज — "कथक की पुरानी परंपरा को तो कायम रखा है। हाँ, उसके प्रस्तुतीकरण में बदलाव किए हैं।" इस कथन को ध्यान में रखते हुए लिखिए कि कथक की प्रस्तुतियों में किस प्रकार के परिवर्तन आए हैं?

(ख) लोकनृत्य और शास्त्रीय नृत्य में क्या अंतर है लिखिए। (इस प्रश्न के उत्तर के लिए आप अपने सहपाठियों अभिभावकों, शिक्षकों, पुस्तकालय या इंटरनेट की सहायता भी ले सकते हैं।)

(ग) "बैरगिया नाला जुलुम जोर,
नौ कथिक नचावें तीन चोर।
जब तबला बोले धीन-धीन,
तब एक-एक पर तीन-तीन।"

इस पाठ में हरिया गाँव में गाए जाने वाले उपर्युक्त पद का उल्लेख है। आप अपने क्षेत्र में गाए जाने वाले किसी लोकगीत को कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: (क) बिरजू महाराज ने इस विषय में बताया है कि उनके चाचा लोग तथा बाबूजी खूबसूरत अंदाज में नाचते थे। उनके खड़े होने का अंदाज भी निराला होता था। हमने उनकी भाव-भंगिमाओं को भी अपने प्रस्तुतीकरण में शामिल कर लिया है। हमने चाचा-बाबूजी इन तीनों की शिक्षा को इकट्ठा करके एक नया रूप तैयार किया। इसी प्रकार टैगोर, त्यागराज आदि कई आधुनिक कवियों की रचनाओं को लेकर भी कथक रचनाएँ तैयार कीं। इस प्रकार उन्होंने अपनी पारंपरिक शैली के अतिरिक्त कथक की प्रस्तुतियों में नए प्रयोगों को सम्मिलित किया है।

(ख) लोक नृत्य सामूहिक होता है। दिनभर की मेहनत के बाद लोग अपनी थकान दूर करने और मनोरंजन के लिए इकट्ठा मिलकर नाचते हैं। दूसरी ओर शास्त्रीय नृत्य में एक नर्तक ही काफी होता है। लोकनृत्य नाचने वालों के अपने मन बहलाव और संतुष्टि के लिए होता है, जबकि शास्त्रीय नृत्य दर्शकों के लिए होता है।

(ग) विद्यार्थी अपने क्षेत्र में गाए जाने वाले किसी लोकगीत को कक्षा में स्वयं प्रस्तुत करें।

साक्षात्कार की रचना

प्रस्तुत पाठ की विधा 'साक्षात्कार' है। सामान्यत: इसे बातचीत या भेंटवार्ता का पर्याय मान लिया जाता है, लेकिन यह भेंटवार्ता से इस संदर्भ में भिन्न है कि इसका एक निश्चित उद्देश्य और ढाँचा होता है। यह साक्षात्कार किसी नौकरी या पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए होने वाले साक्षात्कार से बिल्कुल भिन्न है। प्रस्तुत साक्षात्कार एक प्रकार से व्यक्तिपरक साक्षात्कार है। इसका उद्देश्य साक्षात्कारदाता के निजी जीवन, उनके कामकाज, उपलब्धियों, रुचि-अरुचि, विचारों आदि को पाठकों के सामने लाना है। किसी भी प्रकार के साक्षात्कार के लिए पर्याप्त तैयारी, संवेदनशीलता और धैर्य की आवश्यकता होती है। साक्षात्कार की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि साक्षात्कारदाता के संदर्भ में कितना शोध किया गया है और प्रश्न किस प्रकार के बनाए गए हैं।

प्रस्तुत 'साक्षात्कार' के आधार पर बताइये —

(क) साक्षात्कार के पहले क्या-क्या तैयारियाँ की गई होंगी?

(ख) आप इस साक्षात्कार में और क्या-क्या प्रश्न जोड़ना चाहेंगे?

(ग) यह साक्षात्कार एक सुप्रसिद्ध कलाकार का है। यदि आपको किसी सब्जी विक्रेता, रिक्शा चालक, घरेलू सहायक या सहायिका का साक्षात्कार लेना हो तो आपके प्रश्न किस प्रकार के होंगे?

उत्तर— (क) 'बिरजू महाराज से साक्षात्कार' इस साक्षात्कार से पहले निम्नलिखित तैयारियाँ की गई होंगी — (i) बिरजू महाराज से साक्षात्कार लेने हेतु तैयार किया गया होगा। (ii) उनके विषय में अनेक जानकारियाँ एकत्रित की गई होंगी। (iii) बिरजू महाराज से साक्षात्कार देने का समय आदि निश्चित किया होगा। (iv) पूछे जाने वाले प्रश्न

बनाए गए होंगे। (v) बनाए गए प्रश्नों में से पूछे जाने वाले अच्छे-अच्छे प्रश्नों का चुनाव किया गया होगा।

(ख) हम इस साक्षात्कार में निम्न प्रकार के प्रश्न और जोड़ना चाहते हैं—

(i) बिरजू महाराज के बचपन के मित्रों, खेलों, शिक्षा आदि से सम्बन्धित प्रश्न।

(ii) उनके प्रिय खान-पान, बहन-भाइयों से झगड़ा होना जैसी आदतों से सम्बन्धित प्रश्न।

(iii) देश के भविष्य एवं राजनीति से सम्बन्धित प्रश्न।

(iv) धर्म-सम्प्रदाय से सम्बन्धित प्रश्न।

(ग) इन लोगों से मैं उनकी परेशानियों, किसी अन्य रोजगार के विषय में, इस रोजगार को चुनने के कारणों से संबंधित तथा व्यक्तिगत प्रश्न पूछूँगा।

सृजन

आपके विद्यालय में कथक नृत्य का आयोजन होने जा रहा है।

(क) आप दर्शकों को कथक नृत्यकला के बारे में क्या-क्या बताएँगे? लिखिए।

(ख) इस कार्यक्रम की सूचना देने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

(ग) यदि इस नृत्य कार्यक्रम में कोई दृष्टिबाधित दर्शक है और वह नृत्य का आनंद लेना चाहे तो इसके लिए विद्यालय की ओर से क्या व्यवस्था की जानी चाहिए?

उत्तर: (क) मैं दर्शकों को कथक नृत्यकला के बारे में निम्नलिखित बातें बताऊँगा— (i) कथक नृत्य की परंपरा के विषय में बताऊँगा। (ii) इसके अभिनय एवं भाव-भंगिमाओं के विषय में बताऊँगा। (iii) कथक के माध्यम से विद्यालय में कौन-सी कहानी प्रस्तुत की जायेगी, यह भी बताऊँगा।
(iv) कथक नृत्य के महत्त्व एवं प्रदर्शन के विषय में बताऊँगा।
(v) इस नृत्य की उत्पत्ति एवं विकास के विषय में बताऊँगा।
(vi) नृत्य करने वाले कलाकारों के विषय में बताऊँगा।

(ख) **कथक नृत्य कार्यक्रम हेतु विज्ञापन**

कथक नृत्य में रुचि रखने वाले सभी दर्शकों एवं श्रोताओं को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय 'शिक्षा विहार' में दिनांक 24/08/20..... को दोपहर 2:00 बजे कथक कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। विद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा ही इस कार्यक्रम का प्रदर्शन किया जायेगा। अतः सभी लोगों से अनुरोध है कि विद्यालय में समय से पधारकर कार्यक्रम का आनंद लें तथा उसकी शोभा बढ़ाएँ।

पता

....

सम्पर्क सूत्र ....

(ग) ऐसे दर्शक के लिए विद्यालय की ओर से उसके लिए अलग से बैठने की व्यवस्था, ब्रेल लिपि की व्यवस्था तथा ऑडियो की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि वे नृत्य को बेहतर से महसूस कर सकें।

आज की पहेली

"अगर नर्तक को सुर-ताल की समझ है तो वह जान पायेगा कि यह लहरा ठीक नहीं है, इसके माध्यम से नृत्य अंगों में प्रवेश नहीं करेगा।" संगीत में लय को प्रदर्शित करने के लिए ताल का सहारा लिया जाता है। किसी भी गीत की पंक्तियों में लगने वाले समय को मात्राओं द्वारा ठीक उसी प्रकार मापा जाता है, जैसे दैनिक जीवन में व्यतीत हो रहे समय को हम सेकेंड के द्वारा मापते हैं। ताल कई मात्रा समूहों का संयुक्त रूप होता है। संगीत के समय को मापने की सबसे छोटी इकाई मात्रा है और ताल कई मात्राओं का संयुक्त रूप है। जिस तरह घंटे में मिनट और मिनट और सेकेंड होते हैं, उसी तरह ताल में मात्रा होती है। आज हम आपके लिए ताल से जुड़ी एक अनोखी पहेली लाए हैं।

एक विद्यार्थी ने अपनी डायरी में अपने विद्यालय के किसी एक दिन का उल्लेख किया है। उस उल्लेख में संगीत की कुछ तालों के नाम आए हैं। आप उन तालों के नाम ढूँढ़िए—

कल हमारे विद्यालय में संगीत और नृत्य सभा का आयोजन हुआ था। उसमें एक-दो नहीं बल्कि चार कलाकार आए थे। उन कलाकारों में एक का नाम रूपक और दूसरे का नाम लक्ष्मी था। शेष दो कलाकारों के नाम पता नहीं चल पाए। वे दोनों जब अपनी प्रस्तुति के लिए मंच पर आए तो दर्शकों से पूछने लगे— "तिलवाड़ा, दादरा या झूमरा?" दर्शक बोले— "तीनों में से कोई नहीं। हमें दीपचंदी और कहरवा पसंद है।" दर्शकों की यह बात सुनते ही कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति प्रारंभ कर दी।

अब नीचे दी गई शब्द पहेली में से संगीत की उन तालों के नाम ढूँढ़कर लिखिए—

ती	झ	रू	ल	भ	ति
न	च	प	क्ष्मी	क	ल
म	ल	क	ह	र	वा
ल	इ	झू	म	रा	ड़ा
दी	प	चं	दी	दा	त
ड़	च	क	र	द	ढ़
ए	म	ल	घ	रा	क

उत्तर: 1. रूपक 2. लक्ष्मी 3. दादरा 4. झूमरा 5. तिलवाड़ा 6. दीपचंदी 7. कहरवा।

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बिरजू महाराज किसके दरबार में नाचने लगे?
   (क) राजा के (ख) नवाब के
   (ग) जमींदार के (घ) राय बहादुर के ( )
2. कथक की चर्चा कहाँ मिलती है?
   (क) रामायण में (ख) महाभारत में
   (ग) (क) और (ख) (घ) उपनिषदों में ( )
3. बिरजू महाराज ने अपने कथक में किसके भावों को शामिल कर लिया था।
   (क) बाबूजी के (ख) दोनों चाचा के
   (ग) (क) और (ख) (घ) श्रीकृष्ण के ( )
4. बिरजू महाराज एक बार किसके गाने पर देर तक नाचे?
   (क) सुरैया के (ख) हेमामालिनी के
   (ग) बैजू बावरा के (घ) मीरा के ( )
5. बिरजू महाराज के बेटी-दामाद क्या काम करते हैं?
   (क) चित्रकारी (ख) दूध का
   (ग) हलवाई का (घ) मिस्त्री का ( )

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (ग), **3.** (ग), **4.** (क), **5.** (क)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. .... में उतार-चढ़ाव तो होता ही है।
2. मैं .... के साथ-साथ बजाता और गाता भी हूँ।
3. हाँ, उसके प्रस्तुतीकरण में .... किए हैं।
4. श्रृंगार के लिए .... और होंठ रँगने के लिए पान होता था।
5. .... में मन खूब लगता है।

उत्तर: **1.** जीवन, **2.** नृत्य, **3.** बदलाव, **4.** चंदनलेप, **5.** मशीनों।

सत्य/असत्य

1. एक जमाना था जब हम लोग बड़े नवाब कहलाते थे। ( )
2. पहले कथक रोचक और अनौपचारिक रूप से कथा कहने का ढंग होता था। ( )
3. मैं सबको खुश करने के लिए फिल्मी गाने भी खूब गाता था। ( )
4. भरतनाट्यम की भाव-भंगिमा मूर्तिकला से ली जाती है। ( )
5. मेरी बहनों को भी कथक सिखाया गया था। ( )

उत्तर: **1.** असत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. ओडिसी	(क) कोमलता एवं ओज
2. कथकली	(ख) कोमलता
3. कथक की भाव-भंगिमा	(ग) ओज
4. भरतनाट्यम की भाव- भंगिमा	(घ) दैनिक जीवन से
5. कथक	(ङ) मूर्तिकला से

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (ग), **3.** (घ), **4.** (ङ), **5.** (क)।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. किसका बचपन संघर्षों से भरा था?

उत्तर: बिरजू महाराज का बचपन संघर्षों से भरा था।

2. बिरजू महाराज की शिष्या कौन थी?

उत्तर: आई.ए.एस. शोभना नारायण बिरजू महाराज की शिष्या थी।

3. बिरजू महाराज के लिए उनके पिता-चाचा किसके समान थे?

उत्तर: ब्रह्मा, विष्णु तथा महेश के समान थे।

4. बिरजू महाराज ने बचपन से ही क्या पीटना शुरू कर दिया था?

उत्तर: तबला पीटना शुरू कर दिया था।

5. बिरजू महाराज चित्र बनाने रात को कितने बजे के बाद बैठते थे?

उत्तर: रात को बारह बजे के बाद बैठते थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बिरजू महाराज की अम्मा उनसे बार-बार क्या कहा करती थीं?

उत्तर: बिरजू महाराज की अम्मा कहा करती थीं कि खाने को भले ही चना मिले या कुछ भी न मिले पर अभ्यास जरूर करो।

2. कथक की पुरानी परंपरा के विषय में बिरजू महाराज ने क्या बताया था?

उत्तर: उन्होंने बताया था कि कथक की पुरानी परंपरा को तो हमने कायम रखा है परन्तु, उसके प्रस्तुतीकरण में बदलाव किए हैं।

3. शास्त्रीय नृत्य की प्रमुख शैलियाँ कौन-कौन सी हैं?

उत्तर: शास्त्रीय नृत्य की प्रमुख शैलियाँ हैं— कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथकली, मोहिनीअट्टम, ओडिसी तथा मणिपुरी।

4. अपनी बहन-बेटियों को कथक सिखाने के विषय में बिरजू महाराज ने क्या बताया है?

उत्तर: उन्होंने इस विषय में बताया है कि मेरी बहनों को कथक नहीं सिखाया गया परन्तु मैंने अपनी बेटियों को खूब कथक सिखाया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. अपने हरिया गाँव के नाले के विषय में बिरजू महाराज ने क्या कहानी बतायी थी?

उत्तर: उन्होंने बताया कि गाँव में एक बैरगिया नाम का एक नाला है। एक बार नौ कथिक नाले के पास से गुजर रहे थे तभी तीन डाकू वहाँ आ पहुँचे। कुछ कथिक डर गए, किंतु उन कथिकों की कला में इतना दम था कि डाकू सब कुछ भूलकर उन कथिकों के कथक में मग्न हो गए। तब से यह पद लोगों में प्रचलित हो गया—
बैरगिया नाला जुलुम जोर, नौ कथिक नचावैं तीन चोर।
जब तबला बोले धीन-धीन, तब एक-एक पर तीन-तीन।।

2. बिरजू महाराज ने कथक सीखने के विषय में क्या बताया?

उत्तर: बिरजू महाराज ने कथक सीखने के विषय में बताया है कि मेरे गुरु थे मेरे पिता अच्छन महाराज, चाचा शंभू महाराज और लच्छू महाराज। घर में चूँकि कथक का माहौल था, अतः औपचारिक प्रशिक्षण शुरू होने से पहले ही मैं देख-देखकर कथक सीख गया था और नवाब के दरबार में नाचने भी लगा था। कथक की तालीम शुरू करते समय गुरु शिष्यों को गंडा (ताबीज) बाँधते हैं और गुरु अपने शिष्य को भेंट देता है। गंडा गुरु और शिष्य के बीच पवित्र रिश्ता होता है।

9 चिड़िया

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

आइए, अब हम इस कविता पर विस्तार से चर्चा करें। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. कविता के आधार पर बताइए कि इनमें से कौन-सा गुण पक्षियों के जीवन में नहीं पाया जाता है?

- प्रेम-प्रीति
- मिल-जुलकर रहना
- लोभ और पाप
- निर्भय विचरण

उत्तर— लोभ और पाप।

2. "सब मिल-जुलकर रहते हैं वे, सब मिल-जुलकर खाते हैं" कविता की यह पंक्ति किन भावों की ओर संकेत करती है?

- असमानता और विभाजन
- प्रतिस्पर्धा और संघर्ष
- समानता और एकता
- स्वार्थ और ईर्ष्या

उत्तर— समानता और एकता।

3. "वे कहते हैं, मानव! सीखो, तुम हमसे जीना जग में" कविता में पक्षी मनुष्य से कैसा जीवन जीने के लिए कहते हैं?

- आकाश में उड़ते रहना
- बंधन में रहना
- स्वच्छंद रहना
- संचय करना

उत्तर– स्वच्छंद रहना।

(ख) अब अपने मित्रों के साथ मिलकर चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर : 1. मेरे अनुसार लोभ और पाप के गुण पक्षियों के जीवन में नहीं पाए जाते हैं क्योंकि कविता में स्पष्ट कहा गया है कि उनके (पक्षियों) मन में लोभ और पाप नहीं होता है।

2. मेरे अनुसार सब मिल-जुलकर रहते हैं, ये सब मिल-जुलकर खाते हैं। कविता की यह पंक्ति समानता और एकता के भावों की ओर संकेत करती है क्योंकि मिलकर रहने और मिलकर खाने में समानता व एकता की झलक मिलती है।

3. मेरे अनुसार कविता में पक्षी मनुष्य से स्वच्छंद रहने के लिए कहते हैं क्योंकि जीवन की सार्थकता स्वच्छंद यानी मुक्त रहने में है, न कि बंधनों में बँध जाने में।

मिलकर करें मिलान

कविता में से चुनकर कुछ संदर्भ नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर बातचीत कीजिए और इन्हें इनके सही भावों से मिलाइए। इनके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने परिजनों और शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

	संदर्भ		भाव
1.	चिड़िया की बोली	1.	बंधन और लालच
2.	सोने की कड़ियाँ	2.	श्रम और संतोष
3.	निर्भय विचरण	3.	बंधन से मुक्ति
4.	मुक्ति मंत्र	4.	स्वतंत्रता और निर्बाध जीवन
5.	दिनभर काम	5.	प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश

उत्तरः **1.** (5), **2.** (1), **3.** (4), **4.** (3), **5.** (2)।

पंक्तियों पर चर्चा

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं, इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार कक्षा में अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए।

(क) ''चिड़िया बैठी प्रेम-प्रीति की
रीति हमें सिखलाती है!''

(ख) ''उनके मन में लोभ नहीं है,
पाप नहीं, परवाह नहीं''

(ग) "सीमा-हीन गगन में उड़ते,
निर्भय विचरण करते हैं"

उत्तर– (क) प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ है– चिड़िया पीपल के पेड़ की डाली पर बैठकर मधुर गीत गाती है। अपने गीत के द्वारा वह मनुष्य को प्रेम और सौहार्द से जीवन जीने का तरीका सिखाती है। वह मनुष्य को वैर और द्वेष की भावना को छोड़ने की प्रेरणा देती है।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ है कि पक्षियों के मन में न तो कोई लालच होता है, न ही कोई अनैतिक भावना और न ही किसी चीज की अत्यधिक चिंता। कहने का भाव यह है कि पक्षी लालचमुक्त जीवन जीते हैं।

(ग) प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ है कि पक्षी सीमा-हीन यानी अनंत आकाश में स्वतंत्रता से उड़ते हैं और बिना डर के वहाँ विचरण करते हैं अर्थात् वे आत्मनिर्भर हैं। इसलिए कहीं पर भी घूमते-फिरते हैं।

सोच-विचार के लिए

नीचे कविता की कुछ पंक्तियाँ और उनसे संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। कविता पढ़ने के बाद अपनी समझ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) "सब मिल-जुलकर रहते हैं वे, सब मिल-जुलकर खाते हैं"पक्षियों के आपसी सहयोग की यह भावना हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) "जो मिलता है, अपने श्रम से उतना भर ले लेते हैं" पक्षी अपनी आवश्यकता भर ही संचय करते हैं। मनुष्य का स्वभाव इससे भिन्न कैसे है?

(ग) "हम स्वच्छंद और क्यों तुमने, डाली है बेड़ी पग में?" पक्षी को स्वच्छंद और मनुष्य को बेड़ियों में क्यों बताया गया है?

उत्तर– (क) पक्षियों के आपसी सहयोग की भावना हमारे (मनुष्य) लिए बहुत उपयोगी है क्योंकि पक्षी बिना किसी मतभेद के मिल-जुलकर रहते हैं। अगर हम भी मिलकर रहें और काम करें तो समाज में तनाव, टकराव और स्वार्थ की भावना कम हो सकती है। एकजुटता से समाज में समानता, भाईचारा और प्रेम की भावना विकसित हो सकती है।

(ख) पक्षी अपनी आवश्यकतानुसार ही संचय करते हैं। मनुष्य का स्वभाव इससे भिन्न है क्योंकि मनुष्य भविष्य की चिंता में या स्वार्थवश अक्सर अपनी आवश्यकता से कहीं अधिक संग्रह करता है। ज्यादा संचित करने की सोच में वह दूसरों के हिस्से पर भी हड़प कर लेता है। इससे लालच, भय, असंतोष उत्पन्न हो जाता है।

(ग) पक्षियों के स्वच्छंद और मनुष्य को बेड़ियों में इसलिए बताया गया है क्योंकि पक्षी बंधन से मुक्त होते हैं। उन्होंने अपनी इच्छाओं, स्वार्थ और संग्रह की प्रवृत्ति को सीमित रखा है, जबकि मनुष्य 'बेड़ियों से बँधा' हुआ है। वह अपने विचारों, इच्छाओं और समाज द्वारा तय की गई सीमाओं में

उलझा हुआ है। वह बाहर से आजाद दिखता है किंतु भीतर से बंधनों में जकड़ा हुआ है।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर संवाद कीजिए—

1. चिड़िया मनुष्य की स्वतंत्रता का संदेश देती है, आपके अनुसार मनुष्य के पास किन कार्यों को करने की स्वतंत्रता है और किन कार्यों को करने की स्वतंत्रता नहीं हैं?
2. चिड़िया और मनुष्य का जीवन एक-दूसरे से कैसे भिन्न है?
3. चिड़िया कहीं भी अपना घर बना सकती है, यदि आपके पास चिड़िया जैसी सुविधा हो तो आप अपना घर कहाँ बनाना चाहेंगे और क्यों?
4. यदि आप चिड़िया की भाषा समझ सकते तो आप चिड़िया से क्या बातें करते?

उत्तर— 1. मनुष्य को निम्नलिखित कार्यों को करने की स्वतंत्रता है— (i) निर्णय लेने की स्वतंत्रता।
(ii) श्रम करने की स्वतंत्रता।
(iii) सही और गलत का चुनाव करने की स्वतंत्रता आदि।
मनुष्य को निम्न कार्यों को करने की स्वतंत्रता नहीं है—
(i) दूसरों को हानि पहुँचाने की।
(ii) प्रकृति को नष्ट करने की।
(iii) नफरत फैलाने की।
(iv) अनुशासनहीनता फैलाने की।

2.

	चिड़िया		मनुष्य
(i)	स्वतंत्र व स्वच्छन्द रहती है।	**(i)**	जीवन बंधनयुक्त होता है।
(ii)	सीमित आवश्यकताएँ हैं।	**(ii)**	इच्छाएँ व आवश्यकताएँ असीमित होती हैं।
(iii)	सरल व सहज जीवन जीती हैं।	**(iii)**	जीवन कठिन, जटिल होता है।
(iv)	चिड़ियाँ संग्रह नहीं करती।	**(iv)**	संचय करता व योजनाएँ बनाता है।
(v)	ईर्ष्या, द्वेष, लालच नहीं होता।	**(v)**	ईर्ष्या, द्वेष, लालच से जीवन घिरा रहता है।

3. अगर मुझे चिड़िया जैसी स्वतंत्रता और सुविधाएँ मिलें तो मैं अपना घर ऐसे स्थान पर बनाना पसंद करूँगा, जहाँ प्राकृतिक सौंदर्य, शांति और आत्मिक संतुष्टि हो।

नोट— विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार उत्तर लिखें।

4. अगर मैं चिड़िया की भाषा समझ सकता तो मैं निम्न बातें करता/करती—
(i) मैं चिड़िया से उसके अनंत आकाश में उड़ने तथा उससे प्राप्त अनुभव के बारे में पूछता।
(ii) उनसे अन्य पक्षियों के साथ सामंजस्य बिठाने तथा निर्भय होकर जीने के बारे में पूछता।
(iii) उनसे अगले दिन यानी भविष्य के भोजन की चिंता करने या न करने और बच्चों के भविष्य की चिंता आदि के बारे में बातें करता।
मैं यह सब बातें चिड़िया से करता/करती क्योंकि ये सब पूछकर मैं उसकी स्वतंत्रता, स्वच्छंदता तथा उन्मुक्तता के बारे में जानना चाहता/चाहती।

कविता की रचना

"सब मिल-जुलकर रहते हैं वे
सब मिल-जुलकर खाते हैं"

रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। ये शब्द लिखने-बोलने में एक जैसे हैं। इस तरह की शैली प्रायः कविता में आती है। अब आप सब मिल-जुलकर नीचे दी गई कविता को आगे बढ़ाइए—

संकेत— सब मिल-जुलकर हँसते हैं वे
सब मिल-जुलकर गाते हैं.....
....
....

उत्तर: जीवन साझा करते हैं वे;
सुख-दुख साझा करते हैं वे।

भाषा की बात

"पीपल की ऊँची डाली पर
बैठी चिड़िया **गाती** है!
तुम्हें ज्ञात क्या अपनी
बोली में संदेश **सुनाती** है?"

रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। 'गाती' और 'सुनाती' रेखांकित शब्दों से चिड़िया के गाने और सुनाने के कार्य का बोध होता है। वे शब्द जिनसे कार्य करने या होने का बोध होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं। कविता में ऐसे क्रिया शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए और उनसे नए वाक्य बनाइए।

उत्तर— कविता में आये क्रिया शब्द तथा उनसे बने वाक्य निम्नलिखित हैं—

1. सिखलाती (सिखाती)— मेरी माताजी मुझे अच्छी बातें सिखलाती हैं।
2. बतलाती (बताती)— दोनों सखियाँ उस घटना के बारे में एक-दूसरे को बतलाती हैं।
3. खाते हैं— हम सब मिलकर खाना खाते हैं।
4. सो जाते — रात के दस बजे हम सो जाते हैं।
5. भरते हैं— बच्चे साइकिल में पंप से हवा भरते हैं।
6. उड़ जाती है— हवा उड़ जाती है।

पाठ से आगे

भावों की बात

(क) जब आप नीचे दिए गए दृश्य देखते हैं तो आपको कैसा महसूस होता है? अपने उत्तर के कारण भी सोचिए और बताइए। आप नीचे दिए गए भावों में से शब्द चुन सकते हैं। आप किसी भी दृश्य के लिए एक से अधिक शब्द भी चुन सकते हैं।

प्रेम, वीरता, दया, करुणा, क्रोध, हँसी, आनंद, डर, घृणा, आश्चर्य, ममता, शांति, सुख, दुःख, ईर्ष्या, गर्व, निराशा, आभार, उत्साह, चिंता, आत्मविश्वास, सहानुभूति, उदासीनता, शंका।

	दृश्य	भाव
1.	आपको कहीं से किसी पक्षी के चहचहाने की आवाज सुनाई देती है।	....
2.	शाम के समय किसी पेड़ पर अनगिनत पक्षी एक साथ चहचहा रहे हैं।	....
3.	कोई गाय अपने बच्चे को दूध पिला रही है।	....
4.	कोई व्यक्ति अपने वाहन की खिड़की से कूड़ा बाहर फेंक देता है।	....
5.	कोई बच्चा किसी व्यर्थ कागज को कूड़ेदान में डाल देता है।	....
6.	कोई व्यक्ति बिना हेलमेट पहने बहुत तेज बाइक चला रहा है।	....
7.	दो प्राणी किसी कारण लड़ रहे हैं।	....
8.	एक व्यक्ति जिसके पैर नहीं हैं, वह विशेष रूप से बनाई गई तिपहिया गाड़ी पर यात्रा कर रहा है।	....
9.	किसी स्थान पर नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए भारती (ब्रेल) लिपि में सूचनाओं के बोर्ड लगे हैं।	....
10.	कोई व्यक्ति किसी को अपशब्द कह रहा है।	....
11.	कोई व्यक्ति किसी जरूरतमंद भूखे को भोजन दे रहा है।	....
12.	कोई लड़का स्वादिष्ट भोजन बनाकर अपनी बहन को खिला रहा है।	....

(ख) उपर्युक्त भावों में से आप कौन-से भाव कब-कब अनुभव करते हैं? भावों के नाम लिखकर उन स्थितियों के लिए एक-एक वाक्य लिखिए।
(संकेत— आत्मविश्वास— जब मैं अकेले पड़ोस की दुकान से कुछ खरीदकर ले आता हूँ।)

उत्तर— (क) (1) आनंद, शांति, (2) उल्लास, खुशी, (3) ममता, करुणा, (4) गुस्सा, क्रोध, (5) प्रेम, गर्व, आत्मविश्वास, (6) चिंता, डर, आश्चर्य, (7) गुस्सा, शंका, (8) गर्व, प्रेरणा, (9) सहानुभूति, संवेदनशीलता, सहयोग आभार (10) क्रोध, दुःख, (11) करुणा, दया, (12) ममता, प्रेम।

कारण :

1. पक्षियों की चहचहाहट मन को शांति और आनंद देती है।

2. शाम के समय पेड़ पर अनगिनत पक्षियों का चहचहाना मन में उत्साह और खुशी का संचार करता है।

3. गाय द्वारा बच्चे के दूध पिलाने पर मन में ममता और करुणा का उद्‌गार होता है।

4. ऐसा व्यवहार मन में गुस्सा और दुःख उत्पन्न करता है क्योंकि यह पर्यावरण के लिए हानिकारक है।

5. बच्चा स्वच्छता का पालन करता है। इससे उसके प्रति प्रेम, गर्व होता है तथा दूसरों को प्रेरणा मिलती है।

6. यह यातायात के नियमों का उल्लंघन है। इससे चिंता, डर तथा आश्चर्य उत्पन्न होता है क्योंकि उसकी सुरक्षा की चिंता होती है।

7. झगड़े से क्रोध उत्पन्न होता है और झगड़ा बढ़ने की शंका रहती है।

8. ऐसा व्यक्ति अपने गर्वपूर्ण कार्य से लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनता है।

9. यह देखकर लगता है समाज नेत्रहीन व्यक्तियों के साथ खड़ा है।

10. ऐसे कार्य निंदनीय हैं जो मन में क्रोध, दुःख और घृणा पैदा करते हैं।

11. ऐसा दृश्य मन में इंसानियत और करुणा का भाव भरता है।

12. ऐसे कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं जो मन में ममता और प्रेम को उत्पन्न करते हैं।

(ख) (i) वीरता— जब किसी को सड़क पर चोट लगी हो और सब चुपचाप देख रहे हों, उस समय उस व्यक्ति की मदद करने जाता हूँ।

(ii) करुणा— जब किसी गरीब, असहाय या बीमार व्यक्ति को तकलीफ में देखता हूँ।

(iii) आनंद— जब किसी गरीब की कुछ सहायता करता हूँ।

(iv) आश्चर्य— जब कोई ऐतिहासिक इमारत को देखता हूँ।

(v) प्रेम— जब अपनी माताजी के साथ बातें करता हूँ।

(vi) शांति — जब अपनी पसंद का कोई काम करता हूँ जैसे— चित्र बनाना।

(vii) डर— जब किसी भूत की फिल्म या डरावना स्वप्न देखता हूँ।
(viii) चिंता— जब मैं बीमार पड़ता हूँ।
नोट : विद्यार्थी स्वयं भावों के नाम लिखकर उनसे एक-एक वाक्य बनाएँगे।

आज की पहेली

कविता में आपने कई पक्षियों के नाम पढ़े। अब आपके सामने पक्षियों से जुड़ी कुछ पहेलियाँ दी गई हैं। पक्षियों को पहचानकर सही चित्रों के साथ रेखा खींचकर जोड़िए—

(क) दिखने में हूँ हरा-हरा
कहता हूँ सब खरा-खरा
खाता हूँ मैं मिर्ची लाल
कहते सब मुझे मिट्ठूलाल

(ख) सुंदर काले मेरे नैन
श्वेत श्याम हैं मेरे डैन
उड़ता रहता हूँ दिन-रैन
खेलूँ पानी में तो आए चैन

(ग) संदेश पहुँचाना मेरा काम
देता हूँ शांति का पैगाम
करता हूँ मैं गूटर-गूँ
आओगे पास तो हो जाऊँगा छू

(घ) पीता हूँ बारिश का बूँदें
रखता हूँ फिर आँखें मूँदे
देखो चकोर है मेरी साथी
बिन उसके घूमूँ ऊँघे-ऊँघें।

(ङ) रहता है घर के आस-पास
रंग है उसका काला-खास
जो भी दोगे खाता है वो
झुंड में आ जाता है वो

(च) कूहू कूहू मधुर आवाज सुनाती
घर अपना मैं कहाँ बनाती
काली हूँ पर काक नहीं
बतलाओ मैं क्या कहलाती

(छ) तन मेरा सफेद
गर्दन मेरी लंबी
नाम बताओ सच्ची-सच्ची
कहलाता हूँ मैं जलपक्षी

उत्तर — (क) तोता (ख) खंजन (ग) कबूतर (घ) चातक (ङ) कौआ (च) कोयल (छ) हंस।

चित्र की बात

इन तीनों चित्रों को ध्यान से देखिए और बताइए—
आप पक्षियों को इनमें से कहाँ देखना पसंद करेंगे और क्यों?

उत्तर— मैं पक्षियों को तीसरे चित्र अर्थात् जंगल-उपवन में देखना पसंद करूँगा/करूँगी, क्योंकि पक्षियों को स्वतंत्र और प्राकृतिक वातावरण बेहद पसंद होता है। वहाँ वे बिना किसी डर के रह सकते हैं। वे अपनी मर्जी से उड़ सकते हैं, गा सकते हैं तथा कहीं भी आ-जा सकते हैं। पक्षियों की असली खुशी उनके खुले पंखों में होती है, पिंजरों या ऊँची इमारतों में नहीं। अत: खुले बाग-बगीचे या उपवन ही पक्षियों के रहने के लिए उचित स्थान हैं।

निर्भय विचरण

"सीमा-हीन गगन में उड़ते,
निर्भय विचरण करते हैं"

कविता की इन पंक्तियों को पढ़िए और इन चित्रों को देखिए। इन चित्रों को देखकर आपके मन में क्या विचार आ रहे हैं?
(**संकेत—** जैसे इन चित्रों में कौन निर्भय विचरण कर रहा है?)
उत्तर— दिए गए चित्रों को देखकर हमारे मन में कई विचार आ रहे हैं जैसे— पहले चित्र में पशु-पक्षी स्वतंत्र रूप से जंगल में विचरण कर रहे हैं और मनुष्य गाड़ी में बंद होकर देख रहे हैं, जबकि दूसरे चित्र में पशु-पक्षी पिंजरों में कैद हैं और मनुष्य स्वतंत्र रूप से घूमकर उन्हें देख रहे हैं। अत: पहला चित्र पशु-पक्षियों की स्वतंत्रता को और दूसरा दृश्य उनकी पराधीनता को व्यक्त कर रहा है। यह देखकर हमारे मन में दु:ख और आक्रोश का भाव उत्पन्न हो रहा है। पशु-पक्षी स्वतंत्र रूप से रहना पसंद करते हैं। उन्हें पिंजरों में कैद करके उनकी स्वतंत्रता समाप्त की जा रही है जो कि किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

साथ-साथ

"वन में जितने पंछी हैं, खंजन,
कपोत, चातक, कोकिल;
काक, हंस, शुक आदि वास
करते सब आपस में हिलमिल!"

1. वन में सारे पक्षी एक साथ रह रहे हैं, हमारे परिवेश में भी पशु-पक्षी साथ रहते हैं। आप विचार कीजिए कि हमारे परिवेश में उनका रहना क्यों आवश्यक है?

2. हम अपने आस-पास रहने वाले पशु-पक्षियों की सहायता कैसे कर सकते हैं?

उत्तर–1. हमारे परिवेश में पशु-पक्षियों का रहना आवश्यक है क्योंकि पशु-पक्षी हमारे पर्यावरण के संरक्षक, संतुलनकर्त्ता और सुंदरता बढ़ाने वाले मित्र हैं। कई कार्यों में ये हमारे सहायक भी हैं। यदि वे नहीं होंगे तो न प्रकृति रहेगी, न धरती रहेगी और न ही हम जीवित रहेंगे। इसलिए पशु-पक्षियों का संरक्षण और दयाभाव रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

2. हम अपने आस-पास रहने वाले पशु-पक्षियों की सहायता निम्न तरीकों से कर सकते हैं–

(i) पक्षियों के लिए एक बर्तन में पानी और कुछ अनाज रखकर।

(ii) पेड़-पौधे लगाकर और उन्हें सुरक्षित रखकर।

(iii) बेसहारा जानवरों को खाना और पानी देकर।

(iv) घायल पशु-पक्षियों को चिकित्सा सहायता देकर।

(v) लोगों को पशु-पक्षियों के प्रति जागरूक करके आदि।

नोट– विद्यार्थी अपने विचार साझा कर सकते हैं।

शब्द एक अर्थ अनेक

"उनके मन में लोभ नहीं है", इस पंक्ति में 'मन' का अर्थ 'चित्त' (बुद्धि) है, किंतु 'मन' शब्द के अन्य अर्थ भी हो सकते हैं। अब नीचे कुछ और पंक्तियाँ दी गई हैं, उन्हें भी पढ़िए–

(क) आज मेरा मन पहाड़ों पर जाने को कर रहा है।

(ख) व्यापारी ने किसान से 10 मन अनाज खरीदा।

उपर्युक्त वाक्यों में 'मन' शब्द का प्रयोग अलग-अलग अर्थों/संदर्भों में किया गया है। इस प्रकार हम देखते हैं कि एक ही शब्द दूसरे संदर्भ में अलग-अलग अर्थ दे रहा है। आइए, इससे संबंधित एक और रोचक उदाहरण देखते हैं–

"मंगल ने मंगल से कहा कि मंगल को मंगल होगा।"

(**संकेत**– इस वाक्य में एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से दिन, ग्रह और शुभ कार्य की चर्चा कर रहा है।)

आगे कुछ और ऐसे ही शब्द दिए गए हैं। दिए गए शब्दों का अलग-अलग अर्थों या संदर्भों में प्रयोग कीजिए–

(क) कर, (ख) जल, (ग) अर्थ (घ) फल (ङ) आम

उत्तर–(क) **कर**

हाथ– गुरुजी ने अपने कर-कमल शीश पर रखे।

शुल्क– राहुल ने बैंक का कर अभी भी जमा नहीं किया।

(ख) **जल**

पानी– मैं प्रतिदिन शिवलिंग जल चढ़ाता हूँ।

जलना– मोहन सोहन की तरक्की देखकर जल गया।

(ग) **अर्थ**

मतलब– 'साधना' का अर्थ क्या है?

धन– अर्थ द्वारा सुख प्राप्ति संभव नहीं है।

(घ) **फल**

खाने की वस्तु– डॉक्टर ने रोज फल खाने को कहा है।

परिणाम– मेहनत का फल मीठा होता है।

(ङ) **आम**

साधारण– आम जनता के लिए योजनाएँ बनी हैं।

फल– पेड़ पर ढेर सारे आम लगे हैं।

हमारा पर्यावरण

मनुष्य बिना सोचे-समझे जंगलों की लगातार कटाई कर रहा है, जिससे पशु-पक्षियों का जीवन प्रभावित हो रहा है। मनुष्य द्वारा किए जा रहे ऐसे कार्यों की एक सूची बनाइए, जिनसे पर्यावरण व हमारे परिवेश के पशु-पक्षियों के लिए संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस संकट की स्थिति से बचने के लिए क्या-क्या उपाय किए जा सकते हैं? लिखिए। आप इस कार्य में शिक्षक, इंटरनेट और पुस्तकालय की सहायता भी ले सकते हैं। (**संकेत**– जैसे– ऊँचे भवनों का निर्माण......)

उत्तर– नुष्य द्वारा किए जा रहे ऐसे काम, जिनसे पर्यावरण व हमारे परिवेश के पशु-पक्षियों के लिए संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है, वे निम्न हैं–

1. वनों की कटाई की जा रही है और वहाँ कृषि कार्य, इमारतें और उद्योग लगाए जा रहे हैं, जिनसे जानवरों का प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहा है।

2. प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण तथा पशु-पक्षियों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है।

3. कीटनाशकों और रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से खान-पान की वस्तुएँ, नदियाँ, मिट्टी आदि प्रभावित हो रही हैं।

4. प्रदूषण में वृद्धि से पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

इस संकट से बचने के लिए निम्न उपाय किए जा सकते हैं–

(i) वनों का संरक्षण करें, पेड़ लगाएँ और अवैध कटाई रोकें।

(ii) प्लास्टिक का उपयोग कम करें।

(iii) पुनः चक्रण और पुनः उपयोग को बढ़ावा दें।

(iv) प्रदूषण को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें या साइकिल या पैदल यात्रा करें।

(v) पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता फैलाएँ।

नोट– अधिक जानकारी हेतु विद्यार्थी अध्यापक अथवा इंटरनेट की मदद ले सकते हैं।

परियोजना कार्य

(क) पर्यावरण संरक्षण के लिए हम अपने स्तर पर कुछ प्रयास कर सकते हैं। आप अपने विद्यालय, आस-पास और घरों में देखिए कि किन-किन कार्यों में प्लास्टिक के थैले का प्रयोग किया जाता है? उन कार्यों की सूची बनाइए। अब इनमें प्रयोग किए जा रहे प्लास्टिक के थैलों के विकल्पों पर विचार कीजिए और लिखिए।

(संकेत– जैसे- हम प्लास्टिक के थैले की जगह कागज या कपड़े के थैले का प्रयोग किन-किन कार्यों में कर सकते हैं।)

(ख) सभी विद्यार्थी 'पर्यावरण बचाओ' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक तैयार करें और उसकी प्रस्तुति विद्यालय प्रांगण में करें।

उत्तर– (क) विद्यालय, हमारे आसपास और घरों में प्लास्टिक के थैलों का प्रयोग निम्न कार्यों में किया जाता है–

1. कागजात व किताबों को रखने के लिए प्लास्टिक के थैलों का उपयोग किया जाता है।
2. दुकानदार सब्जी व फल प्लास्टिक की थैली में देता है।
3. चावल, दाल, शक्कर आदि सूखे सामान को प्लास्टिक की थैलियों में पैक करके बेचा जाता है।
4. दवाई, कचरा व अन्य वस्तुओं की डिलीवरी या टेकअवे में प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग किया जाता है।

प्लास्टिक के थैलों के विकल्प निम्न हैं–

1. कपड़े का थैला। 2. जूट का थैला।
3. कागज का बैग।
4. बाँस/पत्तों से बने पारंपरिक थैले।
5. नाइलॉन या मजबूत फाइबर के बार-बार उपयोग किए जा सकने वाले बैग आदि।

(ख) विद्यार्थी अध्यापकों की मदद से स्वयं करें।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बोली का अर्थ है?
   (क) खाना (ख) भाषा
   (ग) खेल (घ) रंग ( )
2. कवि ने किनको मिल-जुलकर रहने का संदेश दिया है?
   (क) पशु और पक्षियों को (ख) मनुष्यों को
   (ग) नदी-नालों को (घ) पेड़-पौधों को ( )
3. पक्षी कहाँ निर्भय विचरण करते हैं?
   (क) जमीन (ख) आकाश
   (ग) पेड़ (घ) पर्वत ( )
4. मोर का नृत्य किस भावना को व्यक्त करता है?
   (क) दुख (ख) थकान
   (ग) गुस्सा (घ) प्रसन्नता ( )
5. 'अपनी दुनिया बसाना' का अर्थ है?
   (क) नया घर बनाना (ख) कहीं रहने लगना
   (ग) पेड़ों को काटना (घ) उड़कर जाना ( )

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (ख), **3.** (ख), **4.** (घ), **5.** (ख)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. सब पक्षी .... रहते हैं।
2. पक्षी प्रेमपूर्वक .... रहते हैं।
3. पक्षियों का जीवन .... और .... का प्रतीक है।
4. वे .... में उड़ान भरते हैं।
5. पक्षियों का जीवन .... से .... होता है।

उत्तर: **1.** मिल-जुलकर, **2.** साथ-साथ, **3.** स्वतंत्रता, प्रेम, **4.** झुंड, **5.** बंधनों, मुक्त।

सत्य/असत्य

1. चिड़िया मेहनती होती है। ( )
2. चिड़ियाँ किसी के घर में घोंसला नहीं बनातीं। ( )
3. पीपल के पेड़ की सबसे ऊँची शाखा पर चिड़िया बैठी थी। ( )
4. पशु-पक्षी मिल-जुलकर रहते हैं। ( )
5. मनुष्य को प्रकृति से प्रेम नहीं करना चाहिए। ( )

उत्तर: **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

सुमेलन

स्तंभ (अ) और स्तंभ (ब) का मिलान कीजिए–

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. डाल	(क) भाईचारा
2. स्वतंत्रता	(ख) प्रकृति से प्राप्त
3. मिल-जुलकर रहना	(ग) प्रेम और स्वतंत्रता
4. पक्षियों का भोजन	(घ) बंधन मुक्त जीवन
5. कविता का संदेश	(ङ) पक्षियों का विश्राम स्थान

उत्तर: 1. (ङ), 2. (घ), 3. (क), 4. (ख), 5. (ग)।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. चिड़िया किस पेड़ पर बैठी है?

उत्तर: पीपल के पेड़ पर चिड़िया बैठी है।

2. चिड़िया कहाँ बैठी है?

उत्तर: ऊँची डाली पर चिड़िया बैठी है।

3. चिड़िया क्या कर रही है?

उत्तर: चिड़िया गा रही है।

4. 'ज्ञात' का अर्थ क्या है?

उत्तर: 'ज्ञात' का अर्थ है- मालूम या पता।

5. चिड़िया किसकी बोली में संदेश देती है?

उत्तर: अपनी बोली में चिड़िया संदेश देती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. चिड़िया से मनुष्य को कौन-सी शिक्षा मिलती है?

उत्तर: मनुष्य को चिड़िया से सरलता, भाईचारे, स्वतंत्रता और प्रेम से जीवन जीने की शिक्षा मिलती है।

2. कविता में 'स्वतंत्रता' का क्या अर्थ है?

उत्तर: बंधनमुक्त होकर, निश्चिंत और स्वच्छंद (स्वतंत्र) जीवन जीना।

3. चिड़िया के माध्यम से कवि ने किस समाज की कल्पना की है?

उत्तर: कवि ने चिड़िया के माध्यम से ऐसे समाज की कल्पना की है जहाँ लोग प्रेम, समानता व स्वतंत्रता से मिल-जुलकर रहते हों।

4. चिड़िया किस प्रकार का जीवन जीती है?

उत्तर: चिड़िया चिंता-मुक्त, स्वतंत्र, मेहनती जीवन जीती है। वह अपने जीवन में बंधन या सीमाओं की चिंता नहीं करती।

5. कवि ने चिड़िया को किसका प्रतीक माना है और क्यों?

उत्तर: कवि ने चिड़िया को स्वतंत्रता और प्रेम का प्रतीक माना है, क्योंकि वह किसी भी बंधन में बँधकर नहीं रहती और सबके साथ मिल-जुलकर रहती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

* आपके विचार में 'चिड़िया' कविता हमें क्या शिक्षा देती है? इसका सकारात्मक पक्ष भी प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: चिड़िया कविता यह शिक्षा देती है कि हमें जीवन को सरलता, स्वतंत्रता और प्रेम से जीना चाहिए। हमें आपसी भाईचारे और एकता का पालन करना चाहिए तभी समाज सुखी और शांतिपूर्ण बन सकता है।

यदि हम अपने परिवेश में एकता और भाईचारा बनाकर रखें तो हमें किसी प्रकार के संकटों का सामना नहीं करना पड़ सकता अर्थात् हमारी समस्याएँ आधी और सामर्थ्य दूनी हो सकती है। हमारा परिवेश बड़ा ही शांतिपूर्ण और सुकूनमय बन सकता है। न कहीं चोरी का भय, न ही धन की चिंता और न ही अकेलापन।

○○

10 मीरा के पद

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

पाठ से

आइए, अब हम इस कविता पर विस्तार से चर्चा करें। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. "बसो मेरे नैनन में नंदलाल" पद में मीरा किनसे विनतीकर रही हैं?

- संतों से
- भक्तों से
- वैजंती से
- श्रीकृष्ण से

उत्तर: श्रीकृष्ण से।

2. "बसो मेरे नैनन में नंदलाल" पद का मुख्य विषय क्या है?

- प्रेम और भक्ति
- प्रकृति की सुंदरता
- युद्ध और शांति
- ज्ञान और शिक्षा

उत्तर: प्रेम और भक्ति।

3. "बरसे बदरिया सावन की" पद में कौन-सी ऋतु का वर्णन किया गया है?

- सर्दी
- गरमी
- वर्षा
- वसंत

उत्तर : वर्षा।

4. "बरसे बदरिया सावन की" पद को पढ़कर ऐसा लगता है, जैसे मीरा —

● प्रसन्न हैं। ● दुखी हैं। ● उदास हैं। ● चिंतित हैं।

उत्तर : प्रसन्न हैं।

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर : मैंने ये उत्तर इसलिए चुने क्योंकि इन पदों को पढ़ने के बाद उनके भावों और शब्दों से यह स्पष्ट होता है कि मीरा का भाव भक्ति और प्रेम से भरा हुआ है।

1. पहले पद "बसो मेरे नैनन में नन्दलाल" में मीरा सीधे श्रीकृष्ण से विनती करती हैं।
2. पद का भाव बहुत प्रेमपूर्ण व भक्ति से भरा हुआ है, इसलिए इसका मुख्य विषय प्रेम और भक्ति ही हो सकता है।
3. "बरसे बदरिया सावन की" पद में सावन का मौसम, बादल, वर्षा और ठंडी हवा का वर्णन किया गया है, इसलिए यह वर्षा ऋतु का चित्रण करता है।
4. पद को पढ़कर ऐसा लगता है कि मीरा बहुत प्रसन्न हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि श्रीकृष्ण आने वाले हैं, इसलिए उनके भाव प्रसन्नता को दर्शाते हैं।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

	शब्द		अर्थ/संदर्भ
1.	नंदलाल	1.	पर्वत को धारण करने वाले, श्रीकृष्ण
2.	वैजंती माला	2.	श्रावण का महीना, आषाढ़ के बाद का और भाद्रपद के पहले का महीना
3.	सावन	3.	वैजयंती पौधे के बीजों से बनने वाली माला
4.	गिरधर	4.	नंद के पुत्र, श्रीकृष्ण

उत्तरः **1.** (4), **2.** (3), **3.** (2), **4.** (1)।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें पढ़कर आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए।

(क) "नन्हीं नन्हीं बूँदन मेहा बरसे, शीतल पवन सोहावन की।।"

(ख) "मीरा के प्रभु संतन सुखदाई, भक्त वछल गोपाल।।"

उत्तरः (क) इन पंक्ति में मीरा कहती हैं कि उन्हें बादल और ठंडी हवा बहुत अच्छे लगते हैं। 'नन्हीं-नन्हीं बूँदन का मतलब है— बादल इधर-उधर घूम रहे हैं और "शीतल पवन" यानी ठंडी हवा चल रही है। ये सब सावन के मौसम की सुंदरता को दर्शाता है। मीरा इन प्राकृतिक चीजों को देखकर आनंदित हो रही हैं। इससे हमें समझ में आता है कि मीरा प्रकृति से बहुत जुड़ी हुई थीं और उन्होंने प्रकृति की सुंदरता को भी अपने भक्ति भाव से जोड़ा है।

(ख) इस पंक्ति में मीरा अपने प्रभु श्रीकृष्ण की महिमा बता रही हैं। वे कहती हैं कि श्रीकृष्ण संतों को सुख देने वाले हैं और भक्तों के प्यारे हैं।

इससे पता चलता है कि मीरा को अपने प्रभु पर बहुत विश्वास और प्रेम है। वे उन्हें सभी भक्तों और संतों के लिए सबसे प्रिय और सुख देने वाला मानती हैं।

सोच-विचार के लिए

पाठ को एक बार फिर से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) पहले पद में श्रीकृष्ण के बारे में क्या-क्या बताया गया है?

(ख) दूसरे पद में सावन के बारे में क्या-क्या बताया गया है?

उत्तरः (क) पहले पद में श्रीकृष्ण के बारे में निम्न बातें बताई गई हैं—

- श्रीकृष्ण की मोहिनी मूर्ति (आकर्षक रूप) और साँवली सूरत का वर्णन।
- उनकी विशाल आँखें (नैना बने विशाल) जो मन को मोह लेती हैं।
- उनके होठों पर मुरली और सीने पर वैजंती माला की शोभा।
- कमर पर छोटी घंटिकाएँ और पैरों में नूपुर, जो मधुर ध्वनि उत्पन्न करते हैं।
- वे भक्तों पर अपार स्नेह रखने वाले मीरा के आराध्य प्रभु हैं।
- वे संतों को सुख देने वाले और भक्तों के प्रिय हैं।

(ख) सावन के बारे में निम्न बातें बताई गई हैं—

- सावन के बादल बरस रहे हैं, जो मन को भाते हैं।
- मीरा का मन श्रीकृष्ण के आने की भनक से उमंग से भर गया है।
- चारों दिशाओं से बादल उमड़-घुमड़ कर आ रहे हैं।
- बिजली चमक रही है और छोटी-छोटी बूँदें बरस रही हैं।
- शीतल हवा वह रही है, जो मन को सुकून देती है।
- मीरा आनंद और मंगल गीत गा रही हैं।

कविता की रचना

"मीरा के प्रभु संतन सुखदाई"
"मीरा के प्रभु गिरधरनागर"

इन दोनों पंक्तियों पर ध्यान दीजिए। इन पंक्तियों में मीरा ने अपने नाम का उल्लेख किया है। मीरा के समय के अनेक कवि अपनी रचना के अंत में अपने नाम को सम्मिलित कर दिया करते थे। आज भी कुछ कवि अपना नाम कविता में जोड़ देते हैं।
आप ध्यान देंगे तो इस कविता में आपको ऐसी अनेक विशेषताएँ दिखाई देंगी। (जैसे— कविता में छोटी-छोटी पंक्तियाँ हैं। श्रीकृष्ण के लिए अलग-अलग नामों का प्रयोग किया गया है आदि।)
(क) इस पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और अपने समूह में मिलकर इस पाठ की विशेषताओं की सूची बनाइए।
(ख) अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।
उत्तरः (क) कविता की विशेषताएँ—
- छोटी-छोटी पंक्तियाँ, जो गेय और सरल हैं।
- श्रीकृष्ण के लिए विभिन्न नामों का प्रयोग (नंदलाल, गिरधर, गोपाल)
- भक्ति और प्रेम का गहरा भाव।
- प्रकृति का सुन्दर चित्रण (सावन, बादल, बिजली।
- मीरा का अपने नाम का उल्लेख (कविता में हस्ताक्षर)।
- मधुर शब्दों और ध्वनियों का उपयोग (जैसे—नूपुर, मुरली)
- सरल और बोलचाल की भाषा।
- पदों की पंक्तियाँ तुकांत शब्दों से समाप्त होती हैं।

(ख) छात्र स्वयं करें।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए—
(क) मान लीजिए कि बादलों ने मीरा को श्रीकृष्ण के आने का संदेश सुनाया है। आपको क्या लगता है कि उन्होंने क्या कहा होगा? कैसे कहा होगा?
(ख) यदि आपको मीरा से बातचीत करने का अवसर मिले तो आप उनसे क्या-क्या कहेंगे और क्या-क्या पूछेंगे?
उत्तरः (क) **संभावित संदेश—** बादलों ने कहा होगा, " हे मीरा, गोपाल आ रहे हैं। सावन की बूँदों में उनकी मुरली की तान सुनाई देगी। गिरधर को अपने नेत्रों में बसाने के लिए तैयार हो जाओ।
कैसे कहा होगा— बादल मधुर और गहरी आवाज में, बिजली की चमक और हवा की सनसनाहट के साथ यह संदेश दे रहे होंगे, जो मीरा के मन को आनंद से भर दे।
(ख) **क्या-क्या कहेंगे—**
- सबसे पहले उन्हें प्रणाम करेंगे और कहेंगे आपके भक्ति भाव और त्याग ने संसार को ईश्वर प्रेम का अमूल्य संदेश दिया है।
- आपने कठिन परिस्थितियों में भी अपने प्रभु श्रीकृष्ण प्रेम करना नहीं छोड़ा, यह हमें सच्ची निष्ठा और साहस का मार्ग दिखाता है।
- उन्हें धन्यवाद कहेंगे कि उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से भक्ति की अमर धारा बहाई।

क्या-क्या पूछेंगे—
- आपने इतनी विपत्तियों और विरोध के बीच भी भक्ति का मार्ग क्यों और कैसे नहीं छोड़ा?
- आपकी भक्ति की शक्ति का स्रोत क्या था?
- जब परिवार और समाज ने विरोध किया तो आपको हिम्मत कहाँ से मिली? आदि।

इस प्रकार हम उनसे उनके जीवन, भक्ति व संदेश के बारे में जानकर स्वयं को धन्य समझेंगे।

शब्दों के रूप

आगे शब्दों से जुड़ी कुछ गतिविधियाँ दी गई हैं। इन्हें करने के लिए आप शब्दकोश, अपने शिक्षकों और साथियों की सहायता भी ले सकते हैं।
"मोहनि मूरति **साँवरि** सूरति, नैना बने विशाल।"
इस पंक्ति में 'साँवरि' शब्द आया है। इसके स्थान पर अधिकतर 'साँवली' शब्द का प्रयोग किया जाता है। इस पद में ऐसे कुछ और शब्द हैं, जिन्हें आप कुछ अलग रूप में लिखते और बोलते होंगे। नीचे ऐसे ही कुछ अन्य शब्द दिए गए हैं। इन्हें आप जिस रूप में बोलते-लिखते हैं, उस तरह से लिखिए।
- नैनन ________
- मेरो मनवा ________
- सोभित ________
- आवन ________
- भक्त वछल ________
- दिश ________
- बदरिया ________
- मेहा ________

उत्तरः • नयन, आँखें • मेरा मन • शोभित
• आगमन/आना • भक्त वत्सल • दिशाएँ
• बादल • वर्षा

शब्द से जुड़े शब्द

नीचे दिए गए स्थानों में श्रीकृष्ण से जुड़े शब्द पाठ में से चुनकर लिखिए—

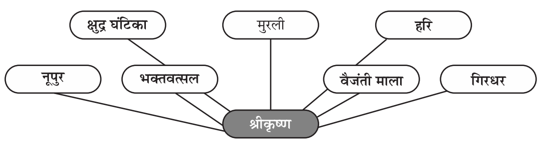

पंक्ति से पंक्ति

नीचे स्तम्भ 1 और स्तंभ 2 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। मिलती-जुलती पंक्तियों को रेखा खींचकर मिलाइए—

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. अधर सुधा रस मुरली राजति, उर वैजंती माल	1. चारों दिशाओं से बादल उमड़-घुमड़ कर बरस रहे हैं, बिजली चमक रही है, वर्षा की झड़ी लग गई है।
2. क्षुद्र घंटिका कटितट सोभित, नूपुर शब्द रसाल	2. होंठों पर सुरीली धुनों से भरी हुई बाँसुरी और सीने पर वैजयंती माला सजी हुई है।
3. मीरा के प्रभु संतन सुखदाई, भक्त वछल गोपाल	3. सावन के महीने में मेरे मन में बहुत- सी उमंगें उठ रही हैं, क्योंकि मैंने श्रीकृष्ण के आने की चर्चा सुनी है।
4. सावन में उमग्यो मेरो मनवा, भनक सुनी हरि आवन की	4. हे मीरा के प्रभु! तुम संतों को सुख देने वाले हो और अपने भक्तों से स्नेह करने वाले हो।
5. उमड़-घुमड़ चहुँ दिश से आया, दामिन दमकै झर लावन की	5. कमर पर छोटी-छोटी घंटियाँ सजी हुई हैं और पैरों में बँधे हुए नूपुर मीठी आवाज में बोल रहे हैं।

उत्तर: **1.** (2), **2.** (5), **3.** (4), **4.** (3), **5.** (1)।

कविता का सौंदर्य

"बरसे बदरिया सावन की।"

इस पंक्ति में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। क्या आपको कोई विशेष बात दिखाई दी?

इस पंक्ति में 'बरसे' और 'बदरिया' दोनों शब्द साथ-साथ आए हैं, और दोनों 'ब' वर्ण से शुरू हो रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इस पंक्ति में 'ब' वर्ण की आवृत्ति हो रही है। इस कारण यह पंक्ति और भी अधिक सुंदर बन गई है। पाठ में से इस प्रकार के अन्य उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर: पाठ में आए ऐसे अन्य उदाहरण निम्नलिखित हैं—

- मोहनि मूरित साँवरि सूरति
- मीरा के प्रभु संतन सुखदाई
- सावन में उमग्यो मेरो मनवा
- दामिन दम कै झर लावन की
- नन्हीं-नन्हीं बूँदन मेहा बरसे

रूप बदलकर

पाठ के किसी एक पद को एक अनुच्छेद के रूप में लिखिए। उदाहरण के लिए— 'सावन के बादल बरस रहे हैं.....', या 'सावन की बदरिया बरसती है....' आदि।

उत्तर: सावन के बादल बरस रहे हैं। सावन का मौसम मन को लुभाने वाला होता है। ऐसे आनंदमय वातावरण में मीरा का मन भी उमंगित हो रहा है क्योंकि उन्हें श्रीकृष्ण के आने का आभास हो रहा है। चारों दिशाओं से आकर उमड़ते-घुमड़ते बादल छा गए हैं। इस दौरान बिजली भी बहुत तेज चमक रही है। जैसे— बारिश की झड़ी लगने वाली हो। नन्हीं-नन्हीं बूँदों के रूप में मेघ बरस रहे हैं। साथ ही साथ ठंडी, शीतल हवा भी बह रही है। मीरा अपने प्रभु के मंगल आगमन के गीत गा रही है क्योंकि उनके लिए यह केवल सावन का मौसम भर नहीं, अपितु प्रभु से मिलने की अनुभूति है।

मुहावरे

''बसो मेरे नैनन में नंदलाल।''

नैनों या आँखों में बस जाना एक मुहावरा है, जब हमें कोई व्यक्ति या वस्तु इतनी अधिक प्रिय लगने लगती है कि उसका ध्यान हर समय मन में बना रहने लगता है तब हम इस मुहावरे का प्रयोग करते हैं, जैसे— उसकी छवि मेरी आँखों में बस गई है। ऐसा ही एक अन्य मुहावरा है— आँखों में घर करना।

नीचे आँखों से जुड़े कुछ और मुहावरे दिए गए हैं। अपने परिजनों, साथियों, शिक्षकों, पुस्तकालय और इंटरनेट की सहायता से इनके अर्थ समझिए और इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर: 1. आँखों का तारा — बहुत प्रिय व्यक्ति।

वाक्य प्रयोग — श्रीकृष्ण मीरा के आँखों के तारा थे।

2. आँखों पर पर्दा पड़ना — सच्चाई या वास्तविकता न दिखना।

वाक्य प्रयोग — धृतराष्ट्र को पुत्रमोह के कारण पांडवों की योग्यता, त्याग, प्रेम दिखाई नहीं दिया क्योंकि उनकी आँखों पर पर्दा पड़ गया था।

3. आँखों के आगे अँधेरा छाना — निराश या चिंता में डूब जाना।

वाक्य प्रयोग— श्रवण कुमार को बाण लग जाने पर राजा दशरथ की आँखों के सामने अँधेरा छा गया।

4. आँख दिखाना — डराना या धमकाना।

वाक्य प्रयोग — अपने ही दिये हुए पैसे वापस माँगने पर प्रिया ने मुझे आँख दिखाई।

5. आँख का काँटा — अप्रिय लगना / बहुत खटकना।

वाक्य प्रयोग — मीरा राणा की आँख का काँटा थी।

6. आँखें फेरना — उपेक्षा करना / पहले जैसा व्यवहार न करना।

वाक्य प्रयोग — कर्ण सूतपुत्र थे इसलिए द्रौपदी ने स्वयंवर में उनसे आँखें फेर लीं।

7. आँख भर आना — भावुक होना।

वाक्य प्रयोग — अभिमन्यु के चक्रव्यूह में फँसकर मरने पर पाण्डव दुखी होकर रो दिए; यह देख श्रीकृष्ण की आँखें भर आईं।

8. आँख चुराना — शर्मिंदगी या अपराध बोध में नजरें नहीं मिलाना।

वाक्य प्रयोग – अश्वत्थामा मारा गया कहकर युधिष्ठिर ने द्रोणाचार्य से आँखें चुरा लीं।

9. आँखों से उतरना – मन से उतर जाना।

वाक्य प्रयोग – भरी सभा में करुण गुहार पर मौन द्रोणाचार्य तथा भीष्म आदि द्रौपदी की आँखों से उतर गए।

10. आँखों में खटकना – कुछ बुरा या परेशान करने वाला।

वाक्य प्रयोग – पांडव अपनी प्रतिभा कौशल के कारण कौरवों की आँखों में खटकते थे।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) "बरसे बदरिया सावन की"

1. इस पद में सावन का सुंदर चित्रण किया गया है। जब आपके गाँव या नगर में सावन आता है तो मौसम में क्या परिवर्तन आते हैं? वर्णन कीजिए।

उत्तर– जब हमारे गाँव / नगर में सावन आता है तो मौसम में निम्नलिखित परिवर्तन आते हैं–

- ठंडी-ठंडी हवा बहती है और गरमी से बेहाल धरती और प्राणी राहत का अनुभव करते हैं।
- बारिश की बूँदों के जमीन पर गिरते ही आस-पास मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू फैल जाती है।
- नदियाँ, तालाब लबालब भर जाते हैं।
- आम की डालियों पर झूले पड़ जाते हैं।
- चारों ओर हरियाली दिखाई पड़ती है, इत्यादि।

2. सावन की ऋतु में किस-किस प्रकार की ध्वनियाँ सुनाई देती हैं? इन ध्वनियों को सुनकर आपके मन में कौन-कौन सी भावनाएँ उठती हैं? आप कैसा अनुभव करते हैं? अपने अनुभवों के आधार पर बताइए। (उदाहरण के लिए– बिजली के कड़कने या बूँदों के टपकने की ध्वनियाँ।)

उत्तर– सावन में कई तरह की ध्वनियाँ सुनाई देती हैं–

- बिजली की कड़कन।
- बूँदों की रिमझिम।
- नदी और नालों की कल-कल।
- मेढ़कों की टर्र-टर्र।
- कोयल की कूक।

इन ध्वनियों को सुनकर मन में आनंद, ताजगी और उल्लास का अनुभव होता है। ऐसा लगता है कि पूरी प्रकृति खुशी मना रही है। मन में उत्साह और स्फूर्ति का संचार हो जाता है।

3. वर्षा ऋतु में आपको कौन-कौन सी गतिविधियाँ करने या खेल खेलने में आनंद आता है?

उत्तर– वर्षा ऋतु में कई गतिविधियाँ आनन्द देने वाली होती हैं–

- कागज की नाव बनाना
- बारिश में भीगना
- तालाब में तैरना
- पतंगबाजी

4. सावन के महीने में हमारे देश में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। आपके घर, परिसर या गाँव में सावन में कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं? किसी एक के विषय में अपने अनुभव बताइए।

उत्तर– सावन के महीने में मेरे घर, परिसर या गाँव में कई त्योहार मनाए जाते हैं जैसे– हरियाली तीज, रक्षाबंधन, नाग पंचमी, कृष्ण जन्माष्टमी आदि।

रक्षाबंधन का मेरा अनुभव –

यह मेरा सबसे प्रिय त्योहार है। इस दिन भाइयों को बहनें राखी बाँधती हैं। राखी का त्योहार एक-दूसरे के प्रति प्रेम, समर्पण, सुरक्षा का प्रतीक है। माँ लक्ष्मी ने राजा बलि से अपने प्राणेश्वर श्री हरि को उनसे वापस माँगने के लिए राखी बाँधकर अपने श्री हरि को वापस पाया था। श्रीकृष्ण ने द्रौपदी का चीर बढ़ाकर उनके साड़ी के टुकड़े का कर्ज चुकाया था। देश की रक्षा में सीमा पर गए वीरों को अनगिनत राखियाँ भेजकर उनका उत्साहवर्धन किया जाता है। यह पावन त्योहार भाव के धागे के रूप में प्रसिद्ध है।

(ख) "बसो मेरे नैनन में नंदलाल"

इस पद में मीरा श्रीकृष्ण को 'संतों को सुख देने वाला' और 'भक्तों का पालन करने वाला' कहती हैं।

1. क्या आपके जीवन में कोई ऐसा व्यक्ति है जो सदैव आपकी सहायता करता है और आपको आनंदित करता है? विस्तार से बताइए।

उत्तर– हाँ; मेरे जीवन में मेरी माँ (यहाँ पिता, गुरु, मित्र या कोई प्रियजन भी लिख सकते हैं) हैं जो सदैव मेरी सहायता करती हैं और मुझे आनंदित रखती हैं। जब भी मैं किसी कठिनाई में होता / होती हूँ, वे मुझे धैर्य और साहस देती हैं। माँ मेरी छोटी-सी सफलता पर भी खुशी व्यक्त कर मुझे प्रोत्साहित करती हैं और मेरी असफलता में मेरा मनोबल बढ़ाती हैं। पुनः कार्य की सफलता के लिए प्रेरित करती हैं। उनका स्नेह और मार्गदर्शन मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देता है; जैसे– मीराबाई को श्रीकृष्ण की भक्ति में सुख और शांति मिलती थी, वैसे ही मुझे अपनी माँ के प्रेम, त्याग और सहारे में आत्मविश्वास और आनंद प्राप्त होता है।

2. कवयित्री ने पाठ में 'नूपुर' और 'क्षुद्र घंटिका' जैसे उदाहरणों का प्रयोग किया है। किसी का वर्णन करने के लिए हम केवल बड़ी-बड़ी ही नहीं, बल्कि उससे जुड़ी छोटी-छोटी बातें भी बता सकते हैं। आप भी अपने आस-पास के किसी व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करते हुए उससे जुड़ी छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दीजिए और उन्हें लिखिए।

उत्तर– मेरे जीवन में सबसे प्रिय व्यक्ति मेरी दादी हैं। वह साधारण कपड़े पहनती हैं। उनका चेहरा मुस्कुराता रहता है। सुबह- सुबह वह अपने छोटे से चश्मे से अखबार पढ़ती

हैं और मुझे रोचक बातें सुनाती हैं। खाना बनाते समय वह धीमे-धीमे भजन गुनगुनाती हैं, जिससे घर का वातावरण बहुत पवित्र लगता है। उनकी हथेलियों की झुर्रियों में मेहनत और अनुभव की कहानियाँ छिपी हैं। मुझे सबसे अच्छा तब लगता है जब वह मेरे बालों को सहलाती हैं और अपने बचपन की छोटी-छोटी कहानियाँ सुनाती हैं। उनकी इन्हीं छोटी-छोटी बातों से मुझे बहुत सुकून और आनंद मिलता है।

विशेषताएँ

''मोहनि मूरति साँवरि सूरति, नैना बने विशाल।''

(क) इस पंक्ति में कवयित्री ने श्रीकृष्ण की मोहनी मूरत, साँवरी सूरत और विशाल नैनों की बात की है। आपको श्रीकृष्ण की कौन-कौन सी बातों ने सबसे अधिक आकर्षित किया?

उत्तर– मुझे श्रीकृष्ण की जिन बातों ने सबसे अधिक आकर्षित किया, वे हैं उनके होंठों पर सुशोभित अमृत रस बरसाने वाली मुरली, हृदय पर सजी वैजयंती पौधे के बीजों की माला। उनके पैरों के नूपुरों की ध्वनि तथा संतों एवं अपने भक्तों को स्नेह प्रदान करने वाला उनका विशाल हृदय जो सदा अकारण ही सभी पर कृपा-करुणा बरसाने वाला है। उनका कर्णप्रिय नाम जो जगत के उतार-चढ़ाव भरे जीवन में पार लगाने वाला है।

(ख) किसी व्यक्ति या वस्तु का कौन-सा गुण आपको सबसे अधिक आकर्षित करता है? क्यों? अपने जीवन से जुड़े किसी व्यक्ति या वस्तु के उदाहरण से बताइए।

उत्तर– विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) हम सबकी कुछ विशेषताएँ बाह्य तो कुछ आंतरिक होती हैं। बाह्य विशेषताएँ तो हमें दिखाई दे जाती हैं, लेकिन आंतरिक विशेषताएँ व्यक्ति के व्यवहार से पता चलती हैं। आप अपनी दोनों प्रकार की विशेषताओं के दो-दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर – आंतरिक स्वभाव– जिज्ञासु, ईमानदार, संवेदनशील, मेहनती आदि।

बाह्य स्वभाव– मृदुभाषी, हँसमुख होना, उत्साह बनाए रखने वाला आदि। (विद्यार्थी स्वयं करें।)

मधुर ध्वनियाँ

''अधर सुधा रस मुरली राजति, उर वैजंती माल।।
क्षुद्र घंटिका कटितट सोभित, नूपुर शब्द रसाल।।''

इन पंक्तियों में तीन ऐसी वस्तुओं के नाम आए हैं, जिनसे मधुर ध्वनियाँ उत्पन्न होती हैं। उन वस्तुओं के नाम पहचानिए और उनके नीचे रेखा खींचिए।

उत्तर – मुरली, क्षुद्र घंटिका तथा नुपुर।

● आगे मधुर ध्वनियाँ उत्पन्न करने वाले कुछ वाद्ययंत्रों के विषय में पहेलियाँ दी गई हैं। इन्हें पचानकर सही चित्रों के साथ रेखा खींचकर मिलाइए–

पहेली	उत्तर
1. हवा से बोलती है, सुर में गीत सुनाती है, होठों से छू जाए, तो मन को लुभाती है।	(क) 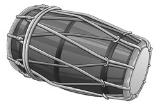
2. दो साथियों का जोड़ा, हाथों से है बजता, ताल मिलाए ताल से, हर संगत में सजता।	(ख)
3. शाहों में शामिल होती, फूँकों से संगीत सुनाती, सुख के सारे काम सजाती, दुख में भी ये साथ निभाती।	(ग)
4. तारों में छिपा संगीत, माँ सरस्वती का गहना, छेड़े जब अँगुलियाँ, बहे रागों का झरना।	(घ)
5. दो हाथों से बजती है ये, ताल से थिरकें पैर, हर उत्सव की है ये साथी, लटक गले ये करती सैर।	(ङ)
6. नागिन-सी लहराती है जो, बड़ी खास आवाज है जिसकी, तीन, चीन, रंगीन, हीन से मिली-जुली पहचान है इसकी।	(च)
7. सौ तारों का जादू, डंडियों से जो गाए, कश्मीर की वादियों जैसा मधुर संगीत लाए।	(छ)
8. छोटा-सा यंत्र है, हाथों से बजता जाए, घर-मंदिर का साथी, झंकार से मन बहलाए।	(ज)

उत्तर– **1.** (ख) **2.** (घ) **3.** (च) **4.** (ङ) **5.** (क) **6.** (ज) **7.** (ग) **8.** (छ)।

चित्र करते हैं बातें

नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए–

यह मीरा का काँगड़ा शैली में बना चित्र है। इस चित्र के आधार पर मीरा के संबंध में एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर– मीरा का काँगड़ा शैली में बना चित्र उनकी भक्ति और सादगी को दर्शाता है। चित्र में मीरा को साधारण वस्त्रों में, हाथ में तानपुरा लिए हुए दिखाया गया है, जो उनकी संगीतमय भक्ति को व्यक्त करता है। उनके चेहरे पर शांति और श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम का भाव है। पृष्ठभूमि में रंगीन फूल और प्रकृति का चित्रण सावन के महीने की सुंदरता को दर्शाता है। यह चित्र मीरा की भक्ति, संगीत और प्रकृति प्रेम को जीवंत करता है।

आज की पहेली

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। इनकी अंतिम ध्वनि से मिलती-जुलती ध्वनि वाले शब्द वर्ग में से खोजिए और लिखिए–

शब्द	समान ध्वनि वाले शब्द
1. मूरति	सूरति
2. सावन	
3. उमड़	
4. नागर	
5. नंदलाल	

उत्तर: 2. आवन, 3. घुमड़, 4. नगर, 5. गोपाल

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मीरा किसकी अनन्य भक्त थीं?
(क) राम की (ख) कृष्ण की
(ग) शिव की (घ) विष्णु की( )

2. मीरा का विवाह किससे हुआ था?
(क) राणा सांगा (ख) राणा कुंभा
(ग) राणा भोजराज (घ) राणा प्रताप
( )

3. मीरा की भक्ति किस भाव पर आधारित थी?
(क) दास्य भाव (ख) माधुर्य भाव
(ग) वात्सल्य भाव (घ) सखा भाव
( )

4. मीरा किस भाषा में पद लिखती थीं?
(क) अवधी (ख) राजस्थानी-ब्रज
(ग) संस्कृत (घ) खड़ी बोली
( )

5. मीरा का जन्म कहाँ हुआ था?
(क) चित्तौड़गढ़ (ख) मेड़ता
(ग) अजमेर (घ) उदयपुर ( )

उत्तर: **1.** (ख), **2.** (ग), **3.** (ख), **4.** (ख), **5.** (ख)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. मीरा का मन अपने प्रभु .... के साथ जुड़ा है।

2. चारों दिशाओं में उमड़-घुमड़ कर .... आते हैं।

3. नन्हीं-नन्हीं बूँदों में .... हो रही है।

4. बरसे बदरिया .... की।

5. मीरा के हृदय में .... के मिलने की .... जाग उठती है।

उत्तर: **1.** श्रीकृष्ण, **2.** बादल, **3.** वर्षा, **4.** सावन, **5.** श्रीकृष्ण, उमंग।

सत्य/असत्य

1. मीरा की भक्ति निष्काम और आत्मीय थी। ( )

2. मीरा कृष्ण को अपने पति के रूप में मानती थी। ( )

3. मीरा निर्गुण भक्ति संप्रदाय से जुड़ी थीं। ( )

4. मीरा के गुरु रैदास जी ने उन्हें एकतारा दिया था। ( )

5. मीरा ने जीवन भर सांसारिक बंधनों की परवाह नहीं की। ( )

उत्तर: **1.** सत्य, **2.** सत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सही मिलान कीजिए

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
1. गिरधर नागर	**(क)** पवन
2. मुरली	**(ख)** भगवान की शोभा
3. शीतल	**(ग)** चारों ओर छा जाना
4. वैजयंती माला	**(घ)** अधर
5. घनघोर घटाएँ	**(ङ)** मीरा के प्रभु

उत्तर: **1.** (ङ), **2.** (घ), **3.** (क), **4.** (ख), **5.** (ग)।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. मीरा के पिता कौन थे?

उत्तर: मीरा के पिता रतन सिंह थे।

2. मीरा किस भाव से कृष्ण को अपना मानती थीं?

उत्तर: पति के रूप में कृष्ण को अपना मानती थी।

3. मीरा ने किसके आने की खबर सुनी?

उत्तर: श्रीकृष्ण के आने की खबर सुनी।

4. मीरा किस भक्ति शाखा से जुड़ी थीं?

उत्तर: सगुण भक्ति शाखा से जुड़ी थीं।

5. मीरा को कृष्ण का कौनसा नाम प्रिय था?

उत्तर: गिरधर गोपाल नाम प्रिय था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. मीरा ने भक्तवत्सल किसे और क्यों कहा है?

उत्तर: मीरा ने अपने आराध्य श्रीकृष्ण को भक्त वत्सल कहा है, क्योंकि वे संतों को सुख और भक्तों को स्नेह देने वाले हैं।

2. मीरा क्यों प्रसन्न हैं?

उत्तर: मीरा इसलिए प्रसन्न हैं क्योंकि उन्हें श्रीकृष्ण के आने की आहट मिल चुकी है।

3. मीरा ने अपनी भक्ति को कैसे सिद्ध किया?

उत्तर: मीरा ने अपने परिवार व समाज की सभी मर्यादाओं को त्यागकर और श्रीकृष्ण के प्रति अपने अटूट प्रेम को प्रदर्शित करके अपनी भक्ति को सिद्ध किया।

4. मीरा अपने आराध्य के कौन से रूप को आँखों में बसाना चाहती हैं?

उत्तर: मीरा अपने आराध्य के उस रूप को आँखों में बसाना चाहती हैं, जिसमें वे मोर मुकुट, कानों में कुंडल व गले में वैजयंती माला पहने हुए है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. 'मीरा के पद' में व्यक्त भक्ति भावना की क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर: 'मीरा के पद' में व्यक्त भक्ति भावना की कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

1. अनन्य भक्ति
2. समर्पण व त्याग
3. विरह और मिलन की भावना
4. लोक-भाषा का प्रयोग

मीरा की भक्ति अनन्य है। वे श्रीकृष्ण को अपना पति मानती हैं और खुद को उनकी दासी। ये सांसारिक रिश्तों से ऊपर हैं।

मीरा ने अपनी भक्ति के लिए राजघराने का सुख, परिवार का सम्मान, जीवन सब दाँव पर लगा दिया।

2. मीराबाई ने लोक-लाज (सामाजिक शर्म) और पारिवारिक मर्यादा की परवाह क्यों नहीं की?

उत्तर: मीराबाई ने लोक-लाज (सामाजिक शर्म) और पारिवारिक मर्यादा की परवाह नहीं की, क्योंकि उनका प्रेम भगवान श्रीकृष्ण के प्रति इतना गहरा और अटल था कि उनके लिए सांसारिक रिश्ते, सम्मान और नियम अर्थहीन हो गए थे। मीरा का मानना था कि उनका असली संबंध केवल श्रीकृष्ण से है और वे उन्हीं की दासी हैं। कृष्ण के प्रति उनका प्रेम एक भक्त का प्रेम नहीं, बल्कि एक पतिव्रता पत्नी का प्रेम था। मीरा के लिए सांसारिक संबंधों से भी ऊपर श्रीकृष्ण का प्रेम था।

OO